आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	33°C	17°C

इनसाइड न्यूज

राजधानी में गैस माफिया बेखौफ: चाचा के लाइसेंस पर भतीजे का...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

शनिवार 28 फरवरी, 2026 | पेज: 12 | मूल्य: ₹ 3.00/- लखनऊ | वर्ष: 17, अंक: 138 | www.janexpresslive.com/epaper

हर सुधार और आवंटन विकसित भारत... 12

केजरीवाल-सिसोदिया सीबीआई केस में बरी

दिल्ली शराब नीति केस: कोर्ट बोला, चार्जशीट में खामियां, फैसले पर केजरीवाल रोते हुए बोले, जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

शराब घोटाला केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई केस में बरी कर दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- दोनों के खिलाफ सबूत नहीं है, आरोप साबित नहीं होता। सीबीआई ने साजिश की रचने की कोशिश की, लेकिन उसका सिद्धांत ठोस सबूतों की जगह अनुमान पर था। इस मामले में सीबीआई ने कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने सभी के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार करते हुए सभी को बरी कर दिया। बरी होने के बाद कोर्ट से बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान केजरीवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा- मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। इन्होंने झूठा केस लगाया। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं। वहीं, कोर्ट के फैसले पर मनीष सिसोदिया ने कहा- हमें एक बार फिर गर्व हो रहा हैं अपने संविधान पर और बी.आर. अंबेडकर पर, जिन्होंने हमें ऐसा संविधान दिया। सच की फिर से जीत हुई है।

दिल्ली शराब नीति केस में बरी सभी 23 लोगों के नाम

- अरविंद केजरीवाल
- मनीष सिसोदिया
- के. कविता
- दुर्गेश पाठक
- कुलदीप सिंह
- नरेंद्र सिंह
- विजय नायर
- अभिषेक बोइनपल्ली
- अरुण पिल्लई
- मूथा गौतम
- समीर महेंद्रू
- अमनदीप सिंह ढल
- अर्जुन पांडे
- बुचिबाबू गोरंतला
- राजेश जोशी
- दामोदर प्रसाद शर्मा
- प्रिंस कुमार
- अरविंद कुमार सिंह
- चनप्रीत सिंह
- अमित अरोरा
- विनोद चौहान
- आशीष चंद माथुर
- शरत रेड्डी

राउज एवेन्यू कोर्ट की 4 बड़ी बातें

कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को बरी किया। कहा कि हजारों पन्नों की चार्जशीट में कई खामियां हैं और उसमें लगाए गए आरोप किसी गवाह या बयान से साबित नहीं होते। चार्जशीट में विरोधाभास हैं, जो कथित साजिश (आरोपों) की पूरी थ्योरी को कमजोर करते हैं। अदालत ने सीबीआई के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं।

आबकारी नीति पर: आबकारी नीति के निर्माण में कोई व्यापक साजिश या आपराधिक मंशा नहीं थी। अभियोजन पक्ष (सीबीआई) का मामला न्यायिक जांच पर खरा नहीं उतरता। सीबीआई ने साजिश की एक कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसका सिद्धांत ठोस साक्ष्यों के बजाय मात्र अनुमान पर आधारित था।

केजरीवाल पर: केजरीवाल का नाम बिना किसी ठोस सबूत के जोड़ा गया। जब मामला किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से जुड़ा हो, तब बिना पुख्ता सबूतों के आरोप लगाना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है।

मुख्य आरोपी कुलदीप पर: मुख्य आरोपी कुलदीप सिंह को बरी करते हुए कहा कि हैरानी की बात है कि उन्हें पहला आरोपी क्यों बनाया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई ठोस सामग्री नहीं थी।

मनीष सिसोदिया पर: सिसोदिया पर आरोप था कि वे शराब नीति बनाने और लागू करने के जिम्मेदार थे, लेकिन अदालत ने कहा कि उनके शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला और न ही उनके खिलाफ कोई बरामदगी हुई।

आखिर क्या है शराब नीति मामला?

कोरोना काल के बीच दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली आबकारी नीति 2021-22' लागू की थी। इस शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितता की शिकायतें आईं जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई थी। हालांकि, नई शराब नीति को बाद में इसे बनाने और इसके कार्यान्वयन में अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द कर दिया गया।

जांच कैसी शुरू हुई?

सीबीआई ने अगस्त 2022 में इस मामले में 15 आरोपियों के खिलाफ नियमों के कथित उल्लंघन और नई शराब नीति में प्रक्रियागत गड़बड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। बाद में सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के संबंध में ईडी ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच शुरू कर दी।

सीबीआई की जांच ईडी की जांच से कैसे अलग है?

ईडी और सीबीआई दिल्ली सरकार की नई शराब नीति में कथित घोटाले की अलग-अलग जांच कर रही हैं। ईडी नीति को बनाने और लागू करने में धन शोधन के आरोपों की जांच कर रही है।

सिसोदिया बोले, मोदी साजिश रच रहे थे

दिल्ली आबकारी नीति मामले में बरी होने के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा- आज देश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण दिन है। नरेंद्र मोदी जी सत्ता में बने रहने के लिए ईडी और सीबीआई की ताकत से साजिश रच रहे थे, वह साजिश नाकाम हो गई। सिसोदिया ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका था कि यह मामला ट्रायल में टिक नहीं पाएगा और आज अदालत ने भी वही कहा। एक सीबीआई अधिकारी के खिलाफ जांच बैठाई गई है और भाजपा को स्वीकार करना चाहिए कि वह झूठ बोल रही थी।

कानूनी तौर पर आगे क्या

ऐसे मामलों में जांच एजेंसी दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख करती हैं। सीबीआई अब राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेगी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी जा सकती है।

फैसले के बाद केजरीवाल ने कही यह बात

आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों से भाजपा जिस तरह से शराब घोटाले के बारे में कह रही थी और हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी तो आज कोर्ट ने सभी आरोप खारिज कर दिए और सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। सत्य की जीत हुई। आप को खत्म करने के लिए सभी बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया था, यह पूरा फर्जी केस था, केजरीवाल भ्रष्ट नहीं है। मैंने अपने जीवन में केवल ईमानदारी कमाई है। कोर्ट ने कहा है कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आप कट्टर ईमानदार है। अच्छा काम करके सत्ता में आइए और झूठे केस करके हमें जेल में डालना प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता।'

दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व सांसद के. कविता बरी, कोर्ट के फैसले पर कहा- सत्यमेव जयते

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को दिल्ली की एक अदालत ने बरी कर दिया। तेलंगाना जागृति की संस्थापक के. कविता ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए 'सत्यमेव जयते' (सत्य की जीत होती है) की बात कही है। कविता ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उन्हें फंसाने की एक साजिश थी। के कविता ने हैदराबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में झूठ के जाल को काटा है। यह मामला तब चर्चा में आया जब कविता को मार्च 2024 में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उन्हें अगस्त 2024 को दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा किया गया था।

सीबीआई, ईडी के पास सबूत नहीं हैं: सौरभ भारद्वाज

दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'ईडी एक ऐसी संस्था है जो व्हीलचेयर पर है। दिल्ली, पंजाब, गुड़गांव, हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु में 600 जगहों पर छापेमारी की गई लेकिन कहीं से कोई बरामदगी नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि यह केस एक मिनट भी ट्रायल में नहीं टिकेगा लेकिन बेल नहीं दी। वहां ही साफ हो गया था कि सीबीआई, ईडी के पास सबूत नहीं हैं, इसलिए आज इसे डिस्चार्ज किया गया, इसका मतलब है कि यह केस इस लायक भी नहीं है कि इसमें मुकदमा चल सके।'

आज उन सभी षड्यंत्रों का पर्दाफाश हुआ: गोपाल राय

आप विधायक गोपाल राय ने कहा, 'न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। पहली बार ऐसा हुआ कि चुने हुए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया था। सीबीआई ने जो रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की थी, उसमें कोई आधार नहीं है। यह सीबीआई घोटाला हुआ था और एजेंसियों का इस्तेमाल करके सत्ता का दुरुपयोग किया गया था। आज उन सभी षड्यंत्रों का पर्दाफाश हो गया है।'

आम आदमी पार्टी एक कट्टर ईमानदार पार्टी है: आतिशी

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आप नेता आतिशी ने शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने पर कहा, 'आम आदमी पार्टी एक कट्टर ईमानदार पार्टी है, अरविंद केजरीवाल एक कट्टर ईमानदार नेता हैं, मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार नेता हैं और आज कोर्ट के आदेश ने यह साबित कर दिया कि किस तरह केंद्र सरकार की एजेंसियों ने षड्यंत्र करके बिना ठीक से जांच करके किस तरह से आरोप लगाए, भाजपा का सच आज देश के सामने आ गया।'

केजरीवाल का आरोप मुक्त होना उनके लिए 'नैतिक मृत्युदंड', जैसा: अखिलेश यादव

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आरोप मुक्त करार दिए जाने को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के लिए नैतिक मृत्युदंड करार दिया है। उन्होंने भाजपा को कपटजीवी करार दिया है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि आज दिल्ली के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ सत्य और न्याय दोनों खड़े हैं। आरोप कभी इतना बड़ा नहीं हो सकता कि वो सच को आच्छादित कर ले।

केदारनाथ यात्रा से पहले घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण शुरू, बीमा शुल्क ज्यादा होने से संचालकों में रोष

जन एक्सप्रेस। रुद्रप्रयाग

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलने से पहले घोड़े खच्चरों के पंजीकरण को लेकर कवायद शुरू हो गई है। पशुपालन विभाग ने आगामी 26 से 28 फरवरी तक छह स्थानों के लिए पहले चरण के घोड़ा-खच्चरों के पंजीकरण को लेकर रोस्टर जारी किया है। होली के बाद दूसरे चरण के लिए रोस्टर जारी होगा। केदारनाथ पैदल मार्ग पर सवारी एवं सामग्री ले जाने वाले घोड़ा-खच्चरों के स्वास्थ्य परीक्षण, माइक्रो चिपिंग, टैगिंग, रक्त सैंपलिंग, पशु बीमा के बाद ही पंजीकरण किया जाएगा। जिला प्रशासन लगभग पांच हजार घोड़ा खच्चरों के संचालन की अनुमति देगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि 27 फरवरी को चंद्रापुरी व सिद्धसौड एवं 28 को घंघासू बांगर एवं बक्सीर में पंजीकरण शिविर लगेंगे।

मनसूना में घोड़ा-खच्चरों का हुआ पंजीकरण

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी ऊखीमठ डॉ सतेंद्र सिंह यादव और रुद्रप्रयाग के डॉ राजीव गोयल ने बताया कि राउंलेक में लगभग 300 घोड़े खच्चरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर माइक्रो चिप भी लगा दी गई है, लेकिन स्वास्थ्य बीमा जमा न होने के कारण लाइसेंस जारी नहीं किए गए। वहीं मनसूना में 172 का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और 143 का स्वास्थ्य बीमा कर लाइसेंस जारी कर दिया गया।

घोड़े-खच्चर संचालकों ने स्वास्थ्य बीमा नहीं कराया

पशुओं के मेडिकल प्रमाणपत्र व बीमा जारी होने के बाद ही जिला पंचायत घोड़ा-खच्चर का पंजीकरण करेगा। राउंलेक में बीमा शुल्क अधिक होने के कारण घोड़े-खच्चर संचालकों ने स्वास्थ्य बीमा नहीं कराया है। भरत रावत, उमेद रावत, अशोक रावत, प्रदीप रावत, जग्गी बवान आदि का कहना है कि इस बार बीमा राशि दोगुने से ज्यादा हो गई है तथा विभाग उनसे जबरदस्ती बीमा कराने को कह रहा है, जबकि यह इच्छा होना चाहिए।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति घोटाला: कमीशन की जंग में बड़ा खुलासा

दो लिपिकों पर एफआईआर, लेकिन 30% 'नजराने' की चर्चा ने उठाए बड़े सवाल

जन एक्सप्रेस फॉलोअप

शत्रुघ्न सिंह

उरई। भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय (रा. जलागम) में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर हुए लाखों रुपये के कथित घोटाले ने अब नया मोड़ ले लिया है। मामले में दो अलग-अलग लिपिकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद अधिकारियों ने जहां स्वयं को इस प्रकरण से अलग दिखाने का प्रयास किया है, वहीं विभागीय कर्मियों के बीच चल रही चर्चाओं ने पूरे घटनाक्रम पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

एफआईआर के बाद 'पल्ला झाड़ने' की कोशिश?

सूत्रों के अनुसार, भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय के एक लिपिक तथा डीडी कार्यालय के एक अन्य लिपिक के खिलाफ अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। माना जा रहा है कि यह कदम उठाकर संबंधित अधिकारियों ने घोटाले की जिम्मेदारी निचले स्तर के कर्मचारियों पर डालते हुए स्वयं को बचाने की रणनीति अपनाई है। हालांकि, सवाल यह उठ रहा है कि यदि घोटाले की प्रक्रिया लंबी अवधि से चल रही थी, तो क्या इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं थी? क्या इतने बड़े पैमाने पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति की फाइलें बिना वरिष्ठ स्तर की जानकारी और अनुमोदन के पारित हो सकती थीं? कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी वित्तीय अनियमितता में केवल निष्पादन स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं होता। फाइल की स्वीकृति, भुगतान आदेश और अंतिम हस्ताक्षर की प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक स्तर की भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक होती है। इस मामले में भी यही प्रश्न उभर रहा है कि क्या जांच केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी, या फिर पूरे तंत्र की जवाबदेही तय की जाएगी?

भ्रष्टाचार वाले विभाग के अधिकारी ही जांच टीम में शामिल, उठे निष्पक्षता पर सवाल

जन एक्सप्रेस। शत्रुघ्न सिंह

उरई। जिला मुख्यालय स्थित भूमि संरक्षण अधिकारी राष्ट्रीय जलागम उरई कार्यालय और डीडी कार्यालय में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर लाखों रुपये के कथित फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जहां एक ओर दो कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है, वहीं दूसरी ओर जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। सबसे अहम प्रश्न यह उठ रहा है कि जिन विभागों से कथित गोलमाल की शुरुआत हुई, उन्हीं विभागों के अधिकारियों को जांच टीम में शामिल किया जाना क्या जांच को प्रभावित करने की कोशिश तो नहीं? नगर में इस बात को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है और लोग इसे जांच की पारदर्शिता से जोड़कर देख रहे हैं।

अन्य विभाग भी शक के घेरे में

सूत्रों की मानें तो जनपद के कई अन्य विभागों में भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति के मामलों में अनियमितताओं की फाइलें दबे होने की चर्चा है। यदि वर्तमान मामले की गहन जांच होती है, तो कई और विभागों के नाम सामने आ सकते हैं। इसी संभावना ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों, विशेषकर लिपिक वर्ग में बेचैनी बढ़ा दी है। चर्चा है कि कई स्थानों पर पुराने अभिलेखों को खंगाला जा रहा है और दस्तावेजों को दुरुस्त करने की कवायद शुरू हो गई है।

दो कर्मचारियों पर दर्ज हुई एफआईआर

जानकारी के अनुसार, चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर कागजी हेराफेरी कर लाखों रुपये निकालने के आरोप में भूमि संरक्षण अधिकारी राष्ट्रीय जलागम उरई कार्यालय में तैनात श्यामजी (वरिष्ठ सहायक) तथा डीडी कार्यालय के हर्ष वर्मा (कनिष्ठ सहायक) के विरुद्ध दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। बताया जा रहा है कि चिकित्सा बिलों और प्रतिपूर्ति प्रक्रिया में दस्तावेजों की हेराफेरी कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। जांच में प्राथमिक स्तर पर अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद मामला दर्ज किया गया।

जांच टीम पर उठ रहे सवाल

हालांकि कार्रवाई के बाद भी जनता के मन में एक संशय बना हुआ है। नगरवासियों का कहना है कि यदि उसी विभाग के अधिकारी जांच टीम का हिस्सा होंगे, जहां से अनियमितताओं की शुरुआत हुई, तो क्या जांच निष्पक्ष और पारदर्शी रह पाएगी? लोगों का मानना है कि निष्पक्ष जांच के लिए बाहरी अथवा स्वतंत्र एजेंसी को शामिल किया जाना चाहिए था। अन्यथा, मामले के पूर्ण खुलासे के बजाय इसे सीमित दायरे में समेटे जाने की आशंका बनी रहेगी।

पारदर्शिता की मांग तेज नगर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष और व्यापक रूप से की जाती है, तो यह पूरे जनपद में एक सकारात्मक संदेश देगा। वहीं यदि जांच केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है, तो इससे भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलने की आशंका बनी रहेगी। अब सभी की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई और जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। क्या यह मामला केवल दो कर्मचारियों तक सीमित रहेगा या फिर अन्य विभागों में भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर चल रहे खेल का बड़ा खुलासा होगा यह आने वाला समय ही तय करेगा।

30 प्रतिशत 'नजराना' की चर्चा

विभाग के कुछ कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति की फाइलों को पास कराने के नाम पर लगभग 30 प्रतिशत तक कथित 'नजराना' लिया जाता था। सूत्रों का दावा है कि जिस टेबल से फाइल की प्रक्रिया शुरू होती थी, वहां से लेकर अंतिम स्वीकृति तक इस रकम में कथित रूप से हिस्सेदारी तय रहती थी। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह केवल दो लिपिकों तक सीमित मामला नहीं रह जाता, बल्कि पूरी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। कर्मचारी यह भी कहते हैं कि जब हिस्सेदारी की बात सामने आ रही है, तो फिर केवल निचले स्तर पर कार्रवाई कर उच्च स्तर को क्लीन चिट देना न्यायसंगत कैसे माना जा सकता है?

लघु सिंचाई, नहर, नलकूप व डीडीओ कार्यालय में हड़कंप की बनी स्थिति

उरई। भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय में जब से चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर घोटाले का खुलासा हुआ है तभी से नहर, नलकूप, लघु सिंचाई विभाग के साथ डीडीओ कार्यालय में सुगबुगाहट तेज हो गयी है। हालांकि अभी वहां के कर्मचारी इस मामले में अपना मुंह खोलने से परहेज बरत रहे हैं। लेकिन यदि दोनों विभागों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति मामलों की गहराई से जांच करायी जाये तो कई चैंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

बदले-बदले नजर आ रहे हावभाव

कार्यालय के भीतर चल रही चर्चाओं के बाद से दोनों विभागों के अधिकारियों के चेहरे के हावभाव बदले-बदले नजर आ रहे हैं। कर्मचारियों के बीच यह भी चर्चा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और नाम सामने आ सकते हैं।

पारदर्शी जांच की मांग

स्थानीय स्तर पर यह मांग उठने लगी है कि मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या उच्च स्तरीय समिति से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। यदि वास्तव में 30 प्रतिशत कमीशन का खेल लंबे समय से चल रहा था, तो यह न केवल सरकारी धन की हानि है, बल्कि व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गंभीर आघात है। अब देखना यह है कि दर्ज एफआईआर के बाद जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है—क्या यह केवल दो लिपिकों तक सीमित रहेगी, या फिर पूरे तंत्र की परतें खुलेंगी?

योगी ने दिए निर्देश, सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पहले देना सुनिश्चित करें, तीन मार्च को भी छुट्टी

जन एक्सप्रेस। रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के पर्व से पहले ही सभी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि त्योहार के मद्देनजर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग तय समयसीमा का कड़ाई से पालन करें। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी समेत सभी श्रेणी के कर्मियों का भुगतान भी त्योहार से पहले सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि किसी भी कर्मचारी को पर्व के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने शनिवार 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित कर दिया है। वहीं, कर्मचारियों को 03 मार्च का अवकाश दिया जाएगा। होली पर्व के अवसर पर 2, 3 और 4 मार्च को अवकाश रहेगा। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के पालन में किसी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी।

पीएम मोदी का आज राजस्थान-गुजरात दौरा

करोड़ों की परियोजनाओं की सौगात देंगे, सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन भी होगा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान और गुजरात के महत्वपूर्ण दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे देश की महिलाओं के स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार और भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह करीब 11:30 बजे राजस्थान के अजमेर पहुंचेंगे। यहां वे 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। ये प्रोजेक्ट्स मुख्य रूप से शहरी विकास, स्वच्छ पेयजल, सड़क नेटवर्क, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक बुनियादी ढांचे से संबंधित हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम

महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में प्रधानमंत्री अजमेर से एक ऐतिहासिक कदम उठाएंगे। वे 14 साल की लड़कियों के लिए 'ह्यूमन पेपिलोमावायरस' (एचपीवी) वैक्सीनेशन का राष्ट्रव्यापी अभियान लॉन्च करेंगे। इस पहल का मकसद सर्वाइकल कैंसर को रोकना है, जो महिलाओं में कैंसर से जुड़ी बीमारियों के मुख्य कारणों में से एक है और यह देश भर में लड़कियों और महिलाओं की लंबे समय तक सेहत की सुरक्षा में एक अहम मील का पत्थर है।

अमेरिकी टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद रुको और इंतजार करो के मोड में भारत: पीयूष गोयल

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत फिलहाल रुको और इंतजार करो की स्थिति में है और हालात लगातार बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है।

अमेरिकी प्रशासन से संवाद जारी

गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संवाद में है और आंतरिक स्तर पर भी विचार-विमर्श जारी है। उन्होंने कहा कि यह एक विकसित होती स्थिति है। हम घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत के सर्वोत्तम हित सुरक्षित रहें। मंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत बेहतर अवसरों के लिए संवाद की नीति पर कायम है और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही बातचीत का उद्देश्य ऐसा समझौता सुनिश्चित करना है, जिससे भारत को अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खुलें।

- गोयल ने कहा कि परिस्थितियां अभी गतिशील हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है
- सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है: पीयूष गोयल

अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है

गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। उनके अनुसार, अगर भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर मिलती है, तो यह निर्यात के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पहले 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत को निर्यात में बड़ा नुकसान झेलना पड़ता था, जबकि इसे कम स्तर पर लाना भारत के लिए महत्वपूर्ण लाभ साबित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम समझौते के पूर्ण विवरण अभी साझा नहीं किए जा सकते, लेकिन इसमें कई सकारात्मक पहलू शामिल हैं और हितधारकों को स्थिति स्पष्ट होने तक इंतजार करना चाहिए।

किसी भी व्यापार समझौते का आकलन केवल टैरिफ के आधार पर नहीं होता

टैरिफ दरों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि अगर शुल्क दर 18 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत होती है, तो निर्यात को बिना बाधा जारी रखने में मदद मिलेगी। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी व्यापार समझौते का आकलन केवल टैरिफ के आधार पर नहीं, बल्कि उसके व्यापक सकारात्मक पहलुओं के आधार पर किया जाना चाहिए।

व्यापार समझौते में भारत की स्थिति क्या?

भारत की बातचीत की स्थिति पर सवाल के जवाब में गोयल ने कहा कि परिस्थितियां अभी गतिशील हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है। उन्होंने संकेत दिया कि हालात बदलने पर व्यापार समझौते में संतुलन (रीबैलेंस) की गुंजाइश भी रखी गई है।

युग दृष्टया और युग मनीषी थे राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख : राजगुरु प्रपन्नाचार्य

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

भारत रत्न नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि पर दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा दीनदयाल परिसर चित्रकूट में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। जिसमें चित्रकूट आश्रम के संत प्रपन्नाचार्य महाराज ने नाना जी के योगदानों को संबोधित करते हुए लोगों को उत्साहित किया। श्रद्धांजलि अवसर पर स्वावलंबन अभियान 2.0 की प्रस्तावना रखते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने बताया कि नानाजी ने जब 26 जनवरी 2002 को चित्रकूट के ग्रामों में स्वावलंबन अभियान की शुरुआत पांच प्रमुख बिंदुओं जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, हराभरा विवाद मुक्त ग्राम की कल्पना को शामिल किया। अब आधुनिकता के आधार पर स्वावलंबन अभियान के रुप में शुरुआत करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें ग्रामोदय से सर्वोदय से शुरू करके और अभ्युदय की ओर बढ़ते हुए एक ऐसा मॉडल बनाने का प्रयास है जो मापने योग्य, टिकाऊ और प्रतिकृति योग्य हो, जहां व्यक्तिगत और सामुदायिक लक्ष्यों में खुशी और पूर्ति शामिल होगी। इसे एक नए युग के लिए स्थिरता और खुशहाली सूचकांक के माध्यम से मापा जाएगा। जो स्वावलंबी ग्राम विकास ढ़ांचा तैयार करने में सहायक सावित होगा। यह मॉडल पुनर्योजी अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को मूर्त रूप देने की इच्छा रखेगा। यह बदलाव पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होता है, एकात्म मानववाद में गांव-स्तरीय योजना को जड़ देकर और इसे पुनर्योजी आर्थिक सिद्धांतों के साथ संरेखित करके, मॉडल प्रमुख वैश्विक विकास मॉडल के लिए एक व्यावहारिक, मापने योग्य और प्रतिकृति योग्य विकल्प का प्रोटोटाइप बनाने की कोशिश करता है। यह मॉडल, जन अभियान परिषद मध्य प्रदेश, राज्य आनंद संस्थान मध्य प्रदेश, नीति आयोग और सेंटर फॉर कॉम्प्लेक्सिटी इकोनॉमिक्स, एप्लाइड स्पिरिचुअलिटी एंड पब्लिक पॉलिसी, जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी सोनीपत के साथ साझेदारी में, चित्रकूट परियोजना क्षेत्र के 108 राजस्व गांवों में आयोजित करने का प्रस्ताव है, और एक आधार रेखा सर्वेक्षण से शुरू होगा, जो सभी सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक संकेतकों को मापेगा और उपभोग, अपशिष्ट और सामाजिक सद्भाव पर भी डेटा एकत्र करेगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान स्वावलंबन अभियान की शपथ का वाचन आचार्य आश्रम चित्रकूट के राजगुरु स्वामी प्रपन्नाचार्य महाराज द्वारा सभी लोगों को कराया गया। हम सभी ग्रामवासी परस्पर सहयोग के आधार पर अपने ग्राम को स्वावलम्बी बनाने की प्रतिज्ञा करते हैं। हम अपने ग्राम से गरीबी, बेकारी, बीमारी और अशिक्षा का उन्मूलन करेंगे। हमारे ग्राम का प्रत्येक परिवार सुख, समृद्धि और आध्यात्मिकता से भरा जीवन व्यतीत करेगा। हम ऐसी सतत जीवन-शैली अपनाएँगे जो प्रकृति की रक्षा करे, संसाधनों का संरक्षण करे और देश परंपरा और आधुनिक ज्ञान के समन्वय के साथ सभी के लिए खुशहाली लाए। हमारे ग्राम का कोई विवाद न्यायालय में नहीं जाएगा। नए-पुराने विवाद हम आपसी समझदारी से सुलझाएँगे। हमारा ग्राम स्वच्छ, सुंदर और पेड़-पौधों से सुसज्जित रहेगा। हम सब मिलकर अपने ग्राम को स्वावलम्बी और खुशहाली के अनुकरणीय नमूने के रूप में प्रस्तुत करेंगे। स्वामी प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि ऋषि तो हमेशा युग दृष्टया होता है। नानाजी निश्चित रूप से युग मनीषी थे। जिस तरह महर्षि वाल्मीकि ने प्रभु राम को चित्रकूट का मार्ग सुझाया था, उसी तरह यहां के ऋषियों ने नाना जी को बुलाकर चित्रकूट के लिए विविध क्षेत्रों में विकास का मार्ग प्रशस्त किया। श्रद्धांजलि समारोह में संत बद्री प्रपन्नाचार्य महाराज आचार्य आश्रम चित्रकूट, डॉ. आर.के. सिंह पटेल पूर्व सांसद बाँदा एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश, अनूप मिश्रा पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश, योगेश ताम्रकार महापौर सतना, अनिल जैन कालुहेडा विधायक प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

नगर पालिका ई.ओ. की बेपरवाही आई सामने, ए.डी.एम. को निरीक्षण में गायब मिले सफाईकर्मी

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

शुक्रवार को नगर पालिका परिषद अंतर्गत प्रभारी अधिकारी अरुण कुमार द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पटेल चैक से नगर पालिका परिषद कार्यालय, चित्रकूटधाम तक कोई भी सफाई कर्मचारी कार्यरत नहीं पाया गया। साथ ही सी.एम.ओ. आफिस पुरानी कोतवाली चैराहा के पास सफाई कार्य में लगे कर्मचारी अनुज एवं बृजेश बिना निर्धारित वर्दी के पाए गए। इस पर प्रभारी अधिकारी द्वारा संबंधित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए गए तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने की सख्त चेतावनी दी गई।

रामपुरी वार्ड संख्या 20 एवं भारतपुरी वार्ड संख्या 18 में डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान डोर-टू-डोर कलेक्शन में कार्यरत ड्राइवर कुलदीप, प्रकाश एवं राजा से व्यवस्था की जानकारी ली गई। वाहन में नंबर प्लेट अनुपस्थित पाई गई, जिस पर सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि सभी वाहनों में अनिवार्य रूप से नंबर प्लेट लगाना सुनिश्चित करें।

सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला को निर्देश दिए गए कि शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन स्रोत पर पृथक्करण के साथ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराया जाए।

वार्ड संख्या 18, पुरानी बाजार में सफाई नायक श्रवण मलिक की उपस्थिति में भगवानदीन चैराहे से मस्जिद तक सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। सभी सफाई कर्मी निर्धारित वर्दी में कार्य करते हुए पाए गए।

पुरानी कोतवाली स्थित स्ट्रीट वेंडर जॉन को पटरी से ऊपर दुकान न लगाने तथा पॉलिथीन का प्रयोग न करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही कर निरीक्षक एवं सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को निर्देश दिए गए कि नगर क्षेत्र में सफाई के बाद यदि कोई दुकानदार कचरा बाहर फेंकता या रखता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध जुर्माना की कार्रवाई की जाए। पी.ए. सिस्टम के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए गए।

धनुष चैराहे के निरीक्षण के दौरान ग्रिलिंग टूटी एवं गंदी पाई गई। जिस पर अधिशासी अभियंता शुभम तिवारी को निर्देशित किया गया कि शीघ्र एस्टीमेट तैयार कर टूटी हुई ग्रिल को दुरुस्त कराया जाए। साथ ही सफाई निरीक्षक को वहां समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कान्हा गौशाला में जनरेटर की व्यवस्था करायें-जिलाधिकारी

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई नगर पालिका एवं नगर पंचायतों की बैठक

जन एक्सप्रेस। बांदा

जिलाधिकारी जे. रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका एवं नगर पंचायतों टाइड एवं अनटाइड फंड से किये जाने कार्यों के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई।उन्होंने बैठक में मटौंध में घर घर पेयजल व्यवस्था कराये जाने हेतु कार्य किये जाने तथा हाईमास्क लाइट एवं एमआरएफ सेन्टर हेतु सड़क निर्माण कार्य किये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने कान्हा गौशाला में जनरेटर की व्यवस्था भी कराये जाने पर सहमति व्यक्त की।नगर पंचायत बिसण्डा में जल भराव वाले स्थलों पर सीसी रोड निर्माण,नाली निर्माण किये जाने एवं गर्मी के मौसम में पेयजल की उपलब्धता हेतु वाटर कूलर लगाये जाने की स्वीकृति दी।उन्होंने तालाब के किनारे फेंसिंग कराये जाने तथा एमआरएफ सेन्टर हेतु टीनसेड लगाये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने नरैनी नगर पंचायत में आंगनबाडी केन्द्रों का निर्माण कार्य,नाली निर्माण कार्य तथा पार्क बनाये जाने हेतु सहमति प्रदान की।इसी के साथ नगर पंचायत नरैनी में जाम की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए सब्जी एवं फल विक्रेताओं हेतु वेण्डिंग जोन बनाये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की रोड पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था कराये जाने हेतु निर्देश दिये। उन्होंने जनपद नगर पालिका में सीसी रोड का निर्माण कार्य,सभी घरों हेतु पानी एवं साफ-सफाई हेतु समुचित व्यवस्था किये जाने तथा वृक्षारोपण कराये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने अधिशाषी अधिकारियों को निर्देशित किया कि एमआरएफ सेन्टर में एकत्र कूडे का उचित निस्तारण करायें तथा घर-घर कूडा कलेक्शन किये जाने हेतु उपभोगताओं को कूडे का डिब्बा दिया जाए,जिससे अलग-अलग कूडा एकत्र किया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुमार धर्मेन्द्र, अति0मजिस्ट्रेट इरफानउल्ला खॉ,नगर पालिका/पंचायतों के अध्यक्ष एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पेंशनर्स के साथ की मीटिंग, सुनी समस्याएं, दिऐ आवश्यक दिशा निर्देश

जन एक्सप्रेस। बांदा

अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज द्वारा पुलिस लाइन सभागार में पुलिस पेंशनर्स के साथ मीटिंग की गई। मीटिंग के दैरान क्षेत्राधिकारी सदर राजवीर सिंह गौर मौजूद रहे।मीटिंग में पुलिस पेंशनर्स की पेंशन,चिकित्सा सुविधाएं, पारिवारिक पेंशन,लंबित प्रकरणों एवं अन्य व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुना गया और संबंधित शाखाओं/अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु स्पष्ट निर्देश दिए गए तथा पेंशनर्स को आश्वस्त किया गया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा तथा अनावश्यक विलंब नहीं होने दिया जाएगा ।साथ ही पेंशनर्स की सराहना करते हुए बताया गया कि उनके द्वारा अपने सेवाकाल में पुलिस विभाग के लिए निष्ठा एवं समर्पण के साथ किए गए कार्य किए गए है इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान करना विभाग का नैतिक एवं प्रशासनिक दायित्व है ।पेंशनर्स के सम्मान, सुविधा एवं कल्याण के लिए पुलिस प्रशासन सदैव प्रतिबद्ध है ।अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पेंशनर्स से अपील कि वे सभी नौकरी से रिटायर हुए हैं सेवा से नहीं आज भी कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाएं रखने तथा अपराधों पर कार्यवाही करने में उनके अहम योगदान कि आवश्यकता है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नाना जी विचार केंद्र और उनकी पीठ स्थापित होगी : प्रो. आलोक चैबे

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

भारत रत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को ग्रामोदय विश्वविद्यालय के नाना जी उपवन में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामोदय के सभी प्राध्यापक, अधिकारी व छात्र-छात्राओं द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर वाल्मीकि सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. आलोक चैबे ने कहा कि नाना जी के विचारों और कार्यों का लाभ प्रदेश सहित देश-विदेश तक भी पहुँचे, इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय में नाना जी देशमुख विचार केंद्र एवं नाना जी पीठ की स्थापना की जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल ग्रामोदय से विश्वोदय की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध होगी। प्रो. चैबे ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना नाना जी देशमुख की परिकल्पना पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा की गई थी और उन्हें संस्थापक कुलाधिपति नियुक्त किया गया था। ग्रामीण पुनर्निर्माण, सामाजिक समरसता और स्वावलंबन के उनके आदर्श आज भी विश्वविद्यालय की अकादमिक, शोध एवं प्रसार गतिविधियों का आधार हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु राम के जीवन दर्शन से प्रेरित नाना जी देशमुख ने महात्मा गांधी को शाश्वत प्रेरणास्रोत मानते हुए ग्रामोदय विश्वविद्यालय की संकल्पना की थी। आज विश्वविद्यालय उनके व्यक्तित्व, कृतित्व, चिंतन और नवाचारों को आत्मसात करते हुए ग्रामोदय से विश्वोदय की दिशा में चिंतन एवं प्रयास प्रारंभ कर चुका है।

5 को रहेगा अवकाश

चित्रकूट। जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला ने बताया कि सचिव जिला अधिवक्ता संघ द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए यह अवगत कराया गया है, कि होलिका दहन के बाद सार्वजनिक रूप से होली दो दिन मनाते हुए रंग खेले जाते हैं। वादकारी एवं अधिवक्ता ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित हैं और उनका प्रतिदिन गांव से ही आवागमन होता है। जिसके कारण न्यायालय में मुकदमा की पैरवी हेतु असुविधा रहेगी तथा जिलाधिकारी कार्यालय में 5 मार्च को अवकाश घोषित किया गया है। पूर्व घोषित स्थानीय अवकाश बुद्ध पूर्णिमा 1 मई के स्थान पर 5 मार्च को होली किए जाने की प्रार्थना की गई है। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार किया गया। जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा निर्गत कैलेंडर में होली पर्व का 5 मार्च को अवकाश घोषित किया गया है जनहित एवं वादकारियों के हित को दृष्टिगत रखते हुए 1 मई को पूर्व घोषित स्थानीय अवकाश के स्थान पर 5 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है। अतः 5 मार्च दिन बृहस्पतिवार को न्यायिक अधिष्ठान के वाह्य न्यायालय मऊ, ग्राम न्यायालय मानिकपुर सहित सभी न्यायालय में अवकाश रहेगा तथा 1 मई को पूर्व घोषित स्थानीय अवकाश निरस्त किया जाता है। 1 मई शुक्रवार को इस न्यायिक अधिष्ठान के वाह्य सभी न्यायालय न्यायिक कार्य हेतु खोले जाएंगे।

सिंहपुर में हुआ जन चैपाल का आयोजन

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देशन में शुक्रवार को विकास खण्ड रामनगर की ग्राम पंचायत सिंहपुर में सफल ग्राम चैपाल का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा की गई। जिसमें तहसीलदार मऊ रामसुधार, राजेश तिवारी खण्ड विकास अधिकारी रामनगर, डॉ. अवधेश निरंजन पशु चिकित्साधिकारी, आलोक कुमार ग्राम सचिव, ए.एन.एम. आशा बहु, आंगनवाडी कार्यकत्री, कोटेदार, तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

हार-जीत की बाजी लगा रहे। पांच जुआरी गिरफ्तार

जामा तलाशी के कुल 52400 रुपये एवं 52 अदद ताश के पत्तों के साथ 07 मोटर साइकिलें बरामद

जन एक्सप्रेस। बांदा

थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।गौरतलब हो कि देर शाम थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम पिपरी पुलिया के आगे पिपरीहार थाना कोतवाली देहात के पास से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 05 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया । जबकि 05 व्यक्ति मौका पाकर फरार हो गये ।मौके से माल फड़/जामा तलाशी के 52400 रुपये व 07 मोटर साइकिल बरामद हुई है।गिरफ्तार अभियुक्तों में अर्जुन पुत्र कल्लू निवासी ग्राम मवई थाना कोतवाली नगर,विनोद पुत्र राजा भईया निवासी सर्वोदय नगर थाना कोतवाली नगर,सर्वेश पुत्र जागेश्वर निवासी विजली खेडा थाना कोतवाली नगर,परवेज पुत्र शरीफ निवासी खुटला थाना कोतवाली नगर व अमित गुप्ता पुत्र गिरीश चन्द्र निवासी इन्दा नगर कोतवाली नगर शामिल हैं।जबकि फरार अभियुक्तों में रहमत निवासी खुटला थाना कोतवाली नगर,रामू निवासी बाबा तालाब थाना कोतवाली नगर,आशुतोष निवासी बाबा तालाब थाना कोतवाली नगर, नीरज निवासी ग्राम पिपरी थाना कोतवाली देहात व पिण्टू निवासी ग्राम पिपरी थाना कोतवाली देहात है।

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का संयुक्त निदेशक ने किया स्थलीय पर्यवेक्षण

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में आई.डी.ए. 10 फरवरी से 28 फरवरी तक चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शुक्रवार को संयुक्त निदेशक, डॉ. विनोद अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान ब्लॉक शिवरामपुर के ग्राम रेहुंटिया व ब्लॉक पहाड़ी के ग्राम बूढा सेमरवार मे टीम के कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जनसमुदाय को फाइलेरिया से बचाव हेतु जागरूक करने व दवा खाने से इंकार करने वाले व्यक्तियों का संवेदीकरण कर दवा खिलाने का भी कार्य किया गया। साथ ही आईडीए कार्यक्रम से संबधित समस्त अभिलेखो व रिपोर्टिंग की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। जोकि संतोषजनक पाया गया। अब तक जनपद में कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल लक्षित 779956 जनसंख्या में से 617587 जनसंख्या को दवा का सेवन कराया जा चुका है। पर्यवेक्षण के दौरान कार्यकम के नोडल अधिकारी, डॉ. जी.आर. मेले, जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह, मलेरिया निरीक्षक व प्रतिनिधि पाथ व पी.सी.आई. संस्था मौजूद रहे। जो लोग अभी तक किसी भी वजह से फाइलेरिया की दवा खाने से छूट गये हैं, वह दिनांक 5 फरवरी से 07 फरवरी तक चल रहे मॉपअप राउन्ड में अपने क्षेत्र की आशा अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से दवा प्राप्त कर अवश्य खायें, जिससे फाइलेरिया रोग से बचा जा सके।

ई-रिक्शा सत्यापन एवं जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

जन एक्सप्रेस। बांदा

अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज द्वारा जनपद में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने, यातायात नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों का व्यापक सत्यापन एवं जागरूकता अभियान शहर के प्रमुख बाबूलाल ट्रैफिक चौराहे एवं राइफल क्लब ग्राउंड क्षेत्र में आयोजित किया गया । अभियान के दौरान ऑटो/ई-रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, बीमा, फिटनेस प्रमाणपत्र एवं परमिट की गहन जांच की गई । जिन चालकों के अभिलेख अपूर्ण पाए गए, उन्हें निर्धारित समयावधि में दस्तावेज पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया ।नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए ।अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा चालकों को संबोधित करते हुए ओवरलोडिंग न करने,निर्धारित मार्ग पर ही वाहन संचालन करने नाबालिगों को वाहन न सौंपने तथा यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की गई ।साथ ही ऑटो/ई-रिक्शा में होने वाली टप्पेबाजी जैसी आपराधिक घटनाओं की रोकथाम हेतु संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तत्काल डायल 112 पर देने के लिए जागरूक किया गया, जिससे संभावित घटनाओं को समय रहते रोका जा सके ।इस दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात प्रतिज्ञा सिंह, यातायात प्रभारी संजय मिश्रा, प्रभारी निरी0 कोतवाली नगर बलराम सिंह, सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सुनील सक्सेना सहित सभी यातायात पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

नहरों का होगा व्यवस्थित संचालन

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देशन में अधिशासी अभियंता सिंचाई एस.के. प्रसाद ने बताया कि जनपद में तहसील मानिकपुर के अन्तर्गत ओहन बांध का निर्माण वर्ष 1958-59 में हुआ था। ओहन बांध से ओहन मुख्य नहर निकलती है जिसके टेल से ओहन पूर्वी शाखा निकलती है जिसकी लम्बाई 26.080 कि.मी. तथा हेड डिस्वार्ज 74.60 क्यूसेक है। ओहन पूर्वी शाखा का पी.पी.ए. 2152 हेक्टेयर है, जबकि विगत 05 वर्षों की औसत सींच 985 हेक्टेयर दर्ज की गयी। लगभग 50 वर्ष से अधिक सेक्शन होने के कारण नहर पर बनी पक्की संरचनाए पूरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में है। नहरों के हेड रेगुलेटर एवं कुलाबा क्षतिग्रस्त होने से नहर संचालन के दौरान असुविधा होती है। नहर के सीमांकन हेतु बाउंड्री पिलर न होने के कारण कृषकों द्वारा नहरी भूमि पर अतिक्रमण कर लिया जाता है। परियोजना में प्राविधानित कार्य ओहन पूर्वी शाखा पर निर्मित 15 अदद फॉल, पक्की संरचनाए सुदृण्ढ हो जायेगी। हेड रेगुलेटर एवं पक्की संरचनाए जिसके पुनरोद्धार से नहर का व्यवस्थित संचालन कराया जा सकेगा।

प्राधिकरण सचिव ने किया राजकीय संम्प्रक्षण गृह का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शेषमणि शुक्ला के कुशल निर्देशन में निरीक्षण हेतु गठित समिति के सदस्य सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर, का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण का उद्देश्य संस्थान में बालकों की देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास व्यवस्था की समीक्षा करना तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना था। इला चैधरी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवलोकन गृह में निवासरत बाल अपचारियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की गयी। उन्होंने बालकों की शिक्षा, भोजन, चिकित्सा सुविधाओं तथा मनोरंजन की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, संस्थान में भोजन एवं स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक पाई गई, जबकि शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रमों में कुछ सुधार की आवश्यकता बताई गई।

इस दौरान निरीक्षण अधीक्षक एवं स्टाफ को निर्देश दिए कि बालकों के लिए नियमित काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं तथा डीएलएसए द्वारा संचालित विधिक जागरूकता शिविरों में इन्हें शामिल किया जाए। उन्होंने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि अवलोकन गृह के लिए अतिरिक्त फंडिंग उपलब्ध कराई जाए ताकि कंप्यूटर लैब एवं खेलकूद सुविधाओं का विकास किया जा सके।

भरतकूप थाने के नये भवन का अपर पुलिस महानिदेशक ने किया लोकार्पण

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

अपर पुलिस महानिदेशक ज्योति नारायण प्रयागराज जोन, प्रयागराज द्वारा शुक्रवार को राजेश एस. पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम बांदा, पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में जनपद चित्रकूट के नवनिर्मित थाना प्रशासनिक भवन भरतकूप का विधिवत फीता काटकर भव्य समारोह पूर्वक शिलापट्ट के माध्यम से लोकार्पण किया गया।

अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज ने नवीन थाना प्रशासनिक भवन का निरीक्षण करते हुए कार्यालय कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, अभिलेख कक्ष, मालखाना, बैरक एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह भवन पुलिस कार्यों की दक्षता एवं पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा तथा आमजन को बेहतर एवं त्वरित पुलिस सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके बाद पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा थाना भरतकूप परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाना परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखें, अभिलेखों का रख-रखाव अद्यतन रखें

तथा फरियादियों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करें। साथ ही कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा जनसहयोग आधारित पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया।

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया गया कि जनपद पुलिस द्वारा शासन की मंशानुसार आमजन को बेहतर सुरक्षा वातावरण उपलब्ध कराया जाता रहेगा।

उद्घाटन समारोह में सासंद चित्रकूटधाम बांदा कृष्णा पटेल, पूर्व सांसद आर.के. सिंह पटेल, पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा, पूर्व राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, जिलाध्यक्ष अशोक जाटव, को-ऑपरेटिव बैंक चेयर मैन बांदा पंकज अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक रामाशीष यादव, प्रभारी निरीक्षक भरतकूप उपेन्द्र प्रताप सिंह सहित पुलिस बल के अधिकारी, कर्मचारीगण व क्षेत्र के आम नागरिक मौजूद रहे।

अब कांपेंगे भारत के दुश्मन...

भारतीय नौसेना की समंदर में ताकत बढ़ चुकी है। नौसेना को एक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अंजदीप मिल गया है। उथले पानी में काम करने की क्षमता वाले आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों की श्रृंखला का यह तीसरा युद्धपोत 27 फरवरी को चेन्नई में नौसेना में शामिल किया... पढ़ें पेज 12 पर...

राजधानी में गैस माफिया बेखौफ : चाचा के लाइसेंस पर भतीजे का काला कारोबार

- हासिमपुर भारत गैस एजेंसी के नाम पर घरेलू सिलेंडरों की ब्लैक मार्केटिंग
- मौके पर पकड़ा गया हॉकर, पुलिस पहुंचते ही गायब हुआ माल, आपूर्ति विभाग की भूमिका पर सवाल

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी में रसोई गैस की कालाबाजारी का संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जहां गरीब उपभोक्ताओं के हिस्से की घरेलू गैस खुले बाजार में बेची जा रही है। हैरानी की बात यह है कि पूरा खेल गैस एजेंसी के नाम पर चल रहा है, लेकिन एजेंसी संचालक खुद जिम्मेदारी से किनारा करते नजर आ रहे हैं। जन एक्सप्रेस की पड़ताल में रिंग रोड मल्हपुर दुबग्गा इलाके में घरेलू गैस सिलेंडरों की खुलेआम ब्लैक मार्केटिंग का मामला उजागर हुआ। सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने अशोक नामक व्यक्ति को लगभग एक दर्जन घरेलू और दो कमर्शियल सिलेंडरों के साथ पकड़ा। पूछताछ में उसने खुद को हासिमपुर भारत गैस एजेंसी का हॉकर बताते हुए स्वीकार किया कि हर सिलेंडर पर उसे करीब 50 रुपये का फायदा मिलता है और 'माल मालिक अजीत देते हैं।' जब उससे गैस वितरण के बिल और दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई कागज नहीं दिखा सका।

हासिमपुर भारत गैस गोदाम का चित्र

हासिमपुर गैस एजेंसी का चित्र

आम के बगीचे में एजेंसी का संचालन

मामले की तह तक पहुंचने के लिए टीम मलिहाबाद क्षेत्र स्थित हासिमपुर भारत गैस एजेंसी पहुंची, जहां कच्चे रास्ते से आम के बगीचे के बीच बने कमरे में एजेंसी संचालित होती मिली। वहां मौजूद कर्मचारियों ने टीम को गोदाम भेजा। गोदाम पर कंप्यूटर ऑपरेटर सुरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि एजेंसी को प्रतिदिन करीब 306 सिलेंडरों की सप्लाई मिलती है और दो वाहनों से वितरण किया जाता है।

मालिक भतीजे ने झाड़ा पल्ला

फोन पर हुई बातचीत में एजेंसी मालिक का भतीजा अजीत ने दावा किया कि अशोक उनका हॉकर नहीं है और न ही बरामद सिलेंडर एजेंसी से जुड़े हैं। यहीं से मामला और संदिग्ध हो जाता है।

कार्रवाई से पहले ही 'गायब' हुआ सबूत

मामले की सूचना 112 पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और चौकी ठाकुरगंज को जानकारी दी। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय पुलिसकर्मियों ने टीम से ही पूछताछ शुरू कर दी। इसी बीच अशोक ने अपने साथियों को बुलाया और मौके से सभी सिलेंडर हटवा दिए। कुछ ही मिनटों में पूरा माल गायब कर दिया गया।

सूचना के बाद भी नहीं पहुंचा आपूर्ति विभाग

घटना की जानकारी तत्काल जिला पूर्ति अधिकारी को फोन और वीडियो लोकेशन के साथ दी गई, लेकिन मौके पर आपूर्ति विभाग का कोई भी निरीक्षक नहीं पहुंचा। इससे विभागीय कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

हॉकर अशोक का चित्र

वीडियो साक्ष्य मौजूद, जांच की मांग

जन एक्सप्रेस टीम के पास पूरे घटनाक्रम के जीपीएस कैमरे से रिकॉर्ड वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। स्वतंत्र जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई तक यह मुहिम जारी रहेगी।

बड़े सवाल

- अगर अशोक एजेंसी से जुड़ा नहीं, तो एजेंसी के नाम पर गैस कैसे बेच रहा था?
- घरेलू सिलेंडर कमर्शियल उपयोग में किसकी मिलीभगत से पहुंच रहे हैं?
- पुलिस और आपूर्ति विभाग कार्रवाई से पहले निष्क्रिय क्यों रहे?
- क्या राजधानी में गैस कालाबाजारी का बड़ा नेटवर्क सक्रिय है?

राजधानी में गैस घोटाले की आशंका

- घरेलू सिलेंडर ब्लैक में बिक्री
- एजेंसी नाम का इस्तेमाल
- पुलिस कार्रवाई पर सवाल
- विभागीय चुप्पी

टी.एस. मिश्रा विश्वविद्यालय और सीआईआई के बीच एमओयू, छात्रों को मिलेगा उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित टी.एस. मिश्रा विश्वविद्यालय और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के बीच शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना, व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाना तथा उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को रोजगारपरक कौशल प्रदान करना है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस साझेदारी के तहत विशेष रूप से टी.एस. मिश्रा स्कूल ऑफ बिजनेस के विद्यार्थियों को लागत लेखांकन, वित्त एवं प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक मार्गदर्शन, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। दोनों संस्थानों ने शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और छात्रों को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर कपिल मिश्रा, वाइस चांसलर डॉ. प्रशांत त्रिवेदी तथा प्रो-वाइस चांसलर/सीएमएस डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त रजिस्ट्रार डॉ. राजीव मिश्रा, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के डीन डॉ. सुशील पांडे, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, स्कूल ऑफ लॉ के डीन डॉ. सी.पी. सिंह, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एआई के डीन डॉ. अमित कुमार पाठक, कॉलेज ऑफ फार्मेसी की डीन डॉ. सविता उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सीआईआई की ओर से निदेशक एवं राज्य प्रमुख आलोक शुक्ला और सीआईआई लखनऊ युवा अध्यक्ष सागर त्रिपाठी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रो-चांसलर कपिल मिश्रा ने कहा कि इस पहल से छात्रों को प्रौद्योगिकी और वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम कौशल सीखने का अवसर मिलेगा, जिससे वे प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। यह समझौता विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो छात्रों के करियर निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

हरचंदपुर कनौरा में जमीन के अभिलेखों से छेड़छाड़ का आरोप
NZA से ZA में दर्ज कर बदले गए नाम, डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी लखनऊ की तहसील सदर के ग्राम हरचंदपुर कनौरा में राजस्व अभिलेखों में कथित हेरफेर का गंभीर मामला सामने आया है। गाटा संख्या 10 (NZA) को ZA में दर्ज कर फसली वर्ष 1404-1408 के अभिलेखों में नामों में बदलाव करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी लखनऊ को पत्रकार डी एन तिवारी ने शिकायती प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, गाटा संख्या 10 (NZA) फसली वर्ष 1404-1408 के बाद संख्या 133/477 धारा 34 के उपरांत गजेंद्र सिंह पुत्र राजपूत सिंह के नाम राजस्व रजिस्टर R-6 में 08 दिसंबर 1997 को दर्ज बताया गया है। इसका उल्लेख उत्तर जनसूचना अधिकारी, सदर लखनऊ द्वारा पत्र संख्या 286/जनसूचना /जवाब/2005 तहसीलदार सदर लखनऊ ने दिनांक 10.10.2025 में भी किया गया है। आरोप है बिना बिक्री हुए फसली वर्ष 1423 में बिना किसी वैध आधार के उक्त NZA गाटा संख्या 10 को राजस्व अभिलेखों में रविन्द्र अग्रवाल पुत्र परमेश्वर दयाल के नाम दर्ज कर दिया गया, जबकि यह नाम खतौनी संख्या NZA 50 पर दर्ज बताया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वर्तमान खतौनी में गाटा संख्या 10 को मनमाने तरीके से NZA से ZA में पुनः नाम परिवर्तित कर रामपाल, रामखेलावन आदि के नाम दर्ज कर दिए गए हैं, जो वर्तमान NZ खतौनी संख्या 00096 में अंकित हैं। प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख है कि कब्रिस्तान/कब्रगाह की जमीन को राजस्व अभिलेखों में हेरफेर कर NZA से NZ में बदला गया और बाद में उसका नाम हटाकर अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज कर दिए गए। इस संबंध में पूर्व में IGRS संख्या 20015726004357 पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, किंतु आरोप है कि स्थानीय लेखपाल द्वारा अंतिम दिन मनगढ़ंत रिपोर्ट लगाकर अधिकारियों के हस्ताक्षर कराकर प्रकरण का निस्तारण करा दिया जायेगा शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि IGRS में दर्ज शिकायत में फ़सली वर्ष 1332,1359 में दर्ज कर्बला कब्रिस्तान को वर्तमान खसरा खतौनी में उसी नाम से और गाटा संख्या 10 से भी जुड़े समस्त अभिलेखों की जांच किसी निष्पक्ष समिति से कराई जाए तथा फसली वर्ष 1404-1408 में दर्ज मूल नामों को पुनः सही कराया जाए। साथ ही दोषी पाए जाने पर संबंधित लेखपाल व अन्य अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। इस पूरे मामले ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली और भूमि अभिलेखों की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल सरकारी अभिलेखों से छेड़छाड़ का मामला होगा, बल्कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि के स्वरूप में बदलाव का भी गंभीर प्रकरण माना जाएगा। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस शिकायत को किस गंभीरता से लेता है और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं। मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट कहना है कि झूठी रिपोर्ट पर तत्काल FIR दर्ज कराई जाए।

होली से पहले तीन गुना से ज्यादा बढ़ा प्राइवेट बसों का किराया, 600 वाला 1900 का हुआ, विंडो सीट का अलग चार्ज

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

होली का त्योहार नजदीक है और शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां हो चुकी हैं। पढ़ाई करने वाले युवा और नौकरी पेशा लोग जल्द से जल्द अपने घर पहुंचना चाहते हैं। लेकिन उन्हें नोएडा से कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और अन्य शहरों तक जाने के लिए तीन गुना से ज्यादा किराया देना पड़ रहा है।

600 वाली टिकट 1900 की

त्योहार में चलने वाली भीड़ को देखते हुए प्राइवेट बस कंपनियों ने अपने किराए में तीन गुना से ज्यादा इजाफा कर दिया है। आम दिनों में जो टिकट 600-900 रुपये तक रहती थी। वही टिकट खरीदने के लिए लोगों को 1900 से 3300 रुपये तक देने पड़ रहे हैं। इसके बाद भी बसों में लोगों को जगह नहीं मिल रही है। यमुना एक्सप्रेस-वे के जीरो प्वाइंट, जेवर टोल, रबूपुरा और दनकौर कट पर यात्रियों की लगी भीड़ लग रही है। शुक्रवार को भी यही हाल देखने को मिला। सुबह से ही सभी प्वाइंटों पर बस का इंतजार करने वालों की भीड़ थी। जो देर रात तक बनी रही। लोग बसों का इंतजार करते रहे और घंटों इंतजार करने के बाद उन्हें अपने शहर जाने के लिए बसें मिल सकी।

विंडो सीट के लिए देने पड़ रहे 100-150 ज्यादा

खिड़की साइड सीट का चार्ज ज्यादा प्राइवेट बसों को बुक करने के लिए लोग ऑनलाइन एप का सहारा ले रहे हैं। लेकिन त्योहार नजदीक होने के कारण ज्यादातर बसों में सीटें फुल हो जा रही हैं। दिल्ली के आईएसबीटी, कश्मीरी गेट और अन्य बस अड्डों से ही बसें फुल होकर आ रही हैं। सीट फुल होने के कारण यमुना एक्सप्रेस-वे के जीरो प्वाइंट और अन्य कटों पर खड़े विद्यार्थियों और अन्य लोगों को घंटों बसों का इंतजार करना पड़ा। वहीं खिड़की की तरफ वाली सीट के लिए लोगों से 100-150 रुपये तक अतिरिक्त लिए जा रहे हैं।

कानपुर, लखनऊ, वाराणसी का किराया सबसे महंगा

दिल्ली और नोएडा-ग्रेटर नोएडा से कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी की ओर जाने वालों की भीड़ सबसे ज्यादा है। आमदिनों में इस रूट पर जाने वालों से बैठने के लिए 600-700 रुपये और स्लीपर सीट के लिए 850-1000 रुपये ऑनलाइन बुकिंग के जरिए लिए जाते हैं। लेकिन त्योहार में रेट कई गुना हो गए हैं। कानपुर के लिए सीट 1900 रुपये और स्लीपर के लिए 3200 रुपये लिए जा रहे हैं। वहीं वाराणसी के लिए सीट 1857 और स्लीपर 3244 का है। जबकि खिड़की वाली सीट के लिए 1950 रुपये का है। इसी तरह लखनऊ और प्रयागराज जाने वाली बसों का भी रेट तीन गुना हो गया है।

युवाओं को सबसे ज्यादा हो रही परेशानी

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तीन लाख से ज्यादा युवा पढ़ाई कर रहे हैं। यहां पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ ही बिहार तक के शहरों से पढ़ाई करने के लिए युवा आते हैं। जो त्योहार नजदीक आते ही अपने घर जाने की तैयारी कर लेते हैं। युवाओं की भीड़ को देखते हुए ही बस कंपनियों ने भी अपने रेट में इजाफा कर दिया है। जिसके कारण युवाओं और अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश में धूप दिखाने लगी तेवर, इन 14 जिलों में तापमान 30 डिग्री के पार, तंग कर रहीं गर्म हवाएं

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में धूप की तपिश लगातार बढती जा रही है। पछुआ चलने के बावजूद कुछ खास राहत मिलती नहीं नजर आ रही है। दक्षिणी यूपी व बुंदेलखंड में धूप की तपिश का असर सबसे ज्यादा महसूस किया जा रहा है। बांदा, झांसी, हमीरपुर, आगरा और प्रयागराज जैसे जिलों में कई दिनों से तेज और चुभने वाली धूप दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। वहीं 14 जिलों में पारा 30 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले एक सप्ताह तक तापमान में क्रमिक वृद्धि जारी रहेगी। फिलहाल कोई पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है, इसलिए रोज तेज धूप पड़ेगी।

लोक भवन के बाहर आत्मदाह की कोशिश से हड़कंप

- जमीन विवाद से परेशान महिला ने खुद पर डाला ज्वलनशील पदार्थ, पुलिस की तत्परता से बची जान

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी में गुरुवार दोपहर लोक भवन के बाहर आत्मदाह के प्रयास से सनसनी फैल गई। जमीन विवाद से परेशान एक महिला ने बैरियर के पास खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की, लेकिन मौके पर तैनात आत्मदाह निरोधी दस्ते ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बड़ी घटना टाल दी। पुलिस के मुताबिक, संध्या सिंह, निवासी न्यू श्री नगर, मानकनगर रेलवे स्टेशन के पास, करीब दोपहर 1 बजे थाना हजरतगंज क्षेत्र में लोक भवन रोड स्थित सेक्टर-1 बैरियर पर पहुंचीं और आत्मदाह का प्रयास करने लगीं। सुरक्षा ड्यूटी पर मौजूद टीम ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उन्हें रोक लिया और सुरक्षित थाना हजरतगंज ले जाया गया।

अतिक्रमण और धमकी का आरोप

प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने बताया कि उनका अपने पड़ोसी इकबाल सिंह से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि पड़ोसी ने कथित रूप से भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर परिवार को धमकियां दी जा रही थीं, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थीं।

महिला का कहना है कि जमीन की पैमाइश और सीमांकन के लिए कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक स्पष्ट कार्रवाई नहीं होने से विवाद सुलझ नहीं सका।

राजस्व विभाग करेगा तथ्य जांच

पुलिस ने महिला को सकुशल थाना मानकनगर पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। अब पुलिस राजस्व विभाग के साथ मिलकर भूमि अभिलेखों की जांच कराएगी और तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की अपील

लखनऊ पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए आत्मघाती कदम न उठाएं। महिला को परामर्श और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सामान्य है।

42 दिनों तक शताब्दी सहित 56 ट्रेनों का संचालन होगा बाधित, झांसी-कानपुर मेमू सहित 14 ट्रेनें रहेंगी निरस्त

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन की ओर से लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर स्थित कानपुर पुल पर मरम्मत के लिए 42 दिनों के लिए मेगा ट्रैफिक व पावर ब्लॉक लिया गया है। यह ब्लॉक दो से 13 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह साढ़े नौ से शाम साढ़े पांच बजे तक रहेगा। इस दौरान 56 ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इसमें झांसी-लखनऊ मेमू सहित 14 ट्रेनें निरस्त रहेंगी। लखनऊ आने-जाने वाली 10 ट्रेनें कानपुर से ही संचालित की जाएंगी। 32 ट्रेनें रास्ते में रोककर और बदले रूट से चलाई जाएंगी। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि 64701/02 झांसी-लखनऊ-झांसी मेमू, 54153/44 कानपुर-रायबरेली-कानपुर पैसेंजर, 64212 कानपुर-लखनऊ मेमू, 64255 उतरेटिया-कानपुर मेमू, 54101/02 प्रयागराज-कानपुर-प्रयागराज पैसेंजर, 54325/26 सीतापुर-कानपुर-सीतापुर पैसेंजर, 55345 लखनऊ-कासगंज पैसेंजर, 64203 लखनऊ-कानपुर मेमू, 64214 कानपुर-लखनऊ मेमू निरस्त रहेंगी। इसी क्रम में लखनऊ आने वाली 10 ट्रेनें कानपुर तक ही आएंगी व जाएंगी। इसमें 12179/80 आगरा फोर्ट-लखनऊ-आगराफोर्ट इंटरसिटी, 12103/04 पुणे-लखनऊ जंक्शन-पुणे एक्सप्रेस, 22121/22 लखनऊ-एलटीटी-लखनऊ एक्सप्रेस, 11109/10 झांसी-लखनऊ जंक्शन-झांसी इंटरसिटी शामिल हैं। वहीं, 54335/36 बालामऊ-कानपुर-बालामऊ पैसेंजर उन्नाव तक आएगी व यहीं से चलेंगी। 12107 एलटीटी-सीतापुर एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल से 210 मिनट की देरी से चलाई जाएगी।

कानपुर के रास्ते नहीं चलेंगी ये ट्रेनें

12004 नई दिल्ली-लखनऊ जंक्शन शताब्दी एक्सप्रेस, 22426 आनंदविहार-अयोध्या वंदे भारत, 02563/64 बरौनी-नई दिल्ली-बरौनी क्लोन स्पेशल, 02569/70 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ क्लोन स्पेशल, 19615 कविगुरु एक्सप्रेस, 20921 बांद्रा-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस बदले हुए रास्ते से चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें कानपुर नहीं आएंगी।

लखनऊ नहीं आएंगी ये ट्रेनें

13168 आगरा कैंट-कोलकाता एक्सप्रेस, 12876 आनंदविहार-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस, 19053 मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 15270 जनसाधारण एक्सप्रेस, 09465 अहमदाबाद-डिब्रूगढ़ क्लोन स्पेशल, 13238 कोटा-पटना एक्सप्रेस, 13240 कोटा-पटना एक्सप्रेस, 15734 फरक्का एक्सप्रेस, 15744 फरक्का एक्सप्रेस, 11079 एलटीटी-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस, 22534 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस, 12598 अंत्योदय एक्सप्रेस, 15030 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस, 12173 एलटीटी-प्रतापगढ़ एक्सप्रेस, 12143 एलटीटी-सुल्तानपुर एक्सप्रेस, 19201 अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, 12183 भोपाल-प्रतापगढ़ सुपरफास्ट लखनऊ के रास्ते नहीं संचालित होंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम 'स्टार बस्टर्स' ने रिफ्ट-2026 हैकाथॉन के वेब3 ट्रैक में प्रथम स्थान प्राप्त किया

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की अभियांत्रिकी संकाय के बी.टेक (सीएसई) छात्रों की टीम 'स्टार बस्टर्स' ने 48 घंटे के प्रतिष्ठित रिफ्ट-2026 हैकाथॉन के वेब3 ट्रैक (लखनऊ) में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह हैकाथॉन पीडब्ल्यू आईओआई द्वारा आयोजित किया गया, जो एक साथ बेंगलुरु, नोएडा, लखनऊ और मुंबई में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 8,000 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑफलाइन एवं वर्चुअल दोनों माध्यमों से भाग लिया। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से टीम का नेतृत्व बीटेक सीएसई-एआई छात्र हर्ष प्रजापति ने किया, जबकि जतिन पांडे ने तकनीकी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेब3 श्रेणी में विजेता घोषित होने पर टीम को एलगोरैंड और पीडब्ल्यू आईओआई की साझेदारी के अंतर्गत 250 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी ने छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. एस. पी. सिंह एवं प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने विजेता छात्रों को सम्मानित किया तथा इसे संकाय के लिए गर्व का क्षण बताया। टीम द्वारा इम्प्लीमेंटेड प्रोजेक्ट 'अपॉर्चुनिटी ओएस' एक डिसेंट्रलाइज्ड ऑपरेटिंग सिस्टम है। इसका उद्देश्य यह है कि

वर्तमान में बिटकॉइन और इथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी में जटिल गणनाओं में खर्च होने वाली अत्यधिक बिजली और कंप्यूटर शक्ति को अधिक उपयोगी कार्यों में लगाया जाए।यह प्लेटफॉर्म उसी कंप्यूटर क्षमता का उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल ट्रेनिंग में करता है, जिससे ऊर्जा का बेहतर उपयोग हो सके और तकनीकी संसाधनों को सार्थक दिशा मिले।इसके माध्यम से कंपनियां एआई मॉडल ट्रेनिंग के लिए डेटा अपलोड कर सकती हैं। डेवलपर्स को पूर्व-तैयार जुपीटर नोटबुक वातावरण उपलब्ध कराया गया है, जिससे तकनीकी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। साथ ही, क्वांटम एन्क्रिप्शन और आईपीएफएस आधारित प्रणाली से सुरक्षित एवं पारदर्शी डेटा प्रबंधन सुनिश्चित किया गया है।

शाइन सिटी घोटाले का आरोपी राशिद नसीम गिरफ्तार, ईडी-ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर दुबई पुलिस ने पकड़ा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

60 हजार करोड़ से भी अधिक की ठगी करने के मामले में शाइन सिटी का एमडी राशिद नसीम आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। दुबई पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसको भारत लाया जाएगा। यहां जांच एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। राशिद के प्रत्यर्पण के लिए जांच एजेंसियां व सरकार लंबे समय से प्रयास कर रही थीं। राशिद पर 50 हजार का इनाम घोषित था। शाइन सिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने सस्ते भूखंडों और निवेश की रकम को दोगुना करने का लालच देकर हजारों लोगों से करोड़ों रुपये जमा करवाए थे। निवेशकों को कंपनी ने न तो भूखंड दिए थे और न ही रकम वापस की थी। करीब 60 हजार करोड़ रुपये निवेशकों के कंपनी ने पार कर दिए थे। मामले में एक के बाद प्रदेश भर में कंपनी के खिलाफ 554 केस दर्ज किए गए। मामले की विवेचना आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को सौंपी गई थी। ईडी भी मनी लॉड्रिंग का केस दर्ज कर तफ्तीश कर रही है। घोटाले को अंजाम देने का मास्टरमाइंड राशिद नसीम उसी दौरान दुबई भाग गया था। तब जांच एजेंसियों ने गृह मंत्रालय से संपर्क किया था। गृह मंत्रालय राशिद के प्रत्यर्पण के लिए लगातार कोशिश कर रहा था। भारत सरकार की कवायद पर दुबई पुलिस ने राशिद को गिरफ्तार कर लिया है।

फाइल फोटो

खाद्य विभाग की छापेमारी में 973 लीटर तेल जब्त, तीन नमूने जांच को भेजे

जन एक्सप्रेस | अमेठी

होली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनपद में मिलावट खोरी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया है।इसी क्रम में मुसाफिरखाना तहसील क्षेत्र में की गई छापेमारी के दौरान टीम ने विभिन्न स्थानों से कुल 973 लीटर खाद्य तेल जब्त किया,जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.47 लाख रुपये बताई जा रही है।खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने हिन्द ट्रेडर्स रानीगंज और त्रिपुरारी तेल निर्माण इकाई इनौहना में औचक निरीक्षण किया।जांच के दौरान तेल के भंडारण और गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर उत्पाद को कब्जे में ले लिया गया।टीम ने मौके से तीन नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेज दिए हैं।अधिकारियों के अनुसार रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।छापेमारी अभियान के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों में हड़कंप की स्थिति बनी रही।यह कार्रवाई होली के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। विभागीय अधिकारियों ने व्यापारियों को मानकों के अनुरूप खाद्य सामग्री का भंडारण एवं बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उपभोक्ताओं से अपील की है,कि संदिग्ध खाद्य सामग्री की सूचना तत्काल विभाग को दें।खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है,कि त्योहारों के दौरान जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।और मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धर्म के बंधन को तोड़ प्रेमी प्रेमिका ने किया विवाह

जन एक्सप्रेस | रायबरेली

मुश्मिल धर्म छोड़ हिन्दू धर्म को नाजिया ने अपनाया हिन्दू रीति रिवाज के बाद नाजिया बनी मीनाक्षी मीनाक्षी बनकर विकास के साथ मंदिर में लिए सात फेरे दो वर्ष से दोनो के बीच चल रहा था प्रेम प्रसंग विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने करवाया विवाह विवाह के दौरान दोनो पक्षो के अभिभावक भी रहे मौजूद नाजिया उर्फ मीनाक्षी शहर कोतवाली क्षेत्र की है रहने वाली वही विकास मिलएरिया थाना क्षेत्र का है रहने वाला

अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी, 78 लीटर कच्ची शराब बरामद, चार के खिलाफ मुकदमा

जन एक्सप्रेस | अमेठी

होली पर्व के मद्देनजर अवैध शराब के निर्माण व बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने शुक्रवार को विभिन्न गांवों में सघन छापेमारी अभियान चलाया। जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर गठित टीम ने ग्राम भवसिंहपर, जलालपुर माफी,खेखरुआ,भूलीनगर, कचनाव और थौरी में आकस्मिक दबिश दी।थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक एवं थाना जगदीशपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम थौरी,भूलीनगर व कचनाव में की गई कार्रवाई के दौरान लगभग 78 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।इसके साथ ही मौके पर तैयार हो रहा करीब 250 किलोग्राम महुआ लहन नष्ट कराया गया।कार्रवाई के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत चार अभियोग पंजीकृत किए गए हैं।टीम ने ग्रामीणों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए ऐसे मामलों की सूचना विभागीय टोल फ्री नंबर या संबंधित निरीक्षक को देने की अपील की।अभियान के तहत क्षेत्र की लाइसेंसी शराब दुकानों का भी निरीक्षण किया गया और स्टॉक रजिस्टर की जांच की गई। संयुक्त छापेमारी में आबकारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा, थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक से दो उपनिरीक्षक मय पुलिस बल तथा आबकारी स्टाफ तैनात रहा।आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान अवैध शराब के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

एडीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

जन एक्सप्रेस | रायबरेली

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

बैठक का मुख्य एजेंडा राजमार्गों पर अवैध रूप से निर्मित अवैध कटों को बंद कराना, राष्ट्रीय राजमार्गो पर नियमित रूप से प्रभावी पेट्रोलिंग किया जाना, राष्ट्रीय राजमार्गो पर पार्किंग व्यवस्था, सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित की गयी प्रवर्तन कार्यवाही, इन्ट्रीग्रेटेड रोड एक्सीडेन्ट डाटाबेस में विभिन्न विभागों द्वारा रोड एक्सीडेन्ट के सम्बन्ध में एन्ट्री को अद्यतन किया जाना, जनपद में स्थित विभिन्न चौराहों को यातायात की दृष्टि से सुगम व सरल बनाना, सड़कों पर विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाना, ब्लैक स्पॉट्स के निवारण के सम्बन्ध में समीक्षा की गई।

अपर जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी जानकारी ली। जनपद में सुरक्षा के दृष्टिगत बिना फिटनेस के चलने वाले वाहनों पर प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मानक विहीन व पुराने हो चुके वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की जाए तथा रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे पर एंबुलेंस पेट्रोलिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। ड्रिंकिंग डाईव व ओवर स्पीड एवं बगैर नम्बरों की गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। हिट एंड रन मामलों में परिवहन विभाग को कराधान अधिनियम/नियमावली के अंतर्गत प्रतिकार कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यक्रमों एवं कानून व्यवस्था को लेकर किया बैठक

जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें अधिकारी: सतीश चंद्र शर्मा

जन एक्सप्रेस | अमेठी

जिला प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा किया।एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।बैठक में राज्य मंत्री संसदीय कार्य,चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उप्र मयंकेश्वर शरण सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि,जिलाधिकारी संजय चौहान पुलिस अधीक्षक सरवणन टी,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में प्रभारी मंत्री ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति में सुधार लाने एवं पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करने का निर्देश दिया।प्रभारी मंत्री ने यूपी नेडा के अन्तर्गत सोलर रूफटॉप की प्रगति,उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा, विद्युत विभाग के अंतर्गत शासन की मंशा के अनुरूप विद्युत आपूर्ति की स्थिति,खराब ट्रांसफार्मर के बदलने की स्थिति,लाइन लॉस के प्रकरण तथा विद्युत विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति,लोक निर्माण विभाग द्वारा नई सड़कों का निर्माण,गड्ढा मुक्त, सिंचाई पंप की आपूर्ति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं भरण पोषण की स्थिति,मुख्यमंत्री सहभागिता योजना,स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर,एंबुलेंस, टीकाकरण की स्थिति,पंचायत भवन,सामुदायिक शौचालयों के निर्माण एवं संचालन की स्थिति, अंत्येष्टी स्थल के निर्माण,स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालयों की स्थिति, ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों का सौंदर्यीकरण व सुदृढ़ीकरण का

कार्य,प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण, स्वयं सहायता समूह, सामूहिक विवाह योजना,पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम, शादी अनुदान योजना,मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,बालविकास दुग्ध विकास,एक जनपद एक उत्पाद,प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, श्रमिक पंजीकरण,आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति सहित अन्य कार्यों की गहन समीक्षा किया।

इसके साथ ही कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने हत्या के मामलों में अभियुक्तों की गिरफ्तारी लूट के मामलों में गिरफ्तारी,महिला उत्पीड़न,बलात्कार, अपहरण,पास्को एक्ट, गुंडा एक्ट,अनुसूचित जनजाति उत्पीड़न,लंबित विवेचना,गैंगस्टर, रासुका सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा किया।प्रभारीमंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी शासन की योजनाओं का प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन करें।उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे या सभी अधिकारी सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के बीच संवाद और समन्वय बेहतर रहे,किसी भी परियोजना का शिलान्यास, लोकार्पण जनप्रतिनिधियों से कराएं,योजनाओं के प्रस्ताव भी जन प्रतिनिधियों से प्राप्त किया जाए।तथा प्राप्त प्रस्तावों के जवाब भी जनप्रतिनिधियों को समय से दिया जाए।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई हैं।जिन्हें आप लोग समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारने की कार्रवाई करें।तथा जन प्रतिनिधियों के माध्यम से जो भी समस्याएं आपके संज्ञान में आती हैं,उनका तत्काल निस्तारण कराएं।उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई हैं,जिनका लाभ पात्रों को दिया जाए तथा योजनाओं को धरातल पर पहुंचाया जाए।इसमें कतई लापरवाही ना बरती जाए, सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यों के प्रति संवेदनशील रहे।सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग की योजनाओं की प्रगति को बढ़ाएं, अपने-अपने कार्यों में रुचि रखें, कहीं भी कोई समस्या हो तो जिलाधिकारी व जनप्रतिनिधियों को अवगत कराएं, अपने विभाग से संबंधित पूरी जानकारी रखें।समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें सरकार पूरी ईमानदारी से कार्य कर रही है। हम सब लोग भी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें।और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं।बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका संबंधित अधिकारियों से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

एनकार्ड की बैठक सम्पन्न, प्रवर्तन अभियान जारी रखने के निर्देश

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनकार्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नशीली दवाओं, अवैध शराब निर्माण की रोकथाम के लिए अब तक हुई कार्रवाइयों की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं को जागरूक किया जाए, ताकि समाज में नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध कच्ची शराब के निर्माण करने वालों पर लगातार प्रवर्तन की कार्रवाई की जा रही है। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, एसीएमओ डॉ. अरविंद कुमार, क्षेत्राधिकारी अमित सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

116 मरीजों के सफल ऑपरेशन के साथ निशुल्क नेत्र शिविर का समापन

जन एक्सप्रेस | अम्बेडकरनगर

जनपद की एनटीपीसी टांडा परियोजना द्वारा नैगमिक सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सकीय एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का 27 फरवरी को सफल समापन हो गया। यह शिविर 23 से 27 फरवरी तक महामाया राजकीय एलोपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में संचालित किया गया।

पांच दिवसीय शिविर के दौरान विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की टीम द्वारा जरूरतमंद मरीजों की जांच कर मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन किए गए। शिविर में कुल 116 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज एवं ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीजों को आवश्यक दवाएं एवं परामर्श भी उपलब्ध कराया गया।

समापन अवसर पर टांडा परियोजना के कार्यकारी निदेशक जयदेव परिदा तथा अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) रजनीश कुमार खेतान उपस्थित रहे। कार्यकारी निदेशक ने मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने चिकित्सा दल से उपचार एवं ऑपरेशन प्रक्रिया की जानकारी ली तथा उनके प्रयासों की सराहना की।

एनटीपीसी टांडा की यह पहल समाज के जरूरतमंद वर्गों को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया।

होली पर्व के रंग दिवस पर सभी देशी शराब, विदेशी मदिरा, बियर मॉडल शॉप आदि मादक पदार्थों की बिक्री पूर्णतया रहेगी प्रतिबंधित: जिला मजिस्ट्रेट

रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट हर्षिता माथुर ने होली के पर्व पर लोक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम की धारा-59 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिए हैं कि होली पर्व के रंग दिवस 04 मार्च 2026 को सम्पूर्ण दिवस जनपद रायबरेली में संचालित सभी देशी शराब, विदेशी मदिरा, बियर, मॉडल शाप, बार अनुज्ञापन (एफ0एल0-7), भांग, ताड़ी, सी0एल0-2, एफ0एल0-2/एफ0एल0 2बी, एफ0एल0-49, एफ0एल0-16,17 एवं एफ0एल0-09/09ए के अनुज्ञापनों पर मादक पदार्थों की बिक्री पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगी। उन्हेंने कहा है कि इस बन्दी के लिए अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल देय नहीं होगा। इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

जनपद रायबरेली में स्न्ह्हस्न्द्दृह्ल क्ष्ध्द्यद्वष्द्र श्व×श्वद्दह्ल्द्दद्द्वह्लद्बड्डद्य स्न्द्दड्डह्ल्द्वद्दद्द (स्क्षरु) कार्यक्रम के तृतीय चरण में थाना ऊंचाहार द्वारा अभ्यर्थियों को दिया गया प्रशिक्षण-

जन एक्सप्रेस | रायबरेली

दिनांक 27.02.2026 को जनपद रायबरेली में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित स्न्ह्हस्न्द्दृह्ल क्ष्ध्द्यद्वष्द्र श्व×श्वद्दह्ल्द्दद्द्वह्लद्बड्डद्य स्न्द्दड्डह्ल्द्वद्दद्द (स्क्षरु) कार्यक्रम के तृतीय चरण में, पुलिस अधीक्षक महोदय रवि कुमार के कुशल निर्देशन एवं संजीव कुमार सिन्हा, अपर पुलिस अधीक्षक, नोडल अधिकारी स्क्षरु रायबरेली के निकट पर्यवेक्षण में जनपदीय नोडल अधिकारी ह्रस्र गौतम गुप्ता द्वारा नामित शिक्षण संस्थानों के छात्र/छात्राओं को थाना ऊंचाहार पर स्थानीय पुलिस टीम द्वारा युवाओं में नेतृत्व क्षमता सामाजिक जिम्मेदारी एवं सामुदायिक सेवा का विकाश करना, अनुशासन, कानून व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन एवं सामुदायिक समन्वय से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त युवाओं को समाज के विभिन्न वर्गों के साथ जुडकर स्वच्छता अभियान जागरूकता रैली एवं जनसम्पर्क कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र/छात्राओं के संज्ञानात्मक कौशल व लोक कौशल में सुधार है , इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा, जो उनके भविष्य के लिए उपयोगी होगा साथ ही पुलिस के लिए भी यह एक ऐसा अवसर है कि वे युवा पीढ़ी में पुलिस मित्र बना सकें।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर किया गया नमन

जन एक्सप्रेस | बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के बलरामपुर गोंडा मार्ग पर स्थित आजाद पार्क में शुक्रवार को क्रांतिकारी विचार धारा मोर्चा ने अमर शहीद महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर आजाद पार्क में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण करके नमन किया गया ।

जानकारी के अनुसार 27 फरवरी को आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ के मुख्य अतिथि आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू और क्रांतिकारी विचार धारा मोर्चा के संयोजक अध्यक्ष डॉ राकेश चंद्रा ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । कार्यक्रम में उपस्थित मोर्चा के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने भी शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजली दी और नमन किया । मोर्चा के संयोजक अध्यक्ष डॉ चंद्रा ने कहा कि जिस प्रकार से आज के दिन, वर्ष 1931 में एक षडयंत्र के तहत देश के गद्दारों द्वारा अंग्रेजों से मुखबिरी करके उन्हें अल्फ्रेड पार्क में घेर लिया था और क्रांतिकारी आजाद ने कई अंग्रेज सिपाहियों को मारने के बाद स्वयं की कनपटी पर गोली मारकर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था । उसी प्रकार आज भी राष्ट्र विरोधी ताकतें हमारे बीच सक्रिय हैं । डॉ चंद्रा ने देश के युवाओं से महान क्रांतिकारी चन्द्र शेखर आजाद के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने की अपील किया। आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने भी कहा कि आज के परिवेश में महान क्रांतिकारी चन्द्र शेखर आजाद के संपूर्ण जीवन यात्रा को लोगों को पढ़ना चाहिए और आत्मसात करके अपना राष्ट्र हित में अपना योगदान देना चाहिए । कार्यक्रम में मोर्चा के कमलेश त्रिपाठी, जितेंद्र कुमार, सतीश श्रीवास्तव, अर्जुन यादव, डॉ अफजाल अहमद खान, शिवम, मीडिया प्रभारी डी पी सिंह, जय प्रकाश हिन्दू, सजीव श्रीवास्तव, संजय कश्यप व लक्ष्मण जायसवाल सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

रायबरेली में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रायबरेली। जिले के गदागंज थाना क्षेत्र के पूरे हसऊ मजरे गौरा हरदो गांव में संदीप कुमार नामक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक संदीप के पिता बाबूलाल और छोटा भाई चंडीगढ़ में ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं और इस समय वहीं हैं। गांव के सोनू दीक्षित ने बताया कि संदीप दिल्ली में शटरिंग का काम करता था और तीन दिन पहले ही दिल्ली से घर लौटा था। राजेंद्र कुमार के अनुसार, संदीप ने अपनी मानसिक रूप से विक्षिप्त मां को रिश्तेदार के घर भेजने की बात कही और फिर घर के अंदर जाकर फांसी लगा ली। युवक की मौत से परिवार और गांव में शोक का माहौल है। गदागंज थाना प्रभारी दयानंद तिवारी ने बताया कि संदीप ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस को घटनास्थल से पेट्रोल के छिड़काव के निशान, एक फटा हुआ पर्स और टूटा हुआ मोबाइल फोन मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि संदीप की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह मामूली बातों पर भी गुस्सा हो जाता था।

एमएलके कॉलेज मे हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

जन एक्सप्रेस | बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के एमएलके पीजी कॉलेज में शुक्रवार को महाराजा सर पाटेश्वरी प्रसाद सिंह की स्मृति में आयोजित हो रहे संस्थापक सप्ताह समारोह कार्यक्रमों के अंतर्गत हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित किया गया ।

जानकारी के अनुसार 27 फरवरी को संस्थापक सप्ताह के अंतर्गत ÷महिलाओं की सुरक्षा में कानून से ज्यादा समाज की सोच की भूमिका ÷ विषय पर हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने महिलाओं की सुरक्षा के संदर्भ में कानून की प्रभावशीलता तथा समाज की जागरूकता और सोच के महत्व पर अपने तर्क प्रभावशाली एवं तार्किक ढंग से प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने पक्ष एवं विपक्ष दोनों पक्षों में सशक्त अभिव्यक्ति के माध्यम से अपने विचार रखे। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं में तार्किक चिंतन, विश्लेषणात्मक दृष्टि तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रखर त्रिपाठी रहे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के अभिव्यक्ति कौशल, तर्कशक्ति एवं प्रस्तुति शैली के आधार पर परिणाम घोषित किए। व्यक्तिगत स्पर्धा में प्रथम स्थान शिखा पांडेय, द्वितीय स्थान हर्षिता श्रीवास्तव एवं तृतीय स्थान शुमाइला कय्यूम ने प्राप्त किया। टीम स्पर्धा में प्रथम स्थान शिखा पांडेय एवं हर्षिता श्रीवास्तव, द्वितीय स्थान शुमाइला कय्यूम एवं पंकज तिवारी और निक्की शुक्ला एवं सत्यम कुमार तिवारी की टीम को संयुक्त रूप से तथा तृतीय स्थान अनुराग मिश्र एवं नितिन शुक्ल की टीम ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता का पुरस्कार सौरभ तिवारी को प्रदान किया गया। विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को सफल आयोजन हेतु बधाई दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव अवकाश प्राप्त कर्नल संजीव कुमार वार्ष्णेय ने कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभाग हेतु दर्शकों की भूमिका की भी सराहना की । कार्यक्रम में महाविद्यालय के अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर डॉ माधवराज द्विवेदी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक निदेशिका प्रो. रेखा विश्वकर्मा, प्रो. विमल प्रकाश वर्मा, डॉ. ऋषि रंजन पांडेय, मानसी पटेल, सीमा पांडेय एवं अनिल कुमार पांडेय की उपस्थिति रही ।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ-साथ समसामयिक विषयों के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करना था।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५0 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २0 किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्ज़न बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

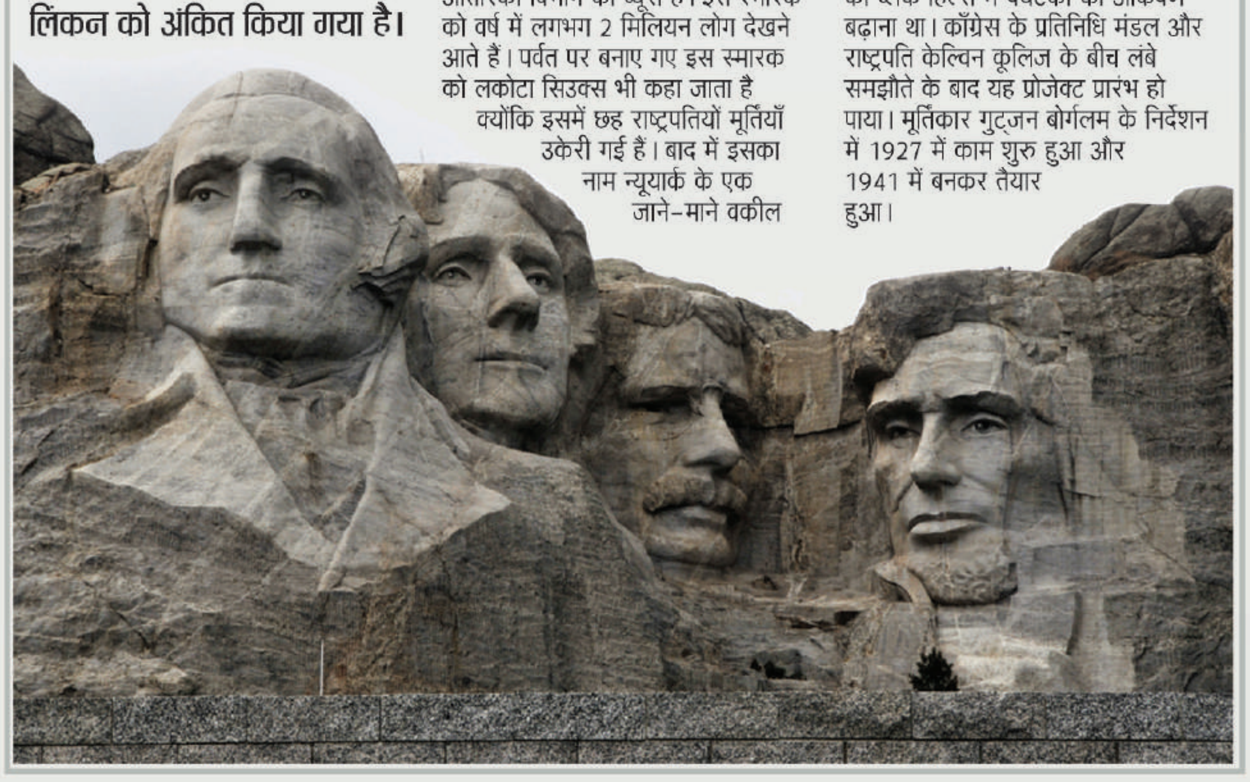

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं : सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

▸ पढ़ें पेज 12 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

भारत का ग्रीन अमोनिया मिशन

आईएसटीएस (इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम) छूट, ओपन एक्सेस और नवीकरणीय बैंकिंग जैसी नीतियां निवेश को तेजी से आकर्षित कर रही हैं। नेट-ज़ीरो 2070 लक्ष्य में ग्रीन अमोनिया की भूमिका निर्णायक और अभूतपूर्व है। उर्वरक उद्योग में प्रक्रिया उत्सर्जन शून्य करना, स्टील निर्माण में डीआरआई को हरा हाइड्रोजन देना, और नौवहन में बंकर ईंधन के रूप में इसका उपयोग—ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ बैटरी या सीधे बिजली का विकल्प काम नहीं कर सकता। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पहले ही 263 गीगावाट पार कर चुकी है, और 2030 का 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य तेजी से पूरा होने की राह पर है।

दुनिया आज जीवाश्म ईंधनों की जकड़न में जकड़ी है, और हर देश ऊर्जा संकट की चपेट में है। लेकिन भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए एक नई ऊर्जा क्रांति की अगुवाई शुरू कर दी है, जो ऊर्जा की भूख मिटाएगी और पर्यावरण को नया जीवन देगी। ग्रीन अमोनिया अब सिर्फ एक रसायन नहीं रहा—यह राष्ट्रीय सुरक्षा की ढाल, आर्थिक आत्मनिर्भरता की चाबी और 2070 के नेट-ज़ीरो लक्ष्य का सबसे तेज़ हथियार बन चुका है। जनवरी 2026 में इंडिया एनर्जी वीक पर प्रधानमंत्री द्वारा 500 अरब डॉलर के निवेश अवसरों की घोषणा ने इस बदलाव को वैश्विक मंच पर स्थापित कर दिया। नीतियां अब केवल कागज पर नहीं, बल्कि धरातल पर जिंदा हो रही हैं, और ग्रीन अमोनिया इस परिवर्तन का सबसे दमकता और ठोस प्रतीक बनकर उभरा है। यह ग्रीन अमोनिया सीधे हवा से नाइट्रोजन और सौर-पवन ऊर्जा से हाइड्रोजन लेकर बनता है—एक भी ग्राम कार्बन छोड़े बिना। जबकि पारंपरिक ग्रे अमोनिया प्राकृतिक गैस जलाकर बनाया जाता है, जो उर्वरक क्षेत्र में अरबों टन कार्बन डाइऑक्साइड फैलाता है। लेकिन 2025 की एसईसीआई नीलामी ने इतिहास रच दिया—?49.75 से ?64.74 प्रति किलो की कीमतें यूरोप की एच2ग्लोबल से 40-50% सस्ती साबित हुईं। 13 उर्वरक संयंत्रों के लिए 7.24 लाख टन वार्षिक मांग सुनिश्चित की गई, और दस साल के स्थिर मूल्य अनुबंधों ने निवेशकों में नया विश्वास पैदा किया। यह दर अब ग्रे अमोनिया के करीब पहुँच चुकी है, और बहुत जल्द इसे पीछे छोड़ देगी। राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन इस ऊर्जा क्रांति का मुख्य इंजन है। 2030 तक 5 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। साइट (स्ट्रैटेजिक इंटरवेंशन्स फॉर ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांज़िशन) योजना के ?17,490 करोड़ प्रोत्साहन ने इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण और उत्पादन में तेजी ला दी। 15 कंपनियों को कुल 3000 मेगावाट वार्षिक क्षमता आवंटित हो चुकी है। ग्रीन अमोनिया मिशन का सबसे व्यावहारिक और ताकतवर पहलू यह है कि इसे भंडारण, परिवहन और उपयोग में आसानी से अपनाया जा सकता है। उर्वरक, नौवहन, स्टील और रिफाइनरी जैसे कठिन क्षेत्रों को डीकार्बनाइज करने में यह सबसे प्रभावी और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है। बड़े प्रोजेक्ट अब वास्तविकता की ओर बढ़ रहे हैं और भारत की ग्रीन ऊर्जा क्रांति को ठोस आकार दे रहे हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का पुदीमडका हब 7 गीगावाट इलेक्ट्रोलाइजर और 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से लैस होगा, जो सालाना 2.5 मिलियन टन ग्रीन केमिकल्स अमोनिया, यूरिया और मेथनॉल उत्पादित करेगा। एनजीईएल-असागो का समझौता भारत का पहला बड़े पैमाने पर ग्रीन यूरिया प्लांट ला रहा है। एएम ग्रीन की काकीनाडा इकाई 1.5 मिलियन टन क्षमता वाली है, और यूनिपर के साथ 5 लाख टन वार्षिक ऑफटेक 2028 से यूरोप में निर्यात शुरू करेगा। गुजरात, ओडिशा और राजस्थान में हब तेजी से विकसित हो रहे हैं, और यह देश को वैश्विक ग्रीन अमोनिया मानचित्र पर अग्रणी बनाएंगे। आर्थिक लाभ गहरा और तत्काल हैं। भारत दुनिया का प्रमुख अमोनिया आयातक है, और गैस मूल्य उतार-चढ़ाव से लगातार प्रभावित रहता है। ग्रीन अमोनिया के उत्पादन से आयात 30% तक घट सकता है, विदेशी मुद्रा बचेगी और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिशन 6 लाख से अधिक रोजगार पैदा करेगा, ?1 लाख करोड़ जीवाश्म ईंधन आयात की बचत करेगा और 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में बड़े पैमाने पर कटौती करेगा। सौर-पवन से ग्रीन अमोनिया उत्पादन की लागत दुनिया की सबसे कम है, और 2030 तक यह और गिरने की संभावना है।

एक्सप्रेस आलेख

इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं।

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है।

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है। संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है। ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है

मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा। भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है। भारत मंडपम् में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	द्वादशी 08:43 तक
नक्षत्रः	पुनर्वसु 09:34 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	शनिवार
योगः	सौभाग्य, 05:02
सूर्योदयः	06:53
सूर्यास्तः	18:25
चंद्रमाः	कर्क राशि में
राहुकालः	09:46-11:12
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	फाल्गुन
शुभ मुहूर्तः	12:16-13:02

जन एक्सप्रेस

लगे खेलने खेल !

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

जलौकावचारण (लीच थेरेपी) कराने के फायदे, नुकसान और सावधानियां

आयुर्वेद में शरीर में होने वाली खून की अशुद्धियों को कम करने के लिए नेचुरल थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें लीच थेरेपी सबसे ज्यादा कॉमन है, जिसे जलौकावचारण कहा जाता है। आयुर्वेद के साथ-साथ लीच थेरेपी में एफडीए (स्न्ष्ठ) से भी अप्रूव है और इसे मेडिकल प्रैक्टिस में इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, इसे कई बीमारियों को मैनेज करने के लिए किया जाता है, लेकिन लीच थेरेपी में कई तरह की जटिलताएं भी आती हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल करते समय अनुभवी डॉक्टरों की देखरेख में ही करना चाहिए।

जलौकावचारण में जोंक की लार क्यों होती है खास?: डॉ. चेतन कहते हैं, 'जलौकावचारण में औषधीय जोंक को शरीर के संक्रमित भाग पर लगाया जाता है। इसके बाद जोंक दूषित खून को चूस लेता है और अपनी लार को शरीर में छोड़ देता है। जोंक की लार में कई नेचुरल एंटीकोएगुलेंट, एंटी इंफ्लेमेंटरी और दर्द कम करने वाले तत्व पाए जाते हैं, जिससे ब्लड को जमने से रोकता है और ब्लड फ्लो को बेहतर करता है। सूजन कम होती है। आचार्य सुश्रुत ने इसे खासतौर से कोमल प्रकृति वाले रोगियों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए लींच थेरेपी को सेफ बताया है।'

जलौकावचारण के फायदे क्या है?: डॉ. चेतन ने बताया कि सोरायसिस, एक्जिमा, वैरिकोज, अर्थराइटिस और कुछ न्यूरोवास्कुलर जैसी बीमारियों में जलौकावचारण का इस्तेमाल किया जाता है। ह्रष्ट्वक्च्ह्र की रिपोर्ट के अनुसार, लीच थेरेपी से जुड़े कुल 12 ट्रायल किए गए और उसके परिणामों को स्टडी किया गया। स्टडी में पाया गया कि लीच थेरेपी के रिजल्ट अलग-अलग कंडीशन्स में सफल रहे हैं। इसमें हार्मोनल और मेटाबॉल्कि जटिलताएं, हार्ट संबंधी रोग और इंफ्लेमेशन से जुड़े रोग शामिल है।

निष्कर्ष: डॉ. चेतन कहते हैं कि जलौकावचारण न सिर्फ आयुर्वेद में, बल्कि वैज्ञानिक तौर पर भी मान्यता प्राप्त है। अगर सही बीमारी के लिए सही थेरेपी की जाए, तो बहुत फायदेमंद होती है। इसके साथ मरीजों को पहले आयुर्वेदाचार्य से इसके रिस्क फैक्टर्स और परिणाम के बारे में जरूर जानना चाहिए।

एक्सप्रेस विशेष

क्यों ना हो न्यायपालिका के भ्रष्टाचार पर चर्चा

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

वैसे भारतीय न्यायपालिका की इस मामले में यकीनन प्रशंसा की जानी चाहिए क्योंकि पारदर्शिता के मामले में वह स्वयं पहल करती है। इसके परिणाम भी अच्छे आते हैं लेकिन अभी काफी कुछ करने की आवश्यकता है।

एनसीईआरटी की कक्षा 8 की एक किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात को रेखांकित किया गया है। जिसको लेकर बार और बेंच दोनों में आक्रोश है। इस पुस्तक में न्यायपालिका की प्रमुख चुनौतियों के तौर पर करप्शन और लंबित मामलों का जिक्र किया गया है। कोर्ट के सामने सीनियर वकील कपिल सिब्बल तथा डॉ अभिषेक मनु सिंघवी ने यह मुद्दा उठाते हुए तर्क दिया कि भ्रष्टाचार का जिक्र चयनात्मक तरीके से किया गया है । मानो अन्य क्षेत्रों में ऐसी समस्या ना हो इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगवाई वाली बेंच ने बुधवार को कहा कि किसी को संस्था की छवि खराब करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मैं सीजेआई महोदय की पीड़ा से अपने को संबध्द करता हूं और कहता हूं कि कोई भी संस्था भ्रष्ट नहीं होती बल्कि लोग भ्रष्ट होते हैं। संस्था को चलाने वाले भ्रष्ट होते हैं। ऐसे में जो लोग भ्रष्टाचार कर रहे हैं या भ्रष्टाचार में लिप्त हैं उन पर तो कार्रवाई होनी ही चाहिए क्योंकि वह कानून के संरक्षक तो हो सकते हैं लेकिन कानून से ऊपर नहीं। मेरे विचार से न्यायाधीश होने का मतलब यह कतई नहीं है कि

अब सवाल यह है कि इसका इलाज क्या है? इसका समाधान क्या है? इसका समाधान यह है कि पारदर्शिता यानी न्यायिक प्रक्रियाओं और फैसलों को खुले तौर पर सार्वजनिक करना, जवाबदेही अर्थात किसी भी अनियमिता पर जांच और दण्डात्मक करवाई। इसके अलावा जन जागरण यानी मीडिया, नागरिक समाज और छात्रों द्वारा न्यायिक भ्रष्टाचार को उजागर करना।

उन पर कानून की कोई धारा लागू नहीं होती। भारत एक न्याय प्रिय देश और प्रत्येक देशवासी को न्यायिक प्रक्रिया तथा न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है । ऐसे में न्यायपालिका को भी दूध का धुला साबित करना ही पड़ेगा। मैं यह नहीं कहता कि सारा सिस्टम करप्ट है लेकिन जिस तरह एक मछली सारे तालाब के पानी को गंदा कर देती है। उसी तरह किसी भी संस्था का एक भ्रष्टाचारी व्यक्ति संस्था की क्रेडिबिलिटी पर प्रश्न चिन्ह लगा देता है। आज की तारीख में जब आम आदमी की तमाम उम्मीदें कमजोर हो जाती है तो वह अदालतों की ओर आशा और विश्वास के साथ ताकता है कि उसे न्याय मिलेगा। लेकिन जब अदालतो से भ्रष्टाचार जैसे मामले निकलते हैं चाहे वह पैसे के जरिए भ्रष्टाचार हो या पावर के जरिए भ्रष्टाचार हो तो आम आदमी का विश्वास डगमगाने लगता है उसकी उम्मीदें कमजोर होने लगती हैं उसे लगता है कि अदालतें भी दबाव में काम करती हैं। अदालते भी सत्ता प्रतिष्ठान की हां में हां मिलाने का काम करती हैं तथा उन्हीं की इच्छा के अनुरूप फैसला देती है। आप संभल की ही वह घटना ले लीजिए जिसमें एक अदालत ने कुछ पुलिस वालों के विरुद्ध धारा 156 /3 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत करने का आदेश देती है । लेकिन पुलिस अधिकारी कहता है कि वह मुकदमा दर्ज नहीं करेगा ऐसा कहने की हिम्मत उस पुलिस वाले को कहां से मिली? किसके दबाव में (यहां दबाव का मतलब भी भ्रष्टाचार है) उसने मुकदमा पंजीकृत नहीं किया। इस तरह की एक अन्य घटना प्रयागराज की है जहां एक अदालत ने एक धार्मिक व्यक्ति के विरुद्ध धारा 156/3 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। उस आदेश का तुरंत अनुपालन सुनिश्चित किया गया और संबंधित व्यक्ति यानी शंकराचार्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इन दोनों घटनाओं ने आम आदमी को यस सोचने के लिए मजबूर किया कि अब अदालते भी किसी न किसी दबाव या भ्रष्टाचार के वशीभूत काम करती हैं। इस तरह की घटनाओं से न्यायपालिका की पारदर्शिता तथा सत्य निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगता है और संस्था बदनाम होती है । वैसे भी ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देश के बीच भारत की रैंक 91 है। इससे हम समझ सकते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में हम कहां खड़े हैं। अब हम बताते हैं कि भ्रष्टाचार के बारे में ये प्रकार है सीधे रिश्वत लेना, मामलों का अनावश्यक लंबित रखना, पक्षपात करना आदि। इसी तरह जब ज्यूडिशरी करप्शन के प्रभाव पर चर्चा होती है तो उससे आम जनता का न्यायपालिका में विश्वास घटना है। लोग कानून को अनदेखा करने लगते हैं, गरीब और असहाय वर्गों को न्याय दिलाना कठिन हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

बीसलपुर रोड स्थित आईटीसी चौपाल सागर में 'चौपाल महोत्सव' का शुभारंभ

- जिलाधिकारी ने फीता काटकर की शुरुआत, किसानों को योजनाओं की दी विस्तृत जानकारी

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद में कृषि आधारित आय को सुदृढ़ करने और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को बीसलपुर रोड स्थित आईटीसी के चौपाल सागर परिसर में आयोजित चौपाल महोत्सव एवं कृषक गोष्ठी का शुभारंभ जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत के बाद जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और वहां प्रदर्शित कृषि उत्पादों, बीजों, उपकरणों एवं तकनीकी मॉडलों की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित कृषकों से संवाद करते हुए कृषि को पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ाकर बहुआयामी आय स्रोत अपनाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने किसानों को मशरूम की खेती, मोती की खेती, सब्जी उत्पादन, कुक्कुट पालन, बकरी पालन तथा दलहनी फसलों की उन्नत खेती से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से मोती की खेती का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें दोगुना नहीं बल्कि चार गुना तक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक किसान प्रशिक्षण लेकर इस दिशा में कदम बढ़ाएं और अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने में कृषकों की भूमिका केंद्रीय है। कृषि को वैज्ञानिक पद्धतियों और विविधिकरण के साथ जोड़ना समय की आवश्यकता है।

अनुदान, बीज एवं केसीसी पर विस्तार से चर्चा

कार्यक्रम में कृषि विभाग की ओर से प्रमाणित बीजों पर उपलब्ध अनुदान, कृषि यंत्रीकरण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), फसल बीमा योजना और उर्वरक उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। जिला कृषि अधिकारी ने रबी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई की आधुनिक विधियों, उर्वरक प्रबंधन और पादप रोग नियंत्रण के वैज्ञानिक उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए संतुलित उर्वरक उपयोग और समयबद्ध कीट प्रबंधन अपनाने की सलाह दी।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने दी तकनीकी जानकारी

कृषि विज्ञान केन्द्र, टांडा विजैसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. ढाका ने गोष्ठी में उपस्थित किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधिकरण, जैविक खेती और उन्नत बीज चयन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य शिविर में हुई जांच, तुरंत मिली रिपोर्ट

चौपाल महोत्सव के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। शिविर में आधुनिक एक्स-रे मशीन की सहायता से लोगों की जांच कर मौके पर ही रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई। बड़ी संख्या में किसानों और स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ उठाया।

अधिकारियों और कृषकों की रही सक्रिय सहभागिता

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी, उप कृषि निदेशक, आईटीसी के स्टेट हेड, आईटी हेड, एरिया मैनेजर, माल इंचार्ज, पत्रकार बंधु एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। चौपाल महोत्सव के माध्यम से प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार है। योजनाओं की जानकारी, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय ने इस आयोजन को बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया।

पूरनपुर में उग्र हुआ किसान आंदोलन: फ्री ट्रेड डील के विरोध में मार्च, डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन

- तहसील से सिरसा चौराहे तक गूंजे नारे, पुलिस से धक्का-मुक्की के बीच आग के हवाले किया पुतला

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद के पूरनपुर में शुक्रवार को किसान राजनीति का तापमान अचानक बढ़ गया। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी गुट) के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने भारत-अमेरिका प्रस्तावित फ्री ट्रेड डील के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध के प्रतीक के रूप में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन किया गया।पुतला दहन की पूर्व घोषणा के चलते प्रशासन पहले से सतर्क था। तहसील परिसर, सिरसा चौराहा और मंडी समिति गेट सहित प्रमुख स्थलों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पूरनपुर कोतवाली के अलावा सेहरामऊ, माधोटांडा और घुंघचिहाई थानों की फोर्स को भी बुलाया गया। उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह और पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रतीक दहिया पूरे घटनाक्रम के दौरान मौके पर डटे रहे। करीब दोपहर 12 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन देखते ही देखते उग्र तेवर में बदल गया। किसान नेताओं ने तहसील परिसर में सभा कर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप था कि प्रस्तावित फ्री ट्रेड व्यवस्था से विदेशी कृषि उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय बाजार और किसानों की आय पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। तहसील परिसर में पुतला दहन को लेकर प्रशासन और किसान नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। प्रशासन ने शांति व्यवस्था का हवाला देते हुए अनुमति से इनकार किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अडिग रहे। इसके बाद किसान नारेबाजी करते हुए तहसील से सिरसा चौराहे तक पैदल मार्च पर निकल पड़े। चौराहे पर पहले से रखे पुतलों को लेकर स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की। इस दौरान हल्की धक्का-मुक्की हुई और पुतलों के कपड़े फट गए। गुस्साए किसानों ने बचे हुए हिस्से में आग लगा दी। मौके पर पहले से तैनात फायर ब्रिगेड कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर तुरंत काबू पा लिया, जिससे किसी प्रकार की बड़ी घटना नहीं हुई।

एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्जमाफी की मांग

किसान नेताओं—भूपेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह, गुरजिंदर सिंह, मनदीप सिंह, गुरप्रीत सिंह, जगविंदर सिंह और अमरीक सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित डील के तहत यदि अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ में कमी की जाती है तो सस्ते आयात बढ़ेंगे, जिससे देश की मंडियां कमजोर पड़ेंगी। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने, किसानों की कर्जमाफी और किसान हितैषी नीतियां लागू करने की मांग दोहराई। नेताओं ने स्पष्ट कहा कि यह आंदोलन केवल पूरनपुर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशव्यापी विरोध का हिस्सा है। प्रशासन की सतर्कता और अतिरिक्त फोर्स की मौजूदगी के चलते हालात नियंत्रण में रहे। देर शाम तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया। हालांकि किसान संगठनों ने संकेत दिए हैं कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। पूरनपुर में हुआ यह प्रदर्शन साफ संकेत दे गया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को लेकर किसानों में गहरी आशंकाएं हैं। आने वाले समय में यह मुद्दा न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक बहस का भी केंद्र बन सकता है।

किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग, बिना परमिट या अपूर्ण दस्तावेजों के साथ वाहन संचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: वीरेंद्र सिंह (एआरटीओ)

- सुरक्षित यात्रा को लेकर सख्त प्रशासन, ब्लैकलिस्ट बस समेत तीन वाहन सीज
- ओवरलोडिंग और परमिट उल्लंघन पर कार्रवाई, चार वाहनों के चालान

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

होली पर्व के मद्देनज़र यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने जनपद में व्यापक स्तर पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को शहर और देहात के प्रमुख मार्गों पर यात्री वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान एक ऐसी बस को रोका गया जो परिवहन विभाग के पोर्टल पर परमिट शर्तों के उल्लंघन के कारण ब्लैकलिस्ट घोषित थी। इसके बावजूद बस का संचालन किया जा रहा था। जांच में पुष्टि होने पर बस को तत्काल सीज कर दिया गया। इसके अलावा एक मैक्सी कैब और एक ऑटो को निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर संचालित करते पाया गया। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने के आरोप में दोनों वाहनों को भी सीज कर दिया गया। चेकिंग के दौरान दो अन्य यात्री वाहन ऐसे पाए गए जिनका परमिट समाप्त हो चुका था, फिर भी वे मार्ग पर संचालित हो रहे थे। वहीं दो वाहन क्षमता से अधिक सवारियां ढोते मिले। इन चारों वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि होली पर्व के दौरान बड़ी संख्या में लोग अन्य जनपदों और राज्यों से अपने घरों को लौटते हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा, 'यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग, बिना परमिट या अपूर्ण दस्तावेजों के साथ वाहन संचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सीज और चालान जैसी कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।' उन्होंने सभी वाहन स्वामियों और चालकों को निर्देशित किया कि वाहन की फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट और मार्गकर आदि सभी प्रपत्र अद्यतन रखें। निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। एआरटीओ ने आमजन से भी अपील की कि वे सुरक्षित और अधिकृत यात्री वाहनों से ही यात्रा करें तथा किसी भी परिस्थिति में माल वाहनों में यात्रा न करें। यदि कोई वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करता दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल परिवहन विभाग या पुलिस को दें। त्योहार के मद्देनज़र चलाए जा रहे इस अभियान से नियम तोड़ने वाले वाहन संचालकों में हड़कंप मचा रहा, जबकि जिम्मेदार परिवहन व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सक्रियता साफ नजर आई।

बरखेड़ा में बिना इस्टीमेट हटाया गया डबल पोल ट्रांसफार्मर, विभागीय प्रक्रिया पर उठे सवाल

- अधिकारियों को बिना सूचना कार्रवाई का आरोप, सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

बरखेड़ा। कस्बे के वार्ड नंबर नौ में लगभग बीस वर्षों से स्थापित डबल पोल डीपी पर रखा ट्रांसफार्मर हटाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि बिजली विभाग के जेई (टाउन) ने बिना इस्टीमेट तैयार किए और उच्च अधिकारियों को सूचना दिए बिना दिनदहाड़े ट्रांसफार्मर हटवा दिया। मोहल्ले के जागरूक नागरिकों का कहना है कि उक्त ट्रांसफार्मर वर्षों से क्षेत्र में आपूर्ति दे रहा था और एक मोबाइल टावर को भी बिजली सप्लाई करता था। ट्रांसफार्मर हटने के बाद से टावर की सेवा प्रभावित बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि हाल ही में नगर के विभिन्न मोहल्लों में नई विद्युत लाइन डाली जा रही थी, जिसे इसी ट्रांसफार्मर से जोड़ा गया था। आरोप यह भी है कि जिस स्थान पर ट्रांसफार्मर स्थापित था, उसके पास खाली प्लॉट पर निर्माण कार्य शुरू होने की प्रक्रिया चल रही थी। ऐसे में ट्रांसफार्मर निर्माण कार्य में बाधा बन रहा था। मोहल्ले के कुछ लोगों का दावा है कि निजी लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आर्थिक साठगांठ कर ट्रांसफार्मर हटवाया गया। इस मामले से जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे कस्बे में चर्चा का माहौल बना हुआ है। सूत्रों के हवाले से एक और गंभीर आरोप सामने आया है कि बरखेड़ा बिजलीघर में खराब पड़ी मशीनरी से निकाले गए तांबे (कॉपर) को पीलीभीत ले जाकर जमा करने के नाम पर अनियमितता की गई। आरोप है कि बड़ी मात्रा में कॉपर को कथित रूप से निजी स्तर पर बेच दिया गया और नाममात्र सामग्री ही विभाग में जमा कराई गई। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आ सका है। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह मामला विभागीय प्रक्रिया और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। स्थानीय नागरिकों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है, ताकि तथ्य स्पष्ट हो सकें और जिम्मेदारी तय की जा सके।

लखनऊ से लौटते ही सक्रिय हुए हेमराज वर्मा: संगठन को नई धार देने की रणनीति पर तेज हुआ मंथन

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

राजनीतिक हलकों में उस समय हलचल तेज हो गई जब लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर लौटे पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने जनपद में संगठनात्मक सक्रियता बढ़ा दी। राष्ट्रीय नेतृत्व से सीधा संवाद स्थापित करने के बाद उनका पूरनपुर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से संवाद करना कई राजनीतिक संकेत छोड़ गया है। पूरनपुर में आयोजित बैठक में जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष नोमान अली वारसी सहित अन्य पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री से विस्तार से चर्चा की। बैठक औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगठन की वर्तमान स्थिति, जमीनी मुद्दों, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व से मुलाकात के तुरंत बाद जिला स्तर पर सक्रियता बढ़ाना यह संकेत देता है कि संगठन को बूथ स्तर तक पुनर्संगठित करने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। शीर्ष नेतृत्व का संदेश सीधे कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति पर जोर दिया गया। बैठक में समाजवादी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने, युवाओं और नए मतदाताओं को जोड़ने तथा जनसंपर्क अभियानों को तेज करने पर विशेष चर्चा हुई। सामाजिक न्याय, किसान और रोजगार जैसे मुद्दों पर मुखर भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि यह सक्रियता आगामी राजनीतिक समीकरणों की तैयारी का संकेत हो सकती है। जिस प्रकार राष्ट्रीय स्तर की मुलाकात के बाद स्थानीय स्तर पर सिलसिलेवार बैठकें शुरू हुई हैं, उससे स्पष्ट है कि रणनीति केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि व्यावहारिक धरातल पर लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पूरनपुर की यह बैठक सामान्य राजनीतिक कार्यक्रम नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे संगठनात्मक पुनर्सक्रियता और नेतृत्व को नई ऊर्जा देने की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले समय में जनपद की राजनीति में इसके प्रभाव दिखाई देने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत को मिला नया नेतृत्व

- नवमनोनीत जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने हवन-पूजन के साथ संभाली कमान
- 'कार्यकर्ताओं का सम्मान और बूथ सशक्तिकरण होगी प्राथमिकता '

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के तहत भारतीय जनता पार्टी ने गोकुल प्रसाद मौर्य को पीलीभीत का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। शुक्रवार को उन्होंने पार्टी कार्यालय पहुंचकर विधि-विधान से हवन-पूजन एवं अर्चना के साथ औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान कार्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। नवमनोनीत जिलाध्यक्ष के स्वागत में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यालय में आयोजित बैठक में संगठन की वर्तमान संरचना, बूथ स्तर की सक्रियता, सदस्यता अभियान, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और जनसमस्याओं के समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बूथ समितियों के पुनर्गठन, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की सक्रिय भागीदारी, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान को गति देने पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि चुनावी सफलता की आधारशिला संगठन की मजबूती है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भागीदारी और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा। गोकुल प्रसाद मौर्य ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे वे पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने आपसी समन्वय, अनुशासन और निरंतर सक्रियता बनाए रखने का आह्वान किया। उनका स्पष्ट संदेश था कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर 2027 के चुनावी लक्ष्य को साधा जाएगा।

संजीव प्रताप सिंह की विदाई, नई ऊर्जा का संचार

करीब छह वर्षों तक जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले संजीव प्रताप सिंह के कार्यकाल के बाद अब नेतृत्व परिवर्तन पर विराम लग गया है। लंबे समय से चल रही अटकलों के बीच पार्टी हाईकमान ने गोकुल प्रसाद मौर्य को कमान सौंपकर नई रणनीति का संकेत दिया है। नगर पालिका परिषद पीलीभीत के सदस्य के रूप में सक्रिय रहे मौर्य को सौम्य स्वभाव और जमीनी कार्यशैली के लिए जाना जाता है। विभिन्न बिरादरियों में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है, जिससे संगठनात्मक समीकरणों को नया संतुलन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया और विश्वास व्यक्त किया कि नए नेतृत्व में पार्टी जनपद में और अधिक सुदृढ़ होगी। अब राजनीतिक हलकों में चर्चा इस बात की है कि आगामी 2027 के चुनावी परिदृश्य में यह बदलाव कितना प्रभावी साबित होता है। फिलहाल भाजपा खेमे में उत्साह और नई ऊर्जा का माहौल स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में गूंजा सांस्कृतिक एकता का स्वर

- कवि सम्मेलन और लोक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, जिलाधिकारी बोले सभ्यता व संस्कृति का संगम है यह आयोजन

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गांधी प्रेक्षागृह परिसर में आयोजित भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव ने भारत और नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत को सजीव रूप में मंच पर उतार दिया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ, जिसमें जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, नगर मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर तथा महोत्सव के नोडल अधिकारी अतुल द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत कवि सम्मेलन से हुई, जिसमें दोनों देशों की सांस्कृतिक निकटता और सामाजिक सरोकारों की अभिव्यक्ति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। बाराबंकी से आए शिव कुमार व्यास, पश्चिम बंगाल के श्यामल मजूमदार, रायबरेली के नीरज पाण्डेय व उत्कर्ष उत्तम, पीलीभीत की सरोज सरगवान, लखनऊ से प्रख्यात मिश्रा, प्रमोद द्विवेदी और अशोक अग्निहोत्री ने राष्ट्र, संस्कृति और मानवीय मूल्यों पर आधारित रचनाओं से समां बांध दिया। कवियों की ओजपूर्ण प्रस्तुतियों से पूरा पंडाल तालियों की गूंज से भर उठा।जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सभ्यता और संस्कृति का संगम है। ऐसे आयोजन लोगों को एक-दूसरे की परंपराओं और जीवन शैली से परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। भारत और नेपाल के बीच प्राचीन काल से चली आ रही आत्मीयता और मित्रता ऐसे आयोजनों से और मजबूत होगी। नेपाल को भारत से पृथक सोच पाना संभव नहीं है, दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक और भावनात्मक रूप से गहरे जुड़े हैं। कवि सम्मेलन के उपरांत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने महोत्सव को और भव्य बना दिया। सरिता मिश्रा के लोक गायन, शशांक ऋषि शंखधर एवं दल के नुक्कड़ नाटक, शिव नारायण के राजस्थान के पारंपरिक चकरी नृत्य, नेपाली कलाकारों के लोक नृत्य, अंजू रानी के लोक गीत, कृष्ण प्रसाद त्रिवेदी के भजन, श्याम जीत सिंह के लोक गायन और संदीप सिंह व दल के थारू नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों में भारत और नेपाल की साझा लोक परंपराओं, जनजातीय कला रूपों और सांस्कृतिक विविधता की सशक्त झलक देखने को मिली। महोत्सव के नोडल अधिकारी अतुल द्विवेदी ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद को सुदृढ़ करना है। नेपाल सीमा से सटे आठ जिलों में यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है, जिसका समापन 28 फरवरी को पीलीभीत में होगा। देश के विभिन्न जनपदों से आए कलाकार अपनी कला के माध्यम से दोनों देशों की साझा विरासत को मंच पर साकार कर रहे हैं। महोत्सव में साहित्य प्रेमियों, कला साधकों और स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम ने भारत-नेपाल की मैत्री को सांस्कृतिक रंगों में रंगते हुए आपसी संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान की।

रिजर्व पुलिस लाइन में अनुशासन का प्रदर्शन: एसपी ने ली साप्ताहिक परेड की सलामी, पीआरवी और शाखाओं का गहन निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद की कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने की दिशा में शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड अनुशासन और तत्परता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आई। पुलिस अधीक्षक ने स्वयं परेड की सलामी लेकर जवानों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की क्षमता का बारीकी से परीक्षण किया। परेड के दौरान जवानों ने सुसंगठित मार्च पास्ट किया और शस्त्र ड्रिल का प्रदर्शन किया। कदमताल की सटीकता और कमांड पर त्वरित प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट किया कि बल नियमित अभ्यास के माध्यम से अपनी पेशेवर क्षमता को निरंतर निखार रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की साप्ताहिक परेड केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बल की मानसिक और शारीरिक तैयारी को परखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। परेड उपरांत पुलिस अधीक्षक ने यूपी-112 की पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) गाड़ियों का निरीक्षण किया। वाहनों की तकनीकी स्थिति, वायरलेस संचार व्यवस्था, सायरन प्रणाली और अन्य उपकरणों की कार्यक्षमता को जांचा गया। चालकों से संवाद कर संभावित तकनीकी समस्याओं की जानकारी ली गई और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से पीआरवी वाहनों में उपलब्ध जीवन रक्षक उपकरणों—प्राथमिक उपचार किट, स्ट्रेचर, अग्निशमन यंत्र आदि—की उपलब्धता और उपयोगिता पर बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि आपात स्थिति में मौके पर पहुंचने वाली पहली इकाई के रूप में पीआरवी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए प्रत्येक वाहन पूरी तरह सुसज्जित और तकनीकी रूप से सक्षम होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान शस्त्रों के रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया। जवानों को नियमित साफ-सफाई, सुरक्षित भंडारण और समय-समय पर तकनीकी जांच के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में शस्त्रों की कार्यक्षमता में कमी न आए। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर स्थित विभिन्न शाखाओं—कार्यालय, अभिलेखागार, शस्त्रागार और आवासीय परिसर—का निरीक्षण किया। अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, साफ-सफाई और प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा की गई। प्रतिसार निरीक्षक को परिसर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। पूरे कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल में अनुशासन और सजगता का माहौल स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। अधिकारियों ने दोहराया कि नियमित निरीक्षण और परेड का उद्देश्य केवल अनुशासन बनाए रखना नहीं, बल्कि जनसेवा की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाना है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

सुरक्षा, स्वच्छता और बंदियों की सुविधाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

जन एक्सप्रेस । उरई

जनपद में कानून व्यवस्था एवं कारागार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों के रहन-सहन, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच व्यवस्था तथा मुलाकात कक्ष की व्यवस्थाओं का विशेष रूप से जायजा लिया गया। अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को निर्देशित किया कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमित तलाशी अभियान चलाकर संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। बैरकों में सघन तलाशी अभियान भी चलाया गया। तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री प्राप्त नहीं हुई। भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित जांच अभियान जारी रखे जाएं। जिलाधिकारी ने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही भोजन व्यवस्था की गुणवत्ता की जानकारी ली तथा रसोईघर का निरीक्षण कर स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराए जाएं और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा कर्मियों को सतर्कता बरतने, ड्यूटी रजिस्टर अद्यतन रखने तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कारागार की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था जनपद की कानून व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक नीरज देव सहित संबंधित अधिकारी एवं कारागार प्रशासन के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडप विसर्जन के दौरान यमुना में डूबकर लापता हुई इकलौती मासूम पुत्री

उरई। कुठौंद क्षेत्र के भदेख दिवारा गांव में शादी का मंडप विसर्जन के दौरान यमुना में डूबकर इकलौती मासूम पुत्री लापता हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से उसकी खोजबीन शुरू करवा दी। लेकिन समाचार लिखी जाने तक उसका कोई पता नहीं चल सका। कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम भदेख दिवारा निवासी गया प्रसाद की 11 वर्षीय पुत्री गीता शुक्रवार दोपहर परिजनों के साथ यमुना नदी में शादी का मंडप विसर्जन करने गई थी। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से वह नदी में डूबकर लापता हो गई। बेटी के आंखों से ओझल होते ही परिवार में कोहराम मच गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय नावों और गोताखोरों की मदद से यमुना की लहरों में मासूम की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा कि गीता अपने तीन भाइयों के बीच माता-पिता की इकलौती और बेहद लाडली बेटी थी। मंडप विसर्जन की रस्म के दौरान हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक बच्ची का कोई सुराग नहीं मिल सका था। मौके पर पुलिस टीम स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी कर रही है।

होली व रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न, आपसी सौहार्द ही जनपद की सबसे बड़ी ताकत

जन एक्सप्रेस । उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं एसपी डॉ दुर्गेश कुमार ने आगामी त्यौहार होली एवं रमजान को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से संवाद स्थापित करते हुए प्रशासन ने उनके सुझावों को गंभीरता से सुना और आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में आश्वस्त किया। जिलाधिकारी ने कहा कि होली और रमजान दोनों ही पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। जनपद की गंगा-जमुनी तहजीब को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क प्रकाश व्यवस्था तथा आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता समय से सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि जनपद में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील स्थलों की पहचान कर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, मिश्रित गश्त, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग तथा अफवाहों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उपस्थित नागरिकों ने भी प्रशासन के साथ सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि त्योहारों को परंपरागत उत्साह के साथ, परंतु आपसी सम्मान और मर्यादा के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक योगेंद सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, सम्भ्रांत नागरिक आदि मौजूद रहे।

नदी में डूबे दोस्तों को बचाने के प्रयास में गई किशोर की जान, शव बरामद

जन एक्सप्रेस । उरई

कुठौंद क्षेत्र के पारेन में नहाते समय नदी में डूब रहे तीन दोस्तों को बचाने के प्रयास में पानी के तेज बहाव के चलते किशोर डूब कर लापता हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद 2 किलोमीटर दूर किशोर का शव बरामद कर लिया। कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम पारेन निवासी राजू दोहरे का 17 वर्षीय पुत्र कुलदीप गांव से नदी किनारे सब्जी की फसल में पानी लगाने जा रहा था। इसी दौरान औरैया जिले के ग्राम सहाल इटहा निवासी 15 वर्षीय सत्यम दोहरे, 16 वर्ष शिवम पुत्र अरविंद,15 वर्ष शीलू पुत्र रामपाल दुबे गांव में ही एक शादी समारोह में आए थे वह भी उसके साथ नदी किनारे चले गए। बताया गया कि दोपहर बाद सत्यम, शिवम व शीलू नदी में नहाने उतरे तो वह गहराई में जाने से डूबने लगे। उनके चिल्लाने पर कुलदीप उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदा और तीनों को किसी तरह किनारे लाया। बताया कि कुलदीप अच्छा तैराक था लेकिन नदी का बहाव तेज होने के कारण वह संभल नहीं सका और वह डूबकर लापता हो गया। घटना से गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों भीड़ मौके पर पहुंच गई। जिन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शुक्रवार की सुबह एसडीआरएफ की टीम ने घटनास्थल से करीब दो किमी दूर किशोर का शव बरामद कर लिया।

डीएम ने औचक निरीक्षण कर जाना सड़क निर्माण का हाल

जन एक्सप्रेस । उरई

डामरीकरण कार्य में अनियमितता पर नगर पालिका की सड़क उखाड़कर मानक के अनुरूप दुबारा बीसीसी के द्वारा सड़क निर्माण के निर्देश दिए है। साथ ही 10 मार्च तक दुबारा सड़क निर्माण मानक के अनुरूप न करने पर दोषी अधिकारियों एवं ठेकदार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके कठोर कार्यवाही होगी, एवं ब्लैकलिस्टिंग और भुगतान शून्य करने की कार्यवाही के निर्देश दिए। जनपद में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत उरई रेलवे स्टेशन से बेरी वाले बाबा मजार होते हुए राठ रोड ओवर ब्रिज के नीचे तक सड़क का डामरीकरण, सुशील नगर, दयानंद वैदिक कॉलेज के समीप नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में दयानंद वैदिक कॉलेज के समीप नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य में मानक के विरुद्ध कार्य पाए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित नगर पालिका और विभागीय अधिकारी को सड़क का पुनः निर्माण कराने के निर्देश दिए। जांच में पाया गया कि सड़क निर्माण में निर्धारित बीसी (बिटुमिनस कंक्रीट) की मानक मात्रा का प्रयोग नहीं किया गया। इसके स्थान पर पीसी सामग्री का उपयोग किए जाने से भारी वाहन चलने सड़क की गुणवत्ता प्रभावित होने तथा अल्प समय में उसके क्षतिग्रस्त होने की आशंका व्यक्त की गई। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए डीएम ने निर्देश दिए कि कार्य को तत्काल मानक के अनुरूप दोबारा कराया जाए।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । उरई

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मुख्यालय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस प्रथम एवं द्वितीय का प्रस्तावित मासिक स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण तथा ईवीएम लॉग-बुक का गहन अवलोकन कर आवश्यक टिप्पणियां अंकित कीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा एवं पारदर्शिता में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष में स्थापित सीसीटीवी मॉनीटरिंग सिस्टम का भी अवलोकन किया। उन्होंने वेयरहाउस की 24×7 निगरानी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पूर्णतः चाक-चौबंद रहनी चाहिए। इसके साथ ही विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत प्राप्त हो रही शिकायतों की समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन कार्यालय में स्थापित डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर कक्ष एवं एसआईआर हेतु बनाए गए हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया गया।

हरदोई में 16.42 करोड़ रुपये के जीएसटी फर्जीवाड़े में वांछित तीन अभियुक्त गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । हरदोई

कोतवाली शहर पुलिस ने करोड़ों रुपये के जीएसटी फर्जीवाड़े के मामले में वांछित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया ।गिरफ्तार अभियुक्तो के कब्जे से दो अदद लैपटॉप व तीन मोबाइल भी बरामद किये गए। यह कार्रवाई मु0अ0सं0 445/25 धारा 316(5)/338/336(3)/340(2)/61(2) बीएनएस के तहत दर्ज अभियोग में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 24 जून 2025 को वादी श्री रविन्द्र कुमार, उपयुक्त राज्य कर खंड-01, कोतवाली शहर जनपद हरदोई द्वारा थाना कोतवाली शहर पर तहरीर दी गई थी कि सर्व अली इंटर प्राइजेज , पता राधेय श्याम अननेम्ड रोड, कंट्री लिकर सोप, आशा नगर असेउली, कोतवाली शहर, हरदोई द्वारा लगभग 16.42 करोड़ रुपये की धनराशि अन्य राज्यों की कंपनी/फर्म को हस्तांतरित की गई। इस संबंध में थाना कोतवाली शहर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया तथा विवेचना के दौरान उपरोक्त धाराओं की वृद्धि की गई।विवेचना के क्रम में प्रकाश में आए तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में योगेन्द्र सिंह फर्त्याल पुत्र नन्दन सिंह निवासी ई-190 ईस्ट विनोद नगर थाना कल्याणवास जनपद ईस्ट दिल्ली, निशांत दर्शन पुत्र नवीन दर्शन निवासी ए-11 हरिनगर नई दिल्ली तथा हिमांशु कुमार पुत्र हरेंद्र सिंह निवासी 7/37 सेकेंड फ्लोर थाना राजौरी गार्डन दिल्ली शामिल हैं। पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्तों के पास से दो अदद लैपटॉप एवं तीन अदद मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक शिवगोपाल, उपनिरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल संजय शर्मा, कांस्टेबल अनुराग यादव एवं कांस्टेबल प्रदीप चौधरी थाना कोतवाली शहर जनपद हरदोई शामिल रहे।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला ट्रैक्टर चालक, इलाके में हड़कंप

जन एक्सप्रेस/सांडी। सांडी थाना क्षेत्र के मानीमऊ गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ट्रैक्टर चालक का शव घर के बाहर खेत में खड़े नीम के पेड़ से गमछे के सहारे लटकता हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार मानीमऊ गांव निवासी नकुल पुत्र झामलाल ने घर के पास खेत में नीम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह शव लटकता देख ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बड़े भाई सूर्य ने बताया कि नकुल ट्रैक्टर चालक था और शराब पीने का आदी था। वह चार भाइयों और तीन बहनों में तीसरे नंबर पर था।मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक अंकुर शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शांति व सौहार्द पूर्ण तरीके से मनाएं होली त्योहार : वीरेंद्र पंकज

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई।शुक्रवार की शाम त्योहारों के मद्देनजर हरपालपुर कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र पंकज की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।जिसमें उपस्थित ग्राम प्रधानो व तथा गणमान्य नागरिकों से आपसी भाईचारे के साथ शांति व सौहार्दपूर्ण तरीके से होली त्योहार मनाए जाने की अपील की गई।

शुक्रवार की शाम कोतवाली परिसर में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र पंकज ने उपस्थित ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिकों से आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे व सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की।उन्होंने लोगो से होली त्योहार पर ग्रामीण क्षेत्रों में हुड़दंग मचाने व अराजकता फैलाने बालो को चिन्हित कर सूचना देने को भी कहा।उन्होंने लोगो से त्योहार में होने बाली अन्य छोटी बड़ी समस्याओं के बारे में भी जानकारी मांगी।प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि होली पर हुड़दंगियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की जाएगी इसलिए सभी लोग परम्परागत तरीके से आपसी भाईचारे व शांतिपूर्ण त्योहार मनाएं।बैठक में डीजे संचालको को भी सख्त हिदायत देते हुए नोटिस दी गयी कि वह होली त्योहार पर डीजे न बजाएं,एसएचओ ने कहा कि अगर बिना अनुमति डीजे बजता है तो डीजे जब्त कर कड़ी कार्यवाई की जाएगी।इस मौके पर क्षेत्र के ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यों के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक व पत्रकार मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने युवक को तमंचे सहित पकड़कर पुलिस को सौंपा

जन एक्सप्रेस/शाहाबाद। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेगमपुरवा में ग्रामीणों ने एक युवक को तमंचे के साथ पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए युवक का साथी मौका पाकर भागने में सफल रहा। पुलिस ने गिरफ्तार युवक और उसके फरार साथी पर शस्त्र अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर युवक को जेल भेज दिया है। बेगमपुरवा निवासी गुरुदेव रैदास पुत्र विश्राम के अनुसार 24/25 फरवरी की रात वह अपने घर पर था। तभी उसके परिचित शाहजहांपुर जनपद के सेहरामऊ थाना के ग्राम डीगूर पुर निवासी दीपांकर पुत्र बद्रीप्रसाद अपने साथ कोतवाली शाहाबाद के ग्राम हुसैनापुर निवासी आशुतोष प्रजापति पुत्र गुरुवचन के साथ उसके दरवाजे नशे में आये और आपस में विवाद करने लगे। गांव निवासी संतोष पुत्र छूंन्नुलाल ने राजेश, श्यामू, और राहुल के साथ उन दोनों को घेर लिया। आशुतोष अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। ग्रामीणों ने दीपांकर के पास से एक तमंचा और एक कारतूस बरामद किया। ग्रामीणों ने उसे शाहाबाद पुलिस के सुपुर्द किया है। शाहाबाद कोतवाली प्रभारी अरविन्द कुमार राय ने बताया तमंचे सहित पकड़े गए युवक और उसके फरार साथी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस वैधानिक कार्यवाही कर रही है।

होली के पर्व पर टोरेंट पावर ने चाक चौबंद की बिजली की व्यवस्थाएं

जन एक्सप्रेस । आगरा

- त्योहार पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति बहाल रखने के लिए अतिरिक्त टीम में गठित
- किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए विद्युत टीमें दिन-रात रहेगी सक्रिय

होली को त्यौहार को देखते हुए टोरेंट पावर की टीमें दिन-रात काम में जुटी हुई हैं। त्योहार पर निर्बाध बिजली आपूर्ति रहे किसी भी परिस्थिति में बिजली की आपूर्ति प्रभावित न हो पाए इसके लिए टोरेंट पावर की टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं। लाइनों की पेट्रोलिंग कर खुले हुए विद्युत तार जहां भी दिख रहे हैं, उन्हें दुरुस्त किया जा रहा है त्योहार पर टोरेंट पावर के वरिष्ठ अधिकारी लाइनों का निरीक्षण कर सभी जगह बिजली की व्यवस्था को बेहतर करने में जुटे हुए हैं। त्योहार पर कहीं किसी भी क्षेत्र में बिजली की समस्या ना आए इसके लिए अतिरिक्त टीमों को काम पर लगाया गया है।त्योहार पर कहीं किसी भी क्षेत्र में बिजली की समस्या ना आए इसके लिए अतिरिक्त टीमों को काम पर लगाया गया है। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए क्षेत्रवार टीमें गठित की गई हैं। बिजली की आपूर्ति हर समय बहाल रहे और विद्युत उपभोक्ताओं को कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। होली के त्योहार पर बिजली आपूर्ति को सुनिश्चित रखने के लिए पहले पहले से ही रणनीति तैयार कर काम किया जा रहा है।

दिन के उजाले में फलफूल रहा अवैध बालू खनन का कारोबार,जिम्मेदार बेखबर

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई।अरवल थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी से खनन माफिया लगातार अवैध बालू खनन को अंजाम दे रहे हैं।जबकि जिम्मेदार अबैध खनन के कारोबारियों पर पूरी तरह मेहरवान दिखाई दे रहे है।यहां रामगंगा नदी से अबैध रूप से बालू खनन कर समीपवर्ती जनपद कन्नौज तथा आस पास के इलाकों में बिक्री की जाती है।कई बार इसकी शिकायत भी ग्रामीणों द्वारा की गई लेकिन स्थानीय पुलिस अबैध खनन के कारोबारियों के पास परमीशन होने की बात कह कर मामले की अनदेखी कर देती है।जबकि रामगंगा नदी के किनारे सरकारी जमीन से लगातार अबैध बालू खनन को अंजाम दिया जा रहा है।बताया जा रहा है कि अबैध खनन कर 500 से लेकर ?700 में बालू की ट्राली की बिक्री की जा रही है।रामगंगा नदी के किनारे अरवल थाना क्षेत्र में चियासर,मंसूरपुर,उमरौली जैतपुर में अबैध रूप से बालू खनन को बेखौफ अंजाम दिया जा रहा है।

छेड़छाड़ करने वाले मनचलों को ग्रामीणों ने धुनाई कर पुलिस को सौंपा

न एक्सप्रेस/शाहाबाद। बेहटा गोकुल थाना के एक गांव में माँ के साथ खेत पर गयी किशोरी को छेड़ने वाले दो मनचलों को ग्रामीणों ने पकड़कर उनकी धुनाई की और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है। पीड़ित मां के अनुसार 25 फरवरी को वह अपनी 16 वर्षीय पुत्री के साथ खेत पर काम कर रही थी। तभी थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी अजय और अंकित ने उसकी पुत्री के साथ छेड़छाड़ की। पुत्री के शोर मचाने पर आसपास खेत में कार्य कर रहे ग्रामीणों ने दोनों को पकड़ लिया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

दूसरा विवाह करने पर पति सहित नौ लोगों पर केस दर्ज

जन एक्सप्रेस । शाहाबाद

कोतवाली शाहाबाद के ग्राम रामपुर हृदय नया गांव निवासी एक पीड़िता ने पति द्वारा बिना तलाक लिए दूसरा विवाह कर लेने पर केस दर्ज कराया है। यह कार्रवाई एसपी के निर्देश पर हुई है। पत्नी ने लिखित शिकायती पत्र देकर पति सहित नौ लोगों पर साजिश करने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। एसपी अशोक कुमार मीणा के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जाँच पड़ताल प्रारंभ कर दी है। पीड़िता जुबली पत्नी नरवीर के अनुसार उसका विवाह 14 मार्च 2015 को नरवीर पुत्र बाबूराम के साथ हुआ था।विवाह के बाद से उसका पति, ससुर, सास सुशीला देवी, जेठ वीर बहादुर, जेठानी रिंकी, ननद रेनू, नीलम,अंजली और पूजा ने उसका उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। उसका आठ वर्षीय पुत्र भी है। उसके द्वारा उत्पीड़न के कई वाद न्यायालय में विचाराधीन हैं। वह पुत्र के साथ मायके में रह रही है। पति ने विपक्षी गणों के साथ मिलकर 17 फरवरी को किसी महिला के साथ दूसरा विवाह कर लिया।सूचना पर वह पुत्र के साथ पति के घर गयी तो वहां विवाह समारोह चल रहा था। विरोध किया तो पति ने कुल्हाड़ी से उस पर हमला कर उसे घायल कर दिया। विपक्षी उसकी और पुत्र की सम्पत्ति के लालच में हत्या करना चाहता है। एसपी के आदेश पर पीड़िता की लिखित तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

बेटियों की शिक्षा व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, धनेवा धनेई का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा-कक्षों, छात्रावास, मेस, स्टाफ आवास सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेस निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने स्वयं भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता परखी तथा पैकेटबंद खाद्य सामग्री की एक्सपायरी डेट की जांच की। उन्होंने खाद्य पदार्थों की नियमित गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर में स्थापित पानी की टंकी की मरम्मत के लिए यूपी सिडको को निर्देशित किया गया। साथ ही परिसर में सीसी सड़क निर्माण एवं छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिगत पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में किचन गार्डेन विकसित करने तथा सहजन, कटहल, केला सहित अन्य पौष्टिक फलदार पौधों के रोपण पर जोर दिया, जिससे छात्राओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराया जा सके। कक्षा निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रमपूर्वक अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। समाज कल्याण अधिकारी को छात्राओं के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सर्वोदय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने जिला क्रीड़ा स्टेडियम स्थित बैडमिंटन कोर्ट का निरीक्षण कर कमियों को शीघ्र दूर करने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी विपिन कुमार यादव, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कुएं में हाथ-पैर बंधा मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

महोबा। थाना अजनर क्षेत्र के अरगरमऊ गांव में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं से बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कट्टू उर्फ माईयादीन (45 वर्ष) पुत्र अमान सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार 22 फरवरी 2026 को कट्टू के लापता होने पर उसके भाई जगत सिंह व भगवान दास ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुक्रवार 27 फरवरी को गांव के एक कुएं में उसका शव दिखाई देने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। बताया जा रहा है कि शव के हाथ-पैर बंधे हुए थे, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार का आरोप है कि किसी ने साजिश के तहत हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

ऑपरेशन कार-ओ-बार : रोडवेज चालकों की हुई जांच

ब्रेथ एनालाइजर से की गई जांच, यातायात नियमों के पालन करने का दिया संदेश

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीणा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यातायात प्रभारी अरुणेंद्र प्रताप सिंह अपनी टीम के साथ नगर एवं कस्बा क्षेत्रों में सक्रिय रहे। इस दौरान आमजन को यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता और सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बस स्टैंड परिसर में रोडवेज चालकों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। एआरएम रोडवेज की उपस्थिति में चालकों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी चालक शराब या अन्य मादक पदार्थों के प्रभाव में वाहन न चला रहा हो। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वाहन संचालन के दौरान किसी भी प्रकार का नशा पूर्णतः वर्जित है तथा सभी चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि सुरक्षित यातायात की संस्कृति विकसित करना है।

अभियान को आमजन का समर्थन भी मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे सड़क सुरक्षा की दिशा में एक सकारात्मक और आवश्यक कदम बताया। पुलिस ने अंत में संदेश दिया कि सुरक्षित यात्रा ही सुखद यात्रा है।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शुक्रवार को कुंडा थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वूमेन पावर लाइन, महिला हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पुलिस हेल्पलाइन व साइबर अपराध हेल्पलाइन समेत विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रमुख प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया। महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु आश्वस्त किया गया तथा थाना कुंडा पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क एवं मिशन शक्ति प्रभारी के सीयूजी नंबर की जानकारी साझा की गई, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल संपर्क किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।

अपनी जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

महोबा में अपनी जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा स्वामी प्रसाद मौर्य के निर्देशानुसार यूजीसी बिल 2026 को लागू किए जाने हेतु महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन राम सहाय राजपूत जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में करन सिंह लोधी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सी एल साहू मध्य प्रदेश प्रभारी तथा बिहारी लाल महान पूर्व बामसेफ अध्यक्ष के निर्देशन में लगभग 400 पदाधिकारी/ कार्यकर्ताओं के साथ आई टी आई कॉलेज महोबा से पैदल मार्च गगनभेदी नारों के साथ जिलाधिकारी महोबा कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन सौंपा गया।

इस कार्यक्रम में प्रताप सिंह नेता जराखर (बहुजन आंदोलन एवं बहुजन मूवमेंट के ब्रिगेडियर) बिहारी लाल कुशवाहा पनवाड़ी का विशेष मार्गदर्शन व संरक्षण प्राप्त हुआ अपनी जनता पार्टी के किसान जिलाध्यक्ष आशा राम कुशवाहा हरिचरण कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष मातादीन के सभी सक्रिय सदस्यों द्वारा गर्मजोशी के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

सन्दिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, तीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

कोहड़ौर थाना इलाके के धन्नीपुर गांव में बुधवार को सन्दिग्ध परिस्थितियों में हुई युवक की मौत के मामले में दुर्घटना और हत्या को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच आखिरकार पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। जिले के कोहड़ौर थाना इलाके के धन्नीपुर गांव निवासी राम चन्दर का 21 वर्षीय बेटा वीरेन्द्र गौतम बुधवार शाम छ बजे बारात जाने के लिए कहकर घर से निकला था। देर रात वह एक बाइक समेत गम्भीर रूप से घायल अवस्था में पूरेक्षमा पुल के समीप मिला। जहां पर एम्बुलेंस के जरिये उसे सीएचसी कोहड़ौर लाया गया। सीएचसी में उसकी हालत गम्भीर देख डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया और जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजन बाइक स्वामी के साथ ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। वहीं बुरी तरह क्षतिग्रस्त बाइक को देखते हुए इलाके में चर्चा है कि युवक तेज रफ्तार से बाइक समेत विद्युत पोल में टकराया होगा जिससे उसकी मौत हुई होगी। वहीं परिजनों का कहना है कि मृतक बाइक चलाना ही नहीं जानता था। जबकि पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में युवक बाइक चलाते हुए दिखा है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस से शव आने के बाद परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा लिखे जाने तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। मौके पर सीओ सिटी शिवनारायण वैस भी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। मृतक के घर बसपा जिलाध्यक्ष व भीम आर्मी के लोग भी पहुंच गए। इस दौरान सीओ व ग्रामीणों में तीखी नोंक झोंक भी हुई। अंत में पुलिस के साथ परिजनों ने सीसीटीवी फुटेज भी जाकर देखा। काफी देर तक हुए हंगामे और गहमागहमी के बाद अंत में पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर शुक्रवार शाम मक्खन विश्वकर्मा, उमाशंकर उर्फ बाबा व अखिलेश शुक्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। जिसके बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने को तैयार हुए। सीओ सिटी शिवनारायण ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस लाइन में एसपी दीपक भूकर ने ली साप्ताहिक परेड की सलामी, दिया निर्देश

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली। शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल अभ्यास करवाया गया। परेड में पुलिस लाइन व विभिन्न कार्यालयों में नियुक्त समस्त पुलिसकर्मी सम्मिलित हुए। परेड में शामिल समस्त पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी एवं स्वच्छ वर्दी धारण करने तथा नियमानुसार टर्नआउट मेंटेन करने के लिए निर्देशित किया गया। एसपी ने विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण करते हुए आदेश कक्ष में कर्मचारियों को उनके दायित्वों को समझाया गया। अभिलेखों का भी एसपी ने निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को अनुशासन, वर्दी की शुद्धता, शारीरिक दक्षता एवं समय की पाबंदी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रशिक्षण अवधि को आत्मविकास का सर्वोत्तम अवसर बताते हुए पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, व्यवहार-कुशलता एवं जनता के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने कंट्रोल रूम एवं 112 आपातकालीन सेवा कार्यालय का निरीक्षण कर कर्मियों की कार्यप्रणाली, अभिलेखीय व्यवस्था एवं प्रतिक्रिया तत्परता का अवलोकन किया गया। एसपी द्वारा निरंतर सतर्कता एवं त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर सीओ सिटी शिवनारायण वैस, प्रशिक्षु आईपीएस मो. आफताब आलम एवं प्रतिसार निरीक्षक राजीव कुमार राय उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ बार एसोसिएशन द्वारा कलम बंद हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

महोबा। कुलपहाड़ तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ बार एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे कलम बंद हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। शुक्रवार के दिन सैकड़ों वकीलों ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव व महामंत्री बृजेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में तहसील परिसर में घूम घूम कर भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद बार भवन में एक आवश्यक बैठक आयोजित कर समस्त वकीलों ने अपने अपने विचार रखे। इस दौरान सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि जब तक तहसील के समस्त राजस्व कार्यालय में लगाए गए प्राइवेट बाहरी लड़कों को नहीं हटाया जाता है, तब तक हमारी हड़ताल जारी रहेगी।

? इस सम्बन्ध में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव व महामंत्री बृजेंद्र द्विवेदी ने बताया कि बार एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल कल महोबा जाकर जिलाधिकारी से भेंट करेगा।

मिशन शक्ति अभियान के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित सई कॉम्प्लेक्स में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय द्वारा मिशन शक्ति अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त मिशन शक्ति टीम प्रभारियों, महिला हेल्प डेस्क कर्मियों एवं संबंधित पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। एएसपी पश्चिम द्वारा निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में व्यापक रूप से जागरूक किया जाए। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों, कॉलेजों, बाजारों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, नए आपराधिक कानूनों एवं महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्रदान की जाए। प्राप्त शिकायतों का त्वरित, संवेदनशील एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक थाने पर महिला सहायता डेस्क को और अधिक सक्रिय रखने के भी निर्देश दिए गए।

दो दिन के भीतर ठीक होगी लीकेज पाइपलाइन : एडीएम नमामि गंगे

जन एक्सप्रेस । महोबा

अजनर से धवर्रा की ओर जाने वाली नमामि गंगे योजना की मुख्य पाइपलाइन में लंबे समय से लीकेज की समस्या बनी हुई है। यह पाइपलाइन अजनर बस स्टैंड स्थित वन रेंज कार्यालय के सामने से होकर गुजरती है, जहां से धवर्रा की ओर सप्लाई जाती है। लगातार रिसाव के चलते पानी की बर्बादी हो रही है और सड़क पर जलभराव की स्थिति बनती रहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन लगभग एक वर्ष बीतने के बाद भी स्थायी समाधान नहीं हो सका। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे लोगों में नाराजगी है।

इस मामले में नमामि गंगे के एडीएम मुईन इस्लाम से बातचीत की गई। उन्होंने आश्वासन दिया कि लीकेज की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं और दो दिन के भीतर पाइपलाइन को ठीक करा दिया जाएगा।

ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई कर लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा, ताकि पानी की बर्बादी रुके और आमजन को राहत मिल सके।

ग्राम चौपाल में चकबन्दी प्रक्रिया पर किसानों ने जताया संतोष

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

चकबन्दी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशों के क्रम में 26 फरवरी को तहसील लालगंज के ग्राम पूरे निर्मलगिरधर में ग्राम चौपाल का सफल आयोजन किया गया। चौपाल में चकबन्दी प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा किसानों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। चौपाल में चकबन्दी अधिकारी लालगंज अविनाश कुमार पाण्डेय, सहायक चकबन्दी अधिकारी रेहुआ लालगंज आनन्द कुमार, चकबन्दीकर्ता श्रीधर यादव, चकबन्दी लेखपाल सुनील कुमार चौहान, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम में उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 की धारा-23 का प्रकाशन 19 फरवरी 2026 को किया जा चुका है। इससे पूर्व धारा-20 की कार्यवाही 22 जनवरी 2026 को पूर्ण की गई थी तथा 26 सितंबर 2025 को 22 सेक्टरों का निर्माण करते हुए प्रारंभिक चकबन्दी योजना तैयार की जा चुकी है। ग्राम चौपाल में उपस्थित किसानों ने धारा-7, 8, 9, 10, 20 एवं 23 के अंतर्गत अब तक की गई कार्यवाहियों पर संतोष व्यक्त किया और आगे की प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। चौपाल के दौरान उपस्थित लवकेश यादव द्वारा चक संख्या-34अ से संबंधित मृतक खातेदारी के वरासत प्रकरण में आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर सहायक चकबन्दी अधिकारी को धारा-12 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। संतोष कुमार मिश्रा द्वारा अपनी पत्नी के साथ जोड़ने के सम्बन्ध में अवगत कराया इस सम्बन्ध में आपत्ति के अंतर्गत चकबन्दी अधिकारी लालगंज के न्यायालय में विचाराधीन बताई गई। उपस्थित चकबन्दी अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उनके न्यायालय में 4 अन्य कालबाधित चक आपत्तियां विचाराधीन है जिसके अतिशीघ्र निस्तारण हेतु ग्राम में ही 'ग्राम अदालत' का आयोजन कर विचाराधीन आपत्तियां निस्तारित किये जाने हेतु चकबन्दी अधिकारी अविनाश कुमार पाण्डेय को निर्देशित किया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियमित बैठकें आयोजित कर किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें तथा धारा-24 के प्रकाशन की कार्ययोजना तैयार करते हुए 15 अप्रैल 2026 से चकों का सीमांकन एवं कब्जा परिवर्तन सुनिश्चित कराएं। कार्य में पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। चौपाल के उपरांत ग्राम पूरेरूप तहसील लालगंज के कृषकों को जोत चकबन्दी आकार पत्र-45 के उद्धरण भी वितरित किए गए। अंत में उपस्थित सभी कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ग्राम चौपाल की कार्यवाही संपन्न की गई।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में लोकतंत्र का शंखनाद

■ कुलपति का निर्देश: सभी महाविद्यालयों में सक्रिय हों मतदाता साक्षरता क्लब, 18 वर्ष पूर्ण छात्र कराएं नामांकन

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर,वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में शुक्रवार को मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने की। बैठक में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी राजकीय, अशासकीय एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब को सक्रिय रूप से संचालित करने तथा पात्र छात्र-छात्राओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुआ।

लोकतंत्र की रीढ़ हैं मतदाता: कुलपति

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उपस्थित प्राचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता क्लब का गठन कर उसे प्रभावी रूप से संचालित किया जाए। उन्होंने कहा मतदान और मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ हैं। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह आवश्यक है कि सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और वे आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान करें।

युवाओं को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ने का अभियान

मुख्य वक्ता एवं जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर सै० मो० मुस्तफा ने ईएलसी की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि क्लब का उद्देश्य युवाओं को उनके चुनावी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा पंजीकरण व मतदान की प्रक्रिया से परिचित कराना है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक कक्षा में कैंपस एंबेसडर नियुक्त किए जाएं प्रत्येक कॉलेज से एक स्वीप नोडल अधिकारी नामित किया जाए। एक छात्र व एक छात्रा को कैंपस एंबेसडर बनाकर सूची विश्वविद्यालय को भेजी जाए। जो छात्र-छात्राएं 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे प्रारूप-6 के माध्यम से अपना नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज कराएं। आवेदन संबंधित बीएलओ को या ECINET ऐप के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। सभी महाविद्यालयों में मतदाता हेल्प डेस्क की स्थापना की जाए।

मतदाता शपथ के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम की रूपरेखा नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार मौर्य ने प्रस्तुत की तथा अंत में आभार ज्ञापित किया। कुलपति ने उपस्थित सभी प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को मतदाता शपथ दिलाई। मंच संचालन उत्कर्ष त्रिपाठी एवं श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी लाल बहादुर, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. रशिकेश सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

डायट में दो बैचों का प्रशिक्षण सम्पन्न, 105 को मिले प्रमाणपत्र

■ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक युगांतरकारी कदम: संजय शुक्ल

जन एक्सप्रेस । बस्ती

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण के अंतर्गत दो बैचों में शिक्षक, एआरपी, डायट मेंटर और बीईओ सहित कुल 180 लोग प्रशिक्षित किए गए। शुक्रवार को दूसरे बैच में 105 प्रतिभागियों को डायट प्राचार्य द्वारा प्रमाणपत्र वितरित करके प्रशिक्षण का समापन किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल परख का सामान्य प्रसार मात्र नहीं है, बल्कि यह देश की शैक्षिक गुणवत्ता को मापने के लिए आयोजित होने वाला एक वृहद और वैज्ञानिक राष्ट्रीय सर्वेक्षण है। कहा कि परख सर्वेक्षण भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक युगांतरकारी कदम है। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी और सह नोडल प्रवक्ता शशि दर्शन त्रिपाठी ने श्परखश् सर्वेक्षण के परिचय, इसके ऐतिहासिक संदर्भ और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के साथ इसके अंतर्संबंधों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न सत्रों में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया और सर्वेक्षण को निष्पक्ष व सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द, वंदना चौधरी, ऋचा शुक्ला, अलाउद्दीन खान, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, नवनीत कुमार, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

किसी भी संगठन की रीढ़ उसके सदस्य होते हैं : संजय अस्थाना

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उ. प्र. की पूर्व निर्धारित बैठक कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार संघ भवन में जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए संजय अस्थाना ने कहा कि किसी भी संगठन में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि वह एक परिवार की तरह कार्य करता है। संगठन की मजबूती उसके सक्रिय और समर्पित सदस्यों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघ या संगठन की वास्तविक रीढ़ उसके सदस्य ही होते हैं, इसलिए सभी की सहभागिता और एकजुटता आवश्यक है। बैठक में संरक्षक मंडल के जय आनन्द, श्याम रतन श्रीवास्तव, मंडल पदाधिकारी प्रदीप पांडेय तथा दया शंकर निगम ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। महासचिव लक्ष्मी नारायण मौर्या, आशीष पांडेय एवं विवेक श्रीवास्तव के सहयोग से उपस्थित पदाधिकारियों को आई-कार्ड वितरित किए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 15 मार्च, रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन कर जिले भर के सदस्यों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही सभी सदस्यों का समूह बीमा कराने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर सदर तहसील अध्यक्ष देवेंद्र खरे, इकराम अंसारी, आबिश इमाम,सोनू मिश्रा, अवधेश तिवारी, सत्येंद्र पाण्डेय, विद्याधर राय विद्यार्थी, दीपक सिंह, रजनी सोनी, नेहा जयवंत, अखिलेश श्रीवास्तव बुद्धि प्रकाश तिवारी, बख्तियार आलम, गोरख सोनकर, दानिश इकबाल, तबरेज नियाजी, राजेश गुप्ता। राहुल, रोहित चौबे आदि पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित गौरेश्वर शिव मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा, कराया विशाल भंडारा

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

बिछिया। ब्लाक के गांव तारगांव मजरे गौरा गांव में नवनिर्मित गोरेश्वर शिव मंदिर में शुक्रवार को भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया। विधि-विधान से हवन-यज्ञ के उपरांत शिव परिवार सहित कई देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र लोधी , सुनीता देवी, विश्वनाथ व आलोक राजपूत के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

दबंगो ने दलित युवक को मारा पीटा, मुकदमा दर्ज कराने पर दे रहे हैं धमकी

जन एक्सप्रेस । बस्ती

दबंगों द्वारा दलित को मारने पीटने, मुकदमा दर्ज करा देने पर मुकदमा उठा लेने का दबाव बनाकर जान माल की धमकी देने का मामला सामने आया है। सरदार सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी बृजेश पटेल, भीम आर्मी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश सचान सहित अनेक संगठनों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र सी.आरओ. को देकर मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के परसा बोधी निवासी मंगेश्वर पुत्र ओम प्रकाश को न्याय दिलाने, दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई, गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के साथ ही परिवार के जान माल के रक्षा की मांग किया है। चेतावनी दिया कि यदि दबंगों के दबाव में न्याय न मिला तो आन्दोलन किया जायेगा। परसा बोधी निवासी मंगेश्वर के चाचा धर्मेन्द्र कुमार ने डीएम और एसपी को दिये पत्र में कहा है कि वह जाति का चमार है। 18 फरवरी को उसका भतीजा मंगेश्वर नगहरा चौराहा स्थित आदर्श मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गया था कि लगभग 7 बजे शाम को के अंश दूबे, विकास दूबे पुत्रगण अनिल दूवे व अनिल दूवे पुत्र बृज भूषण प्रताप दूबे ने उसे लाठी, डण्डा व सरिया से लैस होकर बुरी तरह से मारा पीटा। मंगेश्वर का सर कई जगहों फट गया काफी खून बहने लगा। लोगो के बीच बचाव करने से उसकी जान बची। घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने पर दिया गया। दंबंगो ने पुलिस को अपने साजिश में रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं होने दिया और सुलह करने हेतु दबाव बनाने लगे। काफी प्रयास करने पर दूसरे दिन पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2). 352, 351(3), बी0एन0एस0 व 3 (1) (द), 3(1) (ध). 3(2) (अं) एस0सी0एस0टी0 एक्ट में थाने में दर्ज की गयी जिससे अंश दूबे आदि काफी नाराज हो गये और सुलह करने हेतु दबाव बनाते हुये जान मार डालने की धमकिया देने लगे। सुलह से इंकार करने पर उक्त अभियुक्त अनिल दूबे ने क्रास केस बनाने की नीयत से उनके भतीजे मंगेश्वर सहित 20-25 अज्ञात लोगो के विरूद्ध एक मुकदमा धारा-191(2), 115(2), 131, 352, 531 (2) बी0एन0एस0 के तहत थाने में दर्ज करा दिया है। इससे उनका परिवार अनिल दूबे आदि के आतंक से भयभीत है और असुरक्षित महसूस कर रहा है। उक्त लोग उसके परिवार की हत्या कर व करवा सकते है। मांग किया कि प्रकरण में अंश दूबे, विकास दूबे पुत्रगण अनिल दूबे व अनिल दूबे पुत्र बृज भूषण प्रताप दूबे के विरूद्ध तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाय।

जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र सी.आरओ. को देने के दौरान मुख्य रूप से राम प्रकाश पटेल, बुद्धि प्रकाश एडवोकेट, तिलकराम गौतम, महिपाल पटेल एडवोकेट, अजय आजाद, मयंक चौरसिया, विनय चौधरी, ई. चन्द्रशेखर वर्मा, शिवशंकर चौधरी शाका, रामलौट, चन्द्रगुप्त मौर्य, संदीप निषाद,महेंद्र कुमार एडवोकेट, चांदनी गौतम, मूलचंद आजाद, आकाश पटेल, अनिल चौधरी देवरिया माफी, अशोक बौद्ध, अभिषेक चौधरी, राजा भैया, राम शंकर निराला, संदीप गोयल एडवोकेट, प्रशांत भारती एडवोकेट, रामचेत, अभय पटेल, रंजीत आजाद, विजय चौधरी, अतर सिंह गौतम, अरविंद, राहुल, हरिप्रसाद, बसंत चौधरी, राजा बाबू, सोहन, दीपक कुमार, अशोक प्रभात, विवेक ओबेरॉय, अंकुर गौतम, सुरेंद्र, पीके गौतम, रामबहोर, राजन कुमार, चन्द्र प्रकाश गौतम, आरके आनंद, शिवराम कनौजिया, सिद्धनाथ प्रजापति, अभिषेक चौधरी, वीरू चौधरी, रवि चौधरी, कल्लू, सुनील पटेल, अभय, सत्येंद्र चौधरी, अजीत यादव, सर्वेश, अनिरुद्ध चौधरी ,अंकुर पटेल, संतोष कुमार, शिव प्रताप वर्मा, डीके वर्मा, गौरीशंकर कनौजिया, अंकुर, राज नारायण, सोनू, रामसेवक बौद्ध, विजय, मंगल सिंह राव, अजय कुलश्रेष्ठ, शैलेंद्र चौधरी, अरुण राज, पवन कुमार आदि शामिल रहे।

शक्ति मोबाइल’ अभियान से महिलाओं को किया जा रहा जागरूक

■ सुरक्षा, साइबर अपराध व हेल्पलाइन नंबरों की दी जा रही जानकारी

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में विशेष अभियान शक्ति मोबाइल चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनपद में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उपलब्ध पुलिस संसाधनों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर बालिकाओं और महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर अपराध की स्थिति में पुलिस सहायता कैसे प्राप्त करें, इस संबंध में भी मार्गदर्शन किया जा रहा है। महिलाओं को विशेष हेल्पलाइन नंबरों के बारे में अवगत कराया जा रहा है, जहां वे किसी भी समस्या की शिकायत दर्ज करा सकती हैं। टीम द्वारा पोस्टर, ब्रोशर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी सुरक्षा और जागरूकता के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है, साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। जनपद पुलिस का मानना है कि जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है और इसी सोच के साथ शक्ति मोबाइल अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

खेतासराय थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

■ होली-ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट, स्ष्ठरूव नायब तहसीलदार ने शांति बनाए रखने की अपील

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर खेतासराय आगामी होली व ईद पर्व को सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को थाना खेतासराय परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों, नगर पंचायत खेतासराय के चेयरमैन, होली व ईद कमेटी के अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी (स्ष्ठरू) ने की, जबकि थाना प्रभारी निरीक्षक एवं समस्त थाना स्टाफ भी मौजूद रहा। इस दौरान नायब तहसीलदार ने भी सहभागिता करते हुए पर्वो के दौरान आपसी भाईचारे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। उपस्थित अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्वो के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। नगर पंचायत चेयरमैन व दोनों पर्व समितियों के अध्यक्षों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि खेतासराय की गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए सभी लोग मिलजुल कर त्योहार मनाएंगे। थानाध्यक्ष ने बताया कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में शांति, सौहार्द और आपसी सद्भाव के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया।

त्यौहार हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक: डीएम

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

त्यौहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता में पीस कमेटी एवं कानून व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहार हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, अतः सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाए तथा नियमित गश्त बढ़ाई जाए। भीड़भाड़ वाले बाजारों, प्रमुख चैराहों, धार्मिक स्थलों एवं जुलूस मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाए।जिलाधिकारी ने नगर निकायों को निर्देशित किया कि त्यौहारों से पूर्व साफ-सफाई अभियान चलाया जाए, कूड़ा उठान नियमित हो, नालियों की सफाई कराई जाए तथा पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखी जाए। विद्युत विभाग को निर्देश दिए गए कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा ढीले तारों एवं ट्रांसफार्मरों की जांच कर आवश्यक मरम्मत समय से कर लें। स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस एवं चिकित्सकीय टीमों को अलर्ट मोड में रखने तथा प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

टेट अनिवार्यता के विरुद्ध शिक्षकों ने बैठक कर बनाई संघर्ष की रणनीति

जन एक्सप्रेस । बस्ती

शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक कार्य समिति की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में परसुरामपुर बीआरसी पर सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा ने बताया कि टेट अनिवार्यता के विरुद्ध संघर्ष हेतु देश और प्रदेश के विभिन्न शैक्षिक संगठनों ने एक मंच पर आकर राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय संयुक्त टीचर्स फेडरेशन एआईयूटीएफआई का गठन किया है। नव गठित संयुक्त मोर्चे ने टेट अनिवार्यता के विरुद्ध अपना आंदोलन कार्यक्रम घोषित किया है। जिसके अनुसार आगामी 9 से 15 मार्च तक भारत की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ई मेल अथवा पोस्टकार्ड भेजा जायेगा। 13 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर मशाल जुलूस एवं 03 मई 2026 को इको पार्क लखनऊ में धरना करते हुए विधानसभा तक मार्च किया जाएगा। सभी साथी उक्त आंदोलन में सक्रियता से शामिल हों। संगठन के संयुक्त मंत्री विजय कनौजिया ने अपने संबोधन में कहा कि 04 मार्च 2026 को वर्तमान कार्यसमिति का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसलिए समय से कार्यकारिणी का पुनर्गठन आवश्यक है। बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने जिला कार्यकारिणी से अनुरोध पूर्वक प्रस्ताव किया कि शीघ्र ही ब्लॉक कार्यसमिति का निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से चुनाव कराते हुए कार्यकारिणी का पुनर्गठन करें जिससे संगठन द्वारा निर्धारित आगामी संघर्षों में ब्लॉक की मजबूत भागीदारी हो सके। उपाध्यक्ष पंच बहादुर यादव ने स्थानीय शिक्षक समस्याओं का मुद्दा उठाया। शिक्षकों ने 4 सूत्रीय ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा। बैठक को राज नारायण तिवारी,धर्मेन्द्र कुमार,प्रमोद वर्मा, हरिश्चंद्र यादव आदि ने भी संबोधित किया। बैठक में अरविन्द पाण्डेय, ओम प्रकाश, सत्य प्रकाश पाठक, भरत राम,विनोद कनौजिया,लालता प्रसाद,संतोष मणि तिवारी,हरिमूर्ति चौधरी,महादेव, विवेकानंद वर्मा,शिव कुमार,बलराम वर्मा,राम सजीवन, राधेश्याम वर्मा,धनपाल यादव,रामपति कनौजिया,के.के. गौतम,संदीप वर्मा,अर्चना चौधरी,रोशन लाल,सूर्य नारायण तिवारी,प्रेम शंकर ,राम जीत वर्मा,दिलीप गुप्ता,पवन सिंह,चंदन सोनी, रविन्द्र वर्मा,अश्वनी यादव आदि शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने की शिथिलता तो होगी कार्यवाही निर्देश जारी

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में राजस्व कार्यों में शिथिलता कदापि स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामान्तरण एवं वरासत से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से करते हुए शिकायतकर्ताओं को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए। समीक्षा के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि राजस्व वसूली की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर की जाए तथा लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित की जाए। भूमि विवाद एवं अन्य जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु राजस्व अधिकारियों को जनता से संवाद बढ़ाने और मौके पर जाकर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों की समीक्षा लगातार की जाएगी और प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा की मजिस्ट्रीरियल जांच समय से पूर्ण करायी जाये। चारागाह की जमीनों का चिन्हांकन कराते हुए पशु चिकित्सा विभाग से समन्वय स्थापित कर चारा बुआई का कार्य कराया जाये। लम्बित विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही समय से पूर्ण करायी जाये। फार्मर रजिस्ट्री, अंश संशोधन, घरौनी आदि से संबंधित कार्यों को समय से पूर्ण कराये जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि तहसील स्तर पर सभी रिकार्ड अद्यतन रखे जाये। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि लंबित वादों का निस्तारण जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बड़े बकायदारों की सूची तैयार करते हुये वसूली की कार्यवाही की जाये। तालाबों का पट्टा आवंटन मानकों के अनुरूप किया जाये तथा जिनका पट्टा आवंटन हो चुका है, उनको कब्जा दिलाया जाये। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित को निर्देशित किया कि ससमय सभी शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे शिकायत डिफाल्टर की श्रेणी में न आने पाये।

केराकत में विकलांग युवक से मारपीट का आरोप, प्रधान पर गंभीर सवाल

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जनपद के केराकत क्षेत्र से मारपीट की एक गंभीर घटना सामने आई है। आरोप है कि मुर्की ग्राम स्थित एक विद्यालय परिसर में वर्तमान ग्राम प्रधान ने एक विकलांग युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित ने प्रधान पर राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर मामले को दबाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित युवक का कहना है कि वह विद्यालय परिसर में मौजूद था, तभी प्रधान वहां पहुंचे और कथित तौर पर बिना किसी ठोस कारण के उसे थप्पड़ मार दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। आरोप है कि इसके बाद उसे लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा गया। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उसकी जान बचाई। घटना के बाद पीड़ित युवक केराकत पुलिस चौकी पहुंचा और शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया। युवक का आरोप है कि सूचना मिलते ही प्रधान भी चौकी पहुंच गए और उल्टा उसी को बैठा लिया गया, जबकि उसकी तहरीर पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। मामला तब आगे बढ़ा जब यह प्रकरण क्षेत्र के एक भूतपूर्व विधायक के संज्ञान में पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने करीब पांच दिन बाद मुकदमा दर्ज किया। पीड़ित का आरोप है कि मेडिकल परीक्षण भी समुचित तरीके से नहीं कराया गया और केवल पैर का एक्स-रे कर औपचारिकता पूरी कर दी गई। युवक का कहना है कि उसने दो बार पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष मेडिकल परीक्षण और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से दोबारा मेडिकल परीक्षण कराने की बात कही गई है, लेकिन युवक का दावा है कि अब पहले जैसी चोट के निशान नहीं बचे हैं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना रिकॉर्ड है, जिसमें स्पष्ट रूप से मारपीट देखी जा सकती है। हालांकि, उसका कहना है कि प्रधान के दबाव में विद्यालय की प्रिंसिपल ने सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया है। फिलहाल, यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर क्या कार्रवाई करती है।

किसानों ने मिलेट्स उत्पादन की नवीन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन संबंधी जानकारी दी गई

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शुक्रवार को निराला प्रेक्षागृह, उन्नाव में उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के अंतर्गत एक दिवसीय श्री अन्न मिलेट्स (ज्वार रागी बाजरा सवा कुटकी कोटो मडुवा रामदाना आदि फसलों) मेला सह प्रदर्शनी एवं मिलेट्स रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक पंकज गुप्ता, तेजवंत सिंह, पीडी डीआरडीए, शशांक जिला कृषि अधिकारी तथा रवि चंद्र प्रकाश, उप निदेशक कृषि द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित मिलेट्स उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। मुख्य अतिथि मा सदर विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि श्री अन्न (मोटा अनाज) न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि आमजन मानस के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक क्षेत्र में मिलेट्स की खेती अपनाने का आह्वान किया। उप निदेशक कृषि रवि चंद्र प्रकाश ने मिलेट्स उत्पादन, विपणन एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। तेजवंत सिंह, पीडी डीआरडीए ने ग्रामीण आजीविका एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा मिलेट्स आधारित उत्पादों के निर्माण को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में कृषकों ने प्रतिभाग किया। किसानों ने मिलेट्स उत्पादन की नवीन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन संबंधी जानकारी प्राप्त की। साथ ही मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक किया गया। मेले में जनपद के फसल बीमा नमामि गंगे एवं मिलेट्स उत्पाद की रेसिपी बनाने वाले प्रतिष्ठान में0 अमन बेकर्स बांगरमऊ किरोज उन्नाव नाटी विलेज भोला गांधी नगर उन्नाव डोसा जंक्शन ने मिल्ट्स रेसिपी में भाग लिया सभी प्रतिभाग करने वाले विभाग एवं प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहन सील दी गई।

36 साल बड़े सनी देओल संग हुआ था

उर्वशी रौतेला

का डेब्यू, बुरी तरह पिटी थी फिल्म

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला फिल्म इंडस्ट्री में करीब 13 सालों से काम कर रही हैं. हालांकि एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग और फिल्मों से ज्यादा नाम नहीं कमा पाई. बल्कि उन्होंने ज्यादा सुर्खियां अपनी खूबसूरती और फैशन सेंस से बटोरी हैं. एक्ट्रेस इन मामलों में काफी अव्वल हैं और अक्सर ही वो सोशल मीडिया पर अपनी दिलकश अदाओं से फैंस के दिल जीत लेती हैं.

उर्वशी रौतेला आज अपना 32वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. एक्ट्रेस का जन्म 25 फरवरी 1994 को मानवर सिंह और मीरा सिंह के घर उत्तराखंड के कोटद्वार में हुआ था. कभी उर्वशी ड्रग्स अधिकारी बनने के सपने देखती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें ग्लैमर वर्ल्ड में ले आई. महज 15 साल की उम्र में उन्होंने 'विल्स लाइफस्टाइल फैशन वीक' में हिस्सा लिया था. जबकि 2009 में मिस टीन इंडिया बनी थीं. इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कई बड़ी उपलब्धियां दर्ज कीं.

2013 में हुआ था डेब्यू

मॉडलिंग में अच्छा खासा नाम कमाने के बाद उर्वशी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी. सिर्फ 19 साल की उम्र में उन्होंने खुद से उम्र में 36 साल बड़े दिग्गज अभिनेता सनी देओल के साथ काम किया था. उर्वशी, सनी के अपोजिट 'सिंह साब द ग्रेट' में नजर आई थीं. ये फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई थी.

पहली फिल्म के वक्त जहां उर्वशी सिर्फ 19 साल की थीं, तो वहीं सनी की उम्र 55 साल थी. अब सनी 68 साल के हो चुके हैं. वहीं उर्वशी आज 32 साल पूरे कर चुकी हैं. 13 साल पुरानी 'सिंह साब द ग्रेट' का डायरेक्शन 'गदर' बनाने वाले अनिल शर्मा ने किया था. वहीं इसे संगीता अहीर और अनुज शर्मा ने मिलकर प्रोड्यसू किया था.

बॉक्स ऑफिस पर नहीं चला जादू

सिंह साब द ग्रेट ने सिनेमाघरों में 22 नवंबर 2013 को दस्तक दी थी. फिल्म में सनी देओल और उर्वशी रौतेला के साथ प्रकाश राज, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, सिमरन खान, रजित कपूर और अमृता राव जैसे कलाकरों ने भी काम किया था. इसकी कहानी शक्तिमान तलवार ने लिखी थी.

मेकर्स ने फिल्म को बनाने में करीब 35 करोड़ रुपये खर्च किए थे. हालांकि ये भारत में सिर्फ 26.44 करोड़ का ही कलेक्शन कर पाई थी. इस हिसाब से इसे फ्लॉप फिल्म का टैग मिला था.

रश्मिका-विजय की वेडिंग चर्चाओं के बीच, देखें उदयपुर की 6 सबसे बड़ी शादियां

राजस्थान का 'झीलों का शहर' उदयपुर इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है. जल्दी ही साउथ का सुपरस्टार कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा यहां के शाही महल में सात फेरे लेने वाले हैं. वैसे ये कोई पहली बार नहीं है जब किसी फिल्मी सितारे या दिग्गज हस्ती का दिल उदयपुर पर आया हो.हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड और बिजनेस टायकून्स तक, उदयपुर की खूबसूरती ने सबको अपना दीवाना बनाया है. आइए जानते हैं उन 10 बड़े सेलिब्रिटज के बारे में, जिन्होंने अपनी 'ग्रैंड वेडिंग' के लिए उदयपुर को चुनकर उसे दुनिया का 'वेडिंग कैपिटल' बना दिया.

1. परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा

साल 2023 में 'द लीला पैलेस' गवाह बना एक्ट्रेस परिणीति और 'आप' नेता राघव चड्ढा की शादी का. इस शादी ने इंटरनेट पर तहलका मचा दी थी. यहां बारात लग्जरी नावों में सवार होकर आई थी. पिछोला झील की लहरों पर तैरते बारातियों की तस्वीरें आज भी फैंस के जेहन में ताजा हैं.

2. आयरा खान और नुपुर शिखरे

आमिर खान की लाडली आयरा खान ने जनवरी 2024 में 'ताज अरावली' को अपनी शादी के लिए चुना. नुपुर शिखरे का जिम वियर में दौड़ते हुए शादी के वेन्यू तक पहुंचना और फिर उदयपुर में एक बेहद 'चिल' और 'रस्टिक' वेडिंग करना काफी चर्चा में रहा था.

3. नील नितिन मुकेश और रुक्मिणी सहाय

एक्टर नील नितिन मुकेश की 2017 की शादी 'रेडिसन ब्लू पैलेस' में हुई थी. ये पूरी तरह से ट्रेडिशनल रॉयल वेडिंग थी, जहां तीन दिनों तक होटल के हर कोने को एक भव्य महल की तरह सजाया गया था.

4. हार्दिक पांड्या और नताशा

क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने अपनी पत्नी नताशा के साथ दोबारा शादी करने के लिए 'रैफल्स उदयपुर' जैसे अल्ट्रा-लग्जरी होटल को चुना था.

5. श्रेया सरन और एंड्रे

'दृश्यम' फेम एक्ट्रेस श्रेया सरन ने अपने रशियन पति के साथ 'देवगढ़ महल' में एक बेहद प्राइवेट लेकिन खूबसूरत सेट-अप में शादी रचाई.

अजय देवगन की 'गोलमाल 5' में 'जवान' की इस एक्ट्रेस एंट्री, शुरू हुई शूटिंग

डायरेक्टर रोहित शेट्टी की पॉपुलर एक्शन-कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी 'गोलमाल' को लोगों की तरफ से अब तक खूब प्यार मिला. इस फिल्म के अब तक चार पार्ट आ चुके हैं और अब पांचवें पर काम चल रहा है. रोहित शेट्टी और अजय देवगन एक बार फिर से 'गोलमाल 5' के लिए साथ आए हैं. दोनों अपनी इस फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ा रहे हैं. 23 फरवरी से मुंबई में इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है. वहीं अब खबर है कि इस फिल्म में एक पॉपुलर एक्ट्रेस की एंट्री हुई है.

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान की 'जवान' और मनोज बाजपेयी की 'द फैमिली मैन' जैसे प्रोजेक्ट में काम कर चुकीं एक्ट्रेस प्रियमणि अब 'गोलमाल 5' का हिस्सा हैं. हालांकि, उनका रोल किस तरह का है इस बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि शूटिंग का ये पहला शेड्यूल लगभग एक महीने तक चलने वाला है.

ये स्टार्स भी 'गोलमाल 5' का हिस्सा

अजय देवगन के साथ 'गोलमाल 5' में इस फ्रेंचाइजी के पुराने स्टार्स अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस तलपड़े, जॉनी लिवर, मुकेश तिवारी और संजय मिश्रा भी नजर आने वाले हैं. वहीं कुछ समय पहले इस फिल्म में एक बड़ी कास्टिंग हुई थी. वो कास्टिंग है अक्षय कुमार की. रोहित शेट्टी इस बार फिल्म को और भी बड़ा बनाने के लिए अक्षय कुमार को भी लेकर आए हैं. वो इस फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आने वाले हैं. यानी फिल्म में अजय देवगन और अक्षय के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी.

'गोलमाल' का चौथा पार्ट साल 2017 में आया था. उसके बाद से फैंस अजय देवगन को एक बार फिर से इस फ्रेंचाइजी में देखने का इंतजार कर रहे हैं. लगभग 9 साल के बाद पांचवा पार्ट बन रहा है. हालांकि, 'गोलमाल 5' रिलीज कब तक होगी फिलहाल इस बारे में कोई भी जानकारी नहीं है.

इस फिल्म में भी दिखेंगे अजय देवगन

इस साल अजय देवगन 'दृश्यम 3' में भी नजर आने वाले हैं. पिछले दोनों पार्ट की सफलता के बाद फैंस के बीच तीसरे पार्ट को लेकर एक्साइटमेंट है. ये फिल्म इसी साल 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. उनके साथ तब्बू, श्रिया सरण, ईशिता दत्ता भी इस फिल्म में हैं. पिछले पार्ट में अक्षय खन्ना भी दिखे थे, लेकिन इस बार वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं. जयदीप अहलावत को इस पार्ट के लिए कास्ट किया गया है. वो इसमें अहम रोल में नजर आने वाले हैं.

लीवर कैंसर के बाद पेट में सिस्ट

दीपिका कक्कड़

ने कराई सर्जरी, पति शोएब ने दिया हेल्थ अपडेट

टीवी की चहेती 'सिमर' यानी दीपिका कक्कड़ इन दिनों अपनी सेहत को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. अभी कुछ ही महीने पहले उन्होंने अपनी लीवर कैंसर की जंग जीती थी, लेकिन अब एक और स्वास्थ्य समस्या ने उनके फैंस को चिंता में डाल दिया है. दीपिका के पेट में 1.3 सेंटीमीटर (13 द्वद्व) का एक सिस्ट पाया गया था, जिसकी सर्जरी अब सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है.

दीपिका के पति और एक्टर शोएब इब्राहिम ने मंगलवार, 24 फरवरी को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर फैंस के साथ ये राहत की खबर शेयर की है. शोएब ने लिखा, अल्लाह के करम से और आप सबकी दुआओं से दीपी (दीपिका) का प्रोसीजर पूरा हो गया है. सब कुछ ठीक रहा. वो अब ठीक हैं, बस थोड़े दर्द में हैं, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है. आपकी प्रार्थनाओं के लिए एक बार फिर शुक्रिया.

अचानक बढ़ा दर्द और हुआ खुलासा

इससे पहले शोएब ने बताया था कि शुक्रवार की रात दीपिका के पेट में अचानक तेज दर्द उठा था. जब दर्द बर्दाश्त से बाहर हुआ, तो डॉक्टर की सलाह पर सीटी स्कैन कराया गया. रिपोर्ट में 1.3 सेंटीमीटर के एक नए सिस्ट का पता चला. ये खबर परिवार के लिए बहुत मुश्किल था, क्योंकि दीपिका हाल ही में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज से उबरी थीं.

दीपिका का इमोशनल मैसेज

अपनी बीमारी और सर्जरी पर बात करते हुए दीपिका कक्कड़ काफी भावुक नजर आई. उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर उन लोगों के लिए एक मैसेज दिया, जो किसी न किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं. दीपिका ने कहा, जिंदगी ऐसी ही है. जो लोग मेरी तरह जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं, उन्हें ऐसे छोटे-बड़े उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए. डर सबको लगता है, आज सुबह मैं भी डरी हुई थी, लेकिन मुझे खुशी है कि हमने समय रहते इसे पकड़ लिया. रेगुलर फॉलो-अप बहुत जरूरी है, हल्के से दर्द को भी नजरअंदाज न करें. फिलहाल डॉक्टर सर्जरी के बाद उनकी रिकवरी देख रहे हैं. इसके बाद डॉक्टरों ने इम्यूनोथेरेपी शुरू करने के संकेत दिए हैं. दीपिका की हिम्मत और उनकी मुस्कान ने उनके लाखों फैंस को प्रेरित किया है.

हर सुधार और आवंटन विकसित भारत 2047 की दिशा में कदम : पीएम मोदी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोस्ट-बजट के पहले वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का हर सुधार और हर बजटीय आवंटन 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसलिए, बजट के बाद हर साल होने वाले ये वेबिनार बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नीतिगत फैसलों का मकसद दीर्घकालिक विकास को गति देना और देश की विकसित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाना है।

रिफॉर्म एक्सप्रेस को लेकर क्या बोले पीएम?

पीएम मोदी ने कहा कि रिफॉर्म एक्सप्रेस को बनाए रखने के लिए, केवल नीतियों के इरादे पर नहीं, बल्कि बेहतर क्रियान्वयन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। सुधारों का आकलन उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए और पारदर्शिता, गति व जवाबदेही बढ़ाने के लिए एआई, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स के साथ शिकायत निवारण प्रणाली का उपयोग जरूरी है।

निवेशकों के लिए पीएम ने क्या है?

मोदी ने कहा कि सरकार की कोशिश व्यवस्था को अधिक पूर्वानुमानित और निवेशकों के अनुकूल बनाने की है। उन्होंने कहा कि बॉन्ड मार्केट सुधारों को दीर्घकालिक आर्थिक सुधारों के सक्षम साधन के रूप में देखा जाना चाहिए।

क्या है रिफॉर्म पार्टनरशिप चार्टर?

पीएम मोदी ने सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच एक स्पष्ट रिफॉर्म पार्टनरशिप चार्टर बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि बजट पर चर्चा से अधिक जरूरी तेज और सरल क्रियान्वयन है, ताकि सभी हितधारकों को इसका लाभ मिल सके और अर्थव्यवस्था को नई गति मिले।

भारतीय अर्थव्यवस्था में क्या-क्या बदलाव हुए?

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था ने अभूतपूर्व मजबूती और लचीला रुख दिखाया है। उनके अनुसार, इस अवधि में सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ कई संरचनात्मक और नीतिगत सुधार लागू किए, जिससे आर्थिक ढांचे को मजबूती मिली।

नीति-निर्माण नहीं, बेहतर क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी

'टेक्नोलॉजी, रिफॉर्म्स एंड फाइनेंस फॉर विकसित भारत' को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सुधारों की रफ्तार बनाए रखने के लिए सिर्फ नीति-निर्माण नहीं, बल्कि बेहतर क्रियान्वयन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि सुधारों का मूल्यांकन केवल उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए।

पूंजीगत व्यय में हुए बड़े बदलाव- पीएम

प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में बड़े बदलाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि 11 वर्ष पहले जहां यह करीब 2 लाख करोड़ रुपये था, वहीं मौजूदा बजट में यह बढ़कर लगभग 12 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का इतना बड़ा निवेश निजी क्षेत्र के लिए स्पष्ट संदेश है कि अब उद्योग और वित्तीय संस्थान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने उभरते क्षेत्रों में वित्तपोषण के नए मॉडल और मजबूत सहयोग की जरूरत पर बल दिया व परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ोतरी रोकने के लिए परियोजना स्वीकृति प्रक्रिया और मूल्यांकन की गुणवत्ता मजबूत करने की सलाह दी।

अब कापेंगे भारत के दुश्मन

युद्धपोत अंजदीप के शामिल होने से बढ़ी नौसेना की ताकत

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। चेन्नई

भारतीय नौसेना की समंदर में ताकत बढ़ चुकी है। नौसेना को एक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अंजदीप मिल गया है। उथले पानी में काम करने की क्षमता वाले आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों की श्रृंखला का यह तीसरा युद्धपोत 27 फरवरी को चेन्नई में नौसेना में शामिल किया गया। इस समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शामिल हुए। यह जहाज कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया है।

किस पर रखा गया युद्धपोत का नाम अंजदीप?

अंजदीप नाम कर्नाटक के कारवार तट के पास स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है। यह युद्धपोत 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ बना है। इससे देश की रक्षा निर्माण क्षमता को बल मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। अंजदीप नौसेना के इसी नाम वाले पुराने युद्धपोत का नया अवतार है। पुराना युद्धपोत 2003 में रिटायर हो गया था। 77 मीटर लंबे इस जहाज में एक हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है, जो इसे त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर संचालन के लिए 25 समुद्री मील की अधिकतम गति प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। नौसेना ने कहा कि कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित, आईएनएस अंजदीप एक अत्याधुनिक पोत है जिसे विशेष रूप से तटीय युद्ध वातावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। पनडुब्बी रोधी युद्ध की भूमिका के अलावा यह युद्धपोत तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों और खोज एवं बचाव अभियानों को अंजाम देने के लिए भी सुसज्जित है।

'डॉल्फिन हंटर' के रूप में डिजाइन

यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली से लैस है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से जहाज को कमीशन किया।

मुख्य विशेषताएं

- रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इसे डॉल्फिन हंटर के रूप में डिजाइन किया गया है।
- जो तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बी का पता लगाकर उसे निष्क्रिय करने में सक्षम है।
- करीब 77 मीटर लंबे इस श्रेणी के युद्धपोत वॉटरजेट से चलने वाले नौसेना के अब तक के सबसे बड़े युद्धपोत हैं।
- इनमें अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट और उथले पानी में काम करने वाला सोनार सिस्टम लगाया गया है।
- इससे समुद्र के काफी अंदर तक मौजूद दुश्मन के खतरों का पता लगाने और उनको नष्ट करने की क्षमता बढ़ेगी।
- यह जहाज नौसेना की तटीय निगरानी और समुद्री बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमता को भी मजबूत करेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर में भरी उड़ान

भारत-पाक सीमा पर सह-पायलट बन रचा इतिहास

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। जैसलमेर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी। राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में सह-पायलट के तौर में उड़ान भर कर इतिहास रच दिया है।द्रौपदी मुर्मू स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर में सह-पायलट बनकर उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। एलसीएच प्रचंड ने जैसलमेर स्थित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कैप्टन ने राष्ट्रपति को जानकारी दी। जैतून के हरे रंग की वर्दी और हेलमेट पहने हुए उन्होंने प्रस्थान करने से पहले कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिया राष्ट्र के नाम संदेश

भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान कॉकपिट से राष्ट्र के नाम संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, 'प्रचंड हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भरता का एक सशक्त प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर जिले के ऊपर उड़ान भर रही हूं। मैं हमारे वीर सैनिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। आपको मेरा सादर सलाम। जय हिंद, जय भारत।'यह उड़ान लगभग 25 मिनट तक चली। हेलीकॉप्टर पोखरण फायरिंग रेंज के ऊपर से गुजरा, जहां भारतीय वायुसेना शाम को 'वायु शक्ति' नामक अग्नि शक्ति प्रदर्शन आयोजित करेगी। राष्ट्रपति मुर्मू दिन-दुशाला-रात्रि प्रदर्शन का भी अवलोकन करेंगी। इससे पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने राष्ट्रपति का जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पर स्वागत किया।

क्या है 'प्रचंड' की खासियत?

एलसीएच 'प्रचंड' भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने निर्मित किया है। उन्नत एवियोनिक्स, स्टील्थ विशेषताओं, नाइट-अटैक क्षमता और एयर-टू-ग्राउंड व एयर-टू-एयर मिसाइलों, रॉकेट तथा 20 मिमी गन सहित शक्तिशाली हथियारों से लैस एलसीएच भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाता है।

अब तक रचे ये इतिहास

- आज की इस उड़ान के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आक्रमण हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बन गई हैं। यह राष्ट्रपति द्वारा अग्रिम मोर्चे के सैन्य प्लेटफॉर्म के साथ उच्च-स्तरीय सहभागिता की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- उन्होंने पिछले वर्ष अक्टूबर में अंबाला वायुसेना स्टेशन पर राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी, जिससे वह भारतीय वायुसेना के दो अलग-अलग लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं।
- अप्रैल 2023 में उन्होंने असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में लगभग 30 मिनट की उड़ान भरी थी। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मपुत्र और तेजपुर घाटी के ऊपर से उड़ान भरते हुए हिमालय का दृश्य भी देखा।

कोई नहीं कर सकता हमारे आदेश का उल्लंघन

बंगाल एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे।

हमारे आदेशों से आगे कोई नहीं जाएगा :सुप्रीम कोर्ट

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। पीठ ने कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेशों से आगे जाएगी। पश्चिम बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के बीच चल रहे गतिरोध से निराश होकर शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को एक 'असाधारण' निर्देश जारी किया। इसमें राज्य में विवादित मतदाता सूचियों की एसआईआर में चुनाव आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया गया।

न्यायिक अधिकारियों के लिए जारी किया प्रशिक्षण मॉड्यूल : बंगाल सरकार

पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा, 'चुनाव आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं।'

चंडीगढ़ में स्कूलों को फिर धमकी: बम से उड़ाने की आई मेल, लिखा-अगले दो दिन में चंडीगढ़ में ब्लास्ट होंगे

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। चंडीगढ़

चंडीगढ़ में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। शुक्रवार को विवेक हाई स्कूल और गुरुकुल भवन विद्यालय और अन्य कई प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी भेजी गई। सूचना मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को अवगत कराया। स्कूलों को मिली धमकी में लिखा है कि अगले दो दिन में पूरे चंडीगढ़ में बम ब्लास्ट होंगे। एहतियातन बच्चों को घर भेजा गया है। मेल में पंजाब सेक्रेटेरिएट को भी उड़ाने की धमकी दी गई है। चंडीगढ़ में धमकियां मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले भी चंडीगढ़ के कई स्कूलों को धमकी भरे मेल आए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। एहतियातन स्कूलों को खाली करवा लिया गया और छात्रों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। इसके बाद पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। कक्षाओं, कार्यालयों, स्टोर रूम और अन्य स्थानों की बारीकी से जांच की गई। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस की जांच देर शाम तक जारी रही। स्कूल के आसपास के क्षेत्र में भी निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी भरा ईमेल किस आईडी से भेजा गया, इसकी जांच की जा रही है। साइबर सेल की टीम तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ईमेल भेजने वाले की पहचान में जुटी है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी शहर के कुछ शिक्षण संस्थानों को इस तरह के ईमेल मिल चुके हैं, जिनमें कोई विस्फोटक नहीं मिला था। प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बताई जा रही है। इस तरह से बार-बार स्कूलों और अन्य सरकारी संस्थान में बम की धमकी से शहर वासियों की चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना कि अब यह रोजमर्रा की बात हो गई है इसके लिए चंडीगढ़ प्रशासन और भारत सरकार को अब कुछ बड़े कदम उठाने चाहिए।

उनकी दुश्मनी मुसलमानों से, हमारा कोई अपना नहीं कांग्रेस और भाजपा पर भड़के अकबरुद्दीन ओवैसी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। हैदराबाद

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मुस्लिम समुदाय को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी दुश्मनी हम मुसलमानों से है। हैदराबाद में एक कार्यक्रम में बोलते हुए अकबरुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की तुलना करते हुए उन पर 'विध्वंस' की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि योगी वहां बुलडोजर से घर गिरा रहे हैं, यहां रेड्डी भी घर और मस्जिदें गिरा रहे हैं। योगी और इस रेड्डी में कोई फर्क नहीं है।

अतिक्रमण विरोधी अभियान पर मचा बवाल

असदुद्दीन ओवैसी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि उन्होंने कामारेड्डी के पुलिस अधीक्षक से बात की और बांसवाड़ा हिंसा के संबंध में तत्काल एफआईआर दर्ज करने और उचित जांच कराने की मांग की। वहीं, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने गुरुवार को मधु पार्क रिज अपार्टमेंट के निवासियों से मुलाकात की, जिन्होंने आरोप लगाया है कि प्रस्तावित मूसी नदी तट परियोजना के कारण उनके घर छिनने का खतरा है। उनकी शिकायतें सुनने के बाद भाजपा नेता राव ने उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया और राज्य सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि गांधी प्रतिमा के कारण इन घरों को गिराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि निवासियों में कई पूर्व सैनिक भी शामिल हैं, जिसके कारण उन्होंने इस स्थिति को शर्मनाक बताया।

'हमारे कलमे, हमारी शरीयत, हमारी बस्तियों से दुश्मनी'

एआईएमआईएम विधायक ने कहा, 'भाजपा और कांग्रेस में कोई फर्क नहीं है। जब हमारे मुद्दों की बात आती है, तो वे सब एकजुट हो जाते हैं। उनकी दुश्मनी हम मुसलमानों से है। कोई भी हमारा अपना नहीं है।' अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'इनको हमारे कलमे से, हमारी शरीयत से, हमारी दरगाहों से, हमारी टोपियों से, हमारे हिजाब से और हमारी बस्तियों से दुश्मनी है।' तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी ने पिछले वर्ष अवैध निर्माणों को हटाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू किए हैं। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी तेलंगाना में 'सांप्रदायिक घटनाओं की बढ़ती संख्या' पर चिंता व्यक्त की थी। इसके साथ ही उन्होंने बांसवाड़ा में हुई हालिया हिंसा के संबंध में अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी।

कांग्रेस का पीएम मोदी पर निशाना, कहा, पीएम के लिए एनसीईआरटी का असली फुल फॉर्म है कुछ और

- पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग भी की
- जयराम ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में पाठ्यपुस्तकों में वैचारिक बदलाव किए गए हैं

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

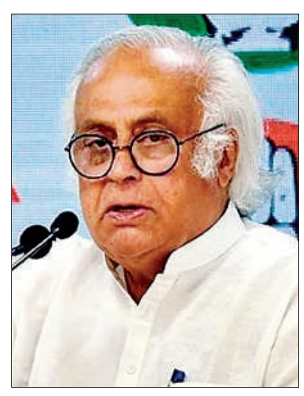

एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वयं पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए नागपुर सांप्रदायिक पारिस्थितिकी तंत्र का मार्गदर्शन और आकार दिया है (नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स), जो वास्तविक एनसीईआरटी है। पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग भी की। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में पाठ्यपुस्तकों में वैचारिक बदलाव किए गए हैं और इन्हें ध्रुवीकरण व राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ही ऐसे शैक्षणिक तंत्र को दिशा दी है, जिसने पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन को आकार दिया।

एनसीईआरटी को लेकर क्या हो रहा विवाद?

कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय आया है जब सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक के आगे के प्रकाशन, पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने पुस्तक में न्यायपालिका पर आपत्तिजनक सामग्री होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे संस्थान की गरिमा प्रभावित होती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए पुस्तक की सभी भौतिक और डिजिटल प्रतियों को तत्काल जब्त कर सार्वजनिक पहुंच से हटाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनसीईआरटी निदेशक और स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि आपत्तिजनक अध्याय शामिल करने के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई क्यों न की जाए। वहीं, केंद्र सरकार ने भी पुस्तक में विवादित अंश शामिल किए जाने पर चिंता जताई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जिम्मेदारी तय की जाएगी और मसौदा तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर, एनसीईआरटी ने शीर्ष अदालत की सख्त टिप्पणियों के बाद पुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा लिया है, अनुचित सामग्री के लिए खेद जताया है और संबंधित प्राधिकरणों से परामर्श के बाद इसे दोबारा संशोधित करने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी है कि उसके आदेश की अवहेलना करते हुए किसी भी माध्यम से समान सामग्री प्रसारित करने की कोशिश को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

सियासी दलों की एक चरण में तमिलनाडु चुनाव कराने की मांग, सीईसी बोले, सारी चीजें ध्यान में रखकर लेंगे फैसला

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। चेन्नई

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तमिलनाडु के चुनावी इतिहास और आगामी चुनावों से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा कि तमिलनाडु में पार्टियों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का सुझाव दिया है और इस पर सभी कारकों पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग का 'चुनाव के चरणों' को लेकर निर्णय चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने राज्य के 'गौरवशाली लोकतांत्रिक अतीत' का उल्लेख करते हुए प्राचीन 'कुडवोलाई' प्रणाली का भी जिक्र किया, जो दर्शाता है कि लोकतंत्र की जड़ें तमिलनाडु में कितनी गहरी हैं।

निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया का आश्वासन

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र कर चुनाव आयोग के 'पारदर्शी उद्देश्य' पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी योग्य व्यक्ति को मतदान प्रक्रिया से बाहर नहीं रखा जाएगा और न ही किसी अयोग्य व्यक्ति को शामिल होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी हों। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि तमिलनाडु में सभी 75,000 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

नई चुनावी पहलें और मतगणना प्रक्रिया

चुनाव आयोग की ओर से तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को और अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए कई नई पहलों की घोषणा की गई। इनमें से एक प्रमुख पहल यह है कि पोस्टल बैलेट की गिनती इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की मतगणना से दो चरण पहले की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट किया गया कि वीवीपैट की गिनती अनिवार्य रूप से की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना समाप्त होने के बाद भी, कोई भी उम्मीदवार एक निश्चित शुल्क का भुगतान करके अगले सात दिनों के भीतर ईवीएम के वोटों का वीवीपैट पर्चियों से मिलान करवा सकता है। यह कदम चुनावी प्रक्रिया में विश्वास और पारदर्शिता को और बढ़ाएगा।